THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 68 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.9 2082 बुधवार, 4 जून-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

देश में कोरोना से 4 दिन में 31 मौतें

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। देश में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 4026 पहुंच गई है। इनमें से 50 प्रतिशत मामले केरल और महाराष्ट्र में हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1416 एक्टिव केस हैं। वहीं, महाराष्ट्र से 494 मामले सामने आए हैं। अब तक देशभर में 2700 मरीज ठीक भी हुए हैं।

कोरोना से अब तक 38 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 31 की मौत बीते 4 दिन में हुई हैं। महाराष्ट्र में सोमवार को एक 70 साल और एक 73 साल की महिला की जान चली गई। राज्य में सबसे ज्यादा 10 मौतें हुई हैं। 24 घंटे में केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और गुजरात में भी 1-1 मौत हुई है।

ऑपरेशन सिंदूर पर सीडीएस बोले

पाक ने 48 घंटे तक लड़ने का दम भरा

> हमने आठ घंटे में घुटनों पर ला दिया

पुणे, 3 जून (एजेंसियां)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के पीछे के कारणों पर बात करते हुए कहा कि पहलगाम में जो हुआ, वह घोर क्रूरता थी। 'ऑपरेशन सिंदूर' के पीछे सोच यह थी कि पाकिस्तान से राज्य प्रायोजित आतंकवाद को रोका जाए। उसे भारत को आतंकवादी गतिविधियों का बंधक नहीं बनाना चाहिए। भारत अब आतंकवाद और परमाणु ब्लैकमेल की छाया में नहीं रहने वाला। उन्होंने फिर दोहराया कि पेशेवर सैन्य बलों पर असफलताओं और नुकसानों का कोई असर नहीं होता। नुकसान महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि परिणाम महत्वपूर्ण हैं।

संघर्ष का प्रारंभिक बिंदु पहलगाम आतंकी हमला था :

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि इस संघर्ष का प्रारंभिक बिंदु पहलगाम आतंकी हमला था। क्या आतंकवाद युद्ध का एक तर्कसंगत तरीका है? मुझे नहीं लगता कि ऐसा है, क्योंकि आतंकवाद का कोई परिभाषित तर्क नहीं है। जहां तक हमारे विरोधी का सवाल है तो उसने भारत को हजारों घाव देकर खून बहाने का फैसला किया है। 1965 में जुल्फिकार अली भुट्टो ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को संबोधित करते हुए भारत के खिलाफ एक हजार साल के युद्ध की घोषणा की थी।

असीम मुनीर ने भारत और हिंदुओं के खिलाफ जहर उगला था

सीडीएस जनरल चौहान ने युद्ध के अलग-अलग तरीकों पर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में युद्ध और राजनीति समानांतर रूप से हो रही थी। पहलगाम में जो कुछ हुआ, उससे कुछ सप्ताह पहले ही पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने भारत और हिंदुओं के खिलाफ जहर उगला था। हमने सीमा बढ़ा दी है, आतंक को पानी से जोड़ दिया है, आतंक के खिलाफ सैन्य अभियान की नई रेखा खींची है।

सीडीएस ने कहा कि 10 मई को रात करीब एक बजे उनका (पाकिस्तान का) लक्ष्य 48 घंटे में भारत को घुटने टेकने पर मजबूर करना था। कई हमले किए गए और उन्होंने इस संघर्ष को और बढ़ा दिया। हमने तो सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। ऑपरेशन जो उन्हें लगा कि 48 घंटे तक चलेगा, लगभग 8 घंटे में ही खत्म हो गया और फिर उन्होंने फोन उठाया और कहा कि वे बात करना चाहते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुए नुकसान के बारे में पूछे जाने पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा, जब मुझसे हमारी ओर से हुए नुकसान के बारे में पूछा गया तो मैंने कहा कि ये महत्वपूर्ण नहीं हैं। परिणाम और आप कैसे कार्य करते हैं, ये महत्वपूर्ण है। नुकसान के बारे में बात करना बहुत सही नहीं होगा। मान लीजिए कि आप क्रिकेट टेस्ट मैच में जाते हैं और आप किसी भी तरह से जीत जाते हैं, तो कितने विकेट, कितनी गेंदें और कितने खिलाड़ी हैं, इसका कोई सवाल ही नहीं है। तकनीकी मापदंडों के आधार पर हम यह विशेष डेटा निकालेंगे और आपके साथ साझा करेंगे।

भारत ने जितना बताया उससे कहीं अधिक ठिकानों को सेना ने बनाया निशाना, पाक डोजियर में खुलासा

इस्लामाबाद, 3 जून (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने पिछले महीने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था। इस सैन्य अभियान के तहत पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में कई आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया गया था। इसके अलावा, 11 एयरबेस को भी निशाना बनाया गया था। हालांकि, पाकिस्तान के एक आधिकारिक दस्तावेज (डोजियर) में नया खुलासा हुआ है। दरअसल, पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जवाब में 'ऑपरेशन बुनयान उन मरसूस' चलाया था। इससे जुड़े डोजियर में उसने स्वीकार किया है कि भारत ने सात अतिरिक्त ठिकानों पर भी हमले किए। डोजियर में दिखाए गए नक्शों में पेशावर, झांग, सिंध में हैदराबाद, पंजाब में गुजरात, बहावलनगर, अटक और छोर इलाकों पर हमले दिखाए गए हैं। पिछले महीने हवाई हमलों के बाद मीडिया ब्रीफिंग में भारतीय वायु सेना या सैन्य महानिदेशक (डीजीएमओ) ने इन स्थानों का जिक्र नहीं किया था।

चुनाव आयोग का मतदान प्रतिशत आंकड़ों को लेकर बड़ा फैसला

शुरू करने जा रहा है नई प्रणाली

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। मतदाता मतदान प्रतिशत को लेकर लगातार विपक्ष के आरोपों का सामना कर रहा निर्वाचन आयोग एक नई व्यवस्था शुरू करने जा रहा है। चुनाव आयोग ने मंगलवार को कहा कि वह अनुमानित मतदाता मतदान प्रतिशत डेटा समय पर मिल सके इसके लिए वह एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-आधारित प्रणाली शुरू कर रहा है। जिससे पहले की मैन्युअल रिपोर्टिंग विधियों से जुड़ी समय-देरी काफी हद तक कम हो जाएगी।

आयोग ने बताया कि इस नई पहल के तहत मतदान के दिन प्रत्येक मतदान केंद्र के प्रिसाइडिंग ऑफिसर (पीआरओ) हर दो घंटे में मतदान का आंकड़ा सीधे 'ईसीआईनेट' एप्लिकेशन पर दर्ज करेंगे।

इससे मतदान रुझानों के अद्यतन में लगने वाला समय घटेगा। यह आंकड़े स्वचालित रूप से विधानसभा क्षेत्र स्तर पर एकत्र किए जाएंगे। आयोग ने स्पष्ट किया कि मतदान प्रतिशत के अनुमानित आंकड़े पहले की तरह हर दो घंटे में प्रकाशित होते रहेंगे। चुनाव आयोग ने कहा, विशेष रूप से मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद प्रिसाइडिंग ऑफिसर मतदान केंद्र से रवाना होने से पहले 'ईसीआईनेट' पर डेटा दर्ज करेंगे।

इससे देरी में कमी आएगी और मतदान समाप्त होने के बाद नेटवर्क उपलब्धता के आधार पर अपडेटेड वोटर टर्नआउट एप पर निर्वाचन क्षेत्रवार मतदान का अनुमानित प्रतिशत उपलब्ध हो सकेगा। इस नई प्रणाली का उद्देश्य पारदर्शिता, सटीकता और समयबद्धता सुनिश्चित करना है, जिससे मतदाता और अन्य हितधारक वास्तविक समय में मतदान रुझानों से अवगत रह सकें।

'हमें मनाने की जरूरत नहीं' : ट्रंप के दावे पर शशि थरूर की दो टूक

ब्रासीलिया, 3 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम में तीसरे पक्ष की संलिप्तता से इनकार किया है और कहा है कि संघर्षविराम के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत हुई। थरूर के नेतृत्व वाला सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल फिलहाल ब्राजील में है और ब्राजील से अमेरिका के लिए रवाना होगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार दावा कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम के लिए उन्होंने मध्यस्थता की।

हम युद्ध नहीं विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं :

ब्राजील में शशि थरूर ने कहा कि, हम अमेरिकी राष्ट्रपति पद का बहुत सम्मान करते हैं और हम उसी सम्मान को ध्यान में रखते हुए बात करेंगे, लेकिन मोटे तौर पर कहें तो हमारी समझ थोड़ी अलग है। हमें रोकने के लिए किसी को मनाने की जरूरत नहीं थी। हमने पहले ही रुकने के लिए कह दिया था। अगर अमेरिकी राष्ट्रपति या उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किसी को मनाने की जरूरत थी, तो वह पाकिस्तानियों को मनाने की थी। उन्हें मनाना पड़ता। हमें मनाने की जरूरत नहीं है क्योंकि हम युद्ध नहीं चाहते। हम विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। यही मूल संदेश है।

पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया नहीं की होती तो हम भी नहीं करते :

थरूर ने कहा कि हमने 7 मई को शुरू से ही लगातार कहा था कि हम संघर्ष को लंबा खींचने के इच्छुक नहीं हैं। यह किसी तरह के युद्ध की शुरूआत नहीं है। यह सिर्फ आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिशोध है, बस। अगर पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया नहीं की होती, तो हम भी प्रतिक्रिया नहीं करते।

ट्रंप के दावे को भारत कर चुका है खारिज :

डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि भारत-पाकिस्तान के बीच उन्होंने ही मध्यस्थता कराई। ट्रंप ने ही सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में सबसे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम की जानकारी दी थी। हालांकि भारत ने ट्रंप ने दावे को खारिज कर दिया। भारत ने बताया कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारतीय समकक्ष को फोन करके संघर्षविराम की अपील की थी। जिसके बाद संघर्षविराम हुआ।

असम-सिक्किम और मिजोरम में बाढ़ से भारी तबाही

> 5.5 लाख से ज्यादा प्रभावित-36 की मौत

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में भारी बारिश, बाढ़ और लैंडस्लाइड से तबाही मची हुई है। पूर्वोत्तर में बाढ़-भूस्खलन में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 36 पहुंच गई है। क्षेत्र के कई राज्यों में 5.5 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र में बाढ़ और भूस्खलन के कारण असम में सबसे अधिक 11 लोगों की जान गई है। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश में 10, मेघालय में छह, मिजोरम में पांच, सिक्किम में तीन और त्रिपुरा में एक व्यक्ति की मौत हुई है। एक आधिकारिक बुलेटिन में कहा गया है कि असम में 22 जिलों में बाढ़ से 5.35 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं जबकि 15 नदियां उफान पर हैं। उत्तरी सिक्किम के भूस्खलन प्रभावित छातेन से मंगलवार को 34 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। अधिकारियों ने बताया कि दो एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर 34 लोगों को लेकर सुरक्षित रूप से यहां के निकट पाकयोंग हवाई अड्डे पर उतरे और इसी के साथ निकासी अभियान पूरा हुआ। उन्होंने बताया कि बचाए गए लोगों में घायल सैन्यकर्मी, उनके परिवार के सदस्य और क्षेत्र में मौजूद पर्यटक शामिल हैं। इससे पहले छातेन में सेना के एक शिविर के भूस्खलन की चपेट में आने के बाद लापता हुए छह सैनिकों की तलाश के लिए एनडीआरएफ के 23 कर्मियों का एक दल भेजा गया था।

छातेन में एक सैन्य शिविर के भूस्खलन की चपेट में आने के बाद तीन सैन्यकर्मियों की मौत हो गई और 6 सैनिक लापता हो गए। भारी बारिश के कारण मंगन जिले के लाचेन कस्बे के पास रविवार शाम सात बजे भूस्खलन हुआ था। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, क्षेत्र में भारी और लगातार बारिश के कारण भयावह भूस्खलन हुआ जिससे तीन जवानों की मौत हो गई। एक बयान में कहा गया कि कर्मियों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि चार अन्य सैनिकों को बचा लिया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर-विदेश गए डेलिगेशन से मिलेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख दुनिया को बताने गए डेलिगेशन ग्रुप्स से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते मुलाकात कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीएम मोदी सभी 7 डेलिगेशन ग्रुप से 9 या 10 जून को मिलेंगे। इस दौरान डेलिगेशन अपने दौरे की रिपोर्ट प्रधानमंत्री को देंगे। भाजपा के बैजयंत पांडा के नेतृत्व वाला डेलिगेशन आज मंगलवार को भारत लौट आया है। इस ग्रुप में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, फंगनन कोन्याक और रेखा शर्मा, एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी, सतनाम सिंह संधू, गुलाम नबी आजाद और पूर्व विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला शामिल हैं। इन्होंने सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया 4 देशों की यात्रा की। बाकी छह डेलिगेशन 8 जून तक विदेश दौरे से वापसी करेंगे।

सिर्फ कानून बनाने पर नहीं मानी जा सकती अदालत की अवमानना : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि अगर संसद या राज्य विधानसभा कोई कानून बनाती है, तो उसे अदालत की अवमानना नहीं माना जा सकता। जस्टिस बी. वी. नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने यह टिप्पणी 2012 में दाखिल अवमानना याचिका को खारिज करते हुए की। याचिका समाजशास्त्री और दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोफेसर नंदिनी सुंदर व अन्य की ओर से दायर की गई थी। याचिका में छत्तीसगढ़ सरकार पर आरोप लगाया गया था कि उसने सुप्रीम कोर्ट के 2011 के आदेश का पालन नहीं किया। शीर्ष कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार से कहा था कि वह सलवा जुडूम जैसे गुटों को समर्थन देना बंद करे और आदिवासी लोगों को विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) बनाकर उन्हें हथियार देना बंद करे।

'इंडिया' गठबंधन की अहम बैठक में दोहराई गई संसद के विशेष सत्र की मांग, राउत ने कसा तंज

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। संसद के विशेष सत्र की मांग को लेकर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं ने मंगलवार को एक अहम बैठक की। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में हुई बैठक के बाद मीडिया को जानकारी भी दी गई। सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया। बताया गया कि लोकसभा के 200 से ज्यादा सांसदों ने विशेष सत्र के लिए पीएम मोदी को लिखे पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इस दौरान संसद का विशेष सत्र न बुलाए जाने पर संजय राउत ने सरकार पर तंज कसा। शिवसेना यूबीटी सांसद ने कहा कि क्या हमें विशेष सत्र के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के पास जाना चाहिए?

गठबंधन की बैठक के बाद कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि 'इंडिया' के 16 राजनीतिक दलों ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। पहलगाम आतंकवादी हमले और भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान सभी विपक्षी दल हमारे सशस्त्र बलों और भारत सरकार के समर्थन में खड़े थे। जब अमेरिका ने युद्ध विराम की घोषणा की थी, तब हमने मांग की थी कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए, ताकि सभी दल हमारे सशस्त्र बलों को धन्यवाद दे सकें। पहलगाम से लेकर ऑपरेशन सिंदूर और अमेरिका द्वारा युद्ध विराम की घोषणा तक, हमें संसद में इन पर चर्चा करनी चाहिए। हमें संसद में आतंकवाद को कैसे खत्म किया जाए और आगे की रणनीति पर भी चर्चा करनी चाहिए। अब जबकि भारत सरकार दुनिया के सामने अपने विचार रख रही है, तो मुझे लगता है कि सरकार को संसद में भी ऐसा ही करना चाहिए।

टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा, 16 दलों ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है।

वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल लॉन्च करेगी सरकार

6 जून को लॉन्च होगा उम्मीद पोर्टल, 6 महीने के अंदर सभी संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन जरूरी

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार 6 जून को 'उम्मीद' पोर्टल लॉन्च करने जा रही है। इसका मकसद वक्फ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। 'उम्मीद' का पूरा नाम है- यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी और डेवलपमेंट। यह एक सेंट्रल पोर्टल होगा, जिस पर देशभर की वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर किया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, पोर्टल लॉन्च होने के छह महीने के भीतर सभी वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर करना अनिवार्य होगा। इस पर संपत्तियों का पूरा विवरण देना होगा, जैसे- लंबाई, चौड़ाई और जियो टैग की गई लोकेशन। अगर किसी संपत्ति का नाम किसी महिला के नाम पर दर्ज है, तो उसे वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जा सकेगा।

रजिस्ट्रेशन के लिए दो महीने का अतिरिक्त समय दिया जा सकता है :

रजिस्ट्रेशन का काम संबंधित राज्य वक्फ बोर्ड करेंगे। अगर किसी वजह से तकनीकी या अन्य कारणों से समय पर रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया, तो 1 से 2 महीने की अतिरिक्त मोहलत दी जा सकती है। लेकिन अगर फिर भी संपत्ति रजिस्टर्ड नहीं होती, तो उसे विवादित मानते हुए वक्फ ट्रिब्यूनल के पास भेजा जाएगा।

वक्फ संपत्तियों से मिलने वाले फायदों का अहम मकसद महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों को मदद देना रहेगा। यह पोर्टल हाल ही में पास हुए वक्फ (संशोधन) बिल, 2025 के तहत लॉन्च किया जा रहा है। यह बिल संसद में बहस के बाद पास हुआ था और 5 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसकी मंजूरी दी थी।

ट्रम्प का फोन आया, नरेंद्र तुरंत सरेंडर हो गए : राहुल

इतिहास गवाह है, यही बीजेपी-आरएसएस का कैरेक्टर, कांग्रेस के शेर-शेरनियां कभी झुकते नहीं

भोपाल, 3 जून (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने मंगलवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में ऑपरेशन सिंदूर और प्रधानमंत्री मोदी पर बयान दिया। राहुल बोले कि ट्रम्प का एक फोन आया और नरेंद्र जी तुरंत सरेंडर हो गए। उन्होंने कहा, इतिहास गवाह है, यही बीजेपी-आरएसएस का कैरेक्टर है। ये हमेशा झुकते हैं। भारत ने 1971 में अमेरिका की धमकी के बावजूद पाकिस्तान को तोड़ा था। कांग्रेस के बब्बर शेर और शेरनियां सुपर पावर से लड़ते हैं, कभी झुकते नहीं हैं।

राहुल के भाषण की बड़ी बातें...

राहुल बोले सबसे पहले विचारधारा की लड़ाई चल रही है। एक तरफ कांग्रेस पार्टी है। हमारा संविधान है। और दूसरी तरफ बीजेपी और आरएसएस है जो इसको मानती नहीं है, और इसको खत्म करना चाहती है। हिंदुस्तान की सारी संस्थाओं को उन्होंने पकड़ लिया है। हर संस्था में उन्होंने अपने लोग डाले हैं। धीरे-धीरे वो देश का गला घोंट रहे हैं। तो पहली लड़ाई संविधान की है। लोकसभा में मैंने देश से वादा किया था। कुछ भी हो जाए जाति जनगणना लोकसभा और राज्यसभा में पास होगा। हम सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ेंगे। जाति जनगणना को हम लोकसभा में पास करेंगे। जातिगत जनगणना के दो मॉडल हैं। एक तेलंगाना का मॉडल और दूसरा बिहार का मॉडल। बिहार में अफसरों ने जातिगत सर्वे के लिए बिना दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, जनरल कास्ट या अल्पसंख्यकों से पूछे ही सवाल तैयार कर दिए। वहीं, तेलंगाना में हमने लाखों लोगों से सवाल पूछा। इससे हमें पता चला कि प्रदेश में कॉर्पोरेट सेक्टर के बड़े पदों पर एक भी दलित, आदिवासी या पिछड़े वर्ग का व्यक्ति नहीं था।

राहुल गांधी ने अदाणी समूह में एलआईसी द्वारा किए गए निवेश पर कसा तंज

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा अदाणी समूह में किए गए 5,000 करोड़ रुपये के निवेश का मुद्दा उठाया।

राहुल गांधी का आरोप है कि सार्वजनिक धन का इस्तेमाल निजी संस्थाओं को लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, पैसा आपका, पॉलिसी आपकी, प्रीमियम आपका सुरक्षा, सुविधा, फायदा अदाणी को! राहुल गांधी ने अपने इस ट्वीट के साथ एक न्यूज वेबसाइट की खबर को साझा करते हुए एलआईसी द्वारा अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड में किए गए निवेश को लेकर चिंता व्यक्त की है।

पाकिस्तान में कराची की जेल से 216 कैदी भागे

> भूकंप के बाद अफरा-तफरी में मेन गेट से फरार

> 80 से ज्यादा दोबारा पकड़े गए

इस्लामाबाद, 3 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची की मलिर जेल से सोमवार रात 216 कैदी फरार हो गए। जेल प्रशासन के मुताबिक कराची में आए भूकंप के झटकों के बाद ऐहतियातन कैदियों को बैरकों से बाहर निकाला गया था।

सूत्रों के मुताबिक इसी दौरान मौके का फायदा उठाकर कैदी मेन गेट से फरार हो गए। इनमें से करीब 80 कैदियों को दोबारा पकड़ लिया गया है, जबकि 135 कैदी अभी भी फरार हैं। जेल सुपरिंटेंडेंट अरशद शाह ने मंगलवार तड़के इसकी पुष्टि की। इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में कैदियों के दीवार तोड़कर भागने की बात कही जा रही थी। प्रशासन ने साफ किया है कि कोई दीवार नहीं तोड़ी गई, सभी कैदी मेन गेट से ही भगदड़ के बीच भाग निकले। गृह मंत्री लांजार ने बताया कि भूकंप के बाद 700 से 1000 कैदियों को बैरकों से बाहर लाया गया था। इसी अफरा-तफरी में 100 से ज्यादा कैदियों ने मेन गेट की तरफ धक्का-मुक्की शुरू की और भाग निकले। जेल प्रशासन के मुताबिक तलाशी अभियान अब भी जारी है। इस अभियान में स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट (एसएसयू), रैपिड रिस्पॉन्स फोर्स (आरआरएफ), रेंजर्स और फ्रंटियर कोर (एफसी) की टीमें मिलकर काम कर रही हैं। घटना के तुरंत बाद जेल का नियंत्रण रेंजर्स और एफसी ने संभाल लिया।

आईजी जेल, डीआईजी जेल और जेल मंत्री ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। घटना में एक कैदी की मौत की खबर है। वहीं, 4 सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। गृह मंत्री ने माना कि प्रशासनिक लापरवाही भी इस घटना का कारण हो सकती है।

मुख्यमंत्री मुराद अली शाह को पूरी जानकारी दे दी गई है। उन्होंने गृह मंत्री को जेल जाकर हालात की निगरानी करने के निर्देश दिए।

पाक के लिए जासूसी के शक में गिरफ्तारी

> ऑपरेशन सिंदूर की जानकारियां भेज रहा था > मोबाइल में आईएसआई एजेंटों के नंबर

तरनतारन, 3 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के शक में पंजाब के तरनतारन से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि वह ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी सैन्य जानकारियां पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई को भेज रहा था। आरोपी की पहचान तरनतारन के मोहल्ला रोडूपुर गली नजर सिंह वाली के गगनदीप सिंह उर्फ गगन के रूप में हुई है। यह कार्रवाई पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट और तरनतारन पुलिस ने की है।

डीजीपी गौरव यादव के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गगनदीप सिंह 5 साल से पाकिस्तान में बैठे खालिस्तान समर्थक गोपाल सिंह चावला के संपर्क में था। चावला के जरिए ही उसका परिचय पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों से हुआ था। आरोपी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत में सेना की गतिविधियों, सैनिकों की तैनाती और रणनीतिक ठिकानों की सूचनाएं पाकिस्तान से साझा की थीं, जो देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती थीं। बता दें कि अब तक पंजाब से जासूसी के शक में 5 व्यक्ति पकड़े जा चुके हैं, जिनके पाकिस्तान से कनेक्शन मिले हैं।

आरोपी को घर से पकड़ा, कॉल डिटेल्स मिले

डीजीपी ने बताया है कि आरोपी को उसके घर से सोमवार देर रात को पकड़ा गया है। वह लगातार पाकिस्तानी एजेंसियों के संपर्क में था। ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के बाद भी वह लगातार पाकिस्तान में कॉल्स कर रहा था।

मोबाइल में आईएसआई एजेंटों के कॉन्टैक्ट थे

उसके घर की तलाशी में मोबाइल फोन बरामद हुआ है, जिसमें खुफिया जानकारी मौजूद है। यह जानकारी आईएसआई एजेंटों को भेजी गई थी। उसके मोबाइल फोन में आईएसआई से जुड़े 20 से अधिक कॉन्टैक्ट भी मिले हैं।

बैंक खाते में पाकिस्तान से ट्रांजेक्शन

आरोपी के बैंक खाते में पाकिस्तान के अधिकारियों की ओर से किए गए ट्रांजेक्शन मिले हैं। पता लगाया जा रहा है कि आरोपी के कितने बैंक अकाउंट हैं।

पुलिस ने जांच शुरू की

पुलिस और खुफिया एजेंसियां आरोपी के फाइनेंशियल और टेक्निकल नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही हैं, ताकि इस जासूसी नेटवर्क का पूरा खुलासा हो सके। शुरुआती सबूतों के आधार पर तरनतारन सिटी पुलिस स्टेशन में ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है और कार्रवाई जारी है।

पंजाब से अब तक 5 जासूस पकड़े जा चुके

पंजाब से बीते 1 महीने में पंजाब पुलिस और खुफिया एजेंसियां 5 जासूसों को पकड़ चुकी हैं। ये आरोपी लगातार पाकिस्तानी एजेंटों के संपर्क में थे। पाकिस्तान में लगातार की गई कॉल्स के बाद खुफिया एजेंसियों और पंजाब पुलिस को इन पर शक हुआ।

सरकारी नौकरी की आड़ में आतंक से रिश्ते

तीन कर्मचारी बर्खास्त, एलजी सिन्हा ने दिखाई सख्ती

जम्मू, 3 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राज्य सरकार के तीन कर्मचारियों को आतंकवादी संगठनों से संबंधों के चलते सेवा से बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाई संविधान के अनुच्छेद 311(2)(c) के तहत की गई है, जो सरकार को ऐसे मामलों में जांच के बिना सीधे बर्खास्त करने का अधिकार देता है। जिन कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया था, उनमें मलिक इश्फाक नसीर, जो पुलिस में कांस्टेबल थे, अजाज अहमद, जो स्कूल शिक्षा विभाग में शिक्षक थे, और वसीम अहमद खान, जो सरकारी मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर में जूनियर असिस्टेंट थे।

इन तीनों कर्मचारियों पर कई गंभीर आरोप है। जिनमें आतंकवादी गतिविधियों में सीधे या परोक्ष रूप से संलिप्त होना, देश की सुरक्षा और संप्रभुता को खतरा पैदा करना और आतंकवादी संगठनों को सहायता देना शामिल है। यह निर्णय जांच एजेंसियों द्वारा जुटाए गए सबूतों और खुफिया रिपोर्टों पर आधारित है। प्रशासन का कहना है कि जम्मू-कश्मीर सरकार आतंकवाद और देशविरोधी गतिविधियों पर जीरो टॉलरेंस लागू करती है।

खबरें जरा हटके

गजब है लड़के की स्किन, सांप भी देखकर चकमा खा जाए, नाम है प्रभु

वो न तो सुपरहीरो है, न ही फिल्मी किरदार. लेकिन अगर आप उसे देख लें, तो पहली नजर में यकीन नहीं करेंगे कि वो इंसान है. उसकी त्वचा ऐसी है, जैसे किसी सांप की हो. दिन में धूप निकलते ही जलन ऐसी कि उसे हर घंटे नहाना पड़ता है. यह कहानी आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली के पामू की है. यह कहानी उन लोगों के लिए प्रेरणा है जो किसी छोटी बीमारी से हार मान लेते हैं. पामू प्रसाद की उम्र सिर्फ 21 साल है. लेकिन जिंदगी ने उसे वो दर्द दिया है, जो उम्रभर किसी को नहीं मिलना चाहिए. दरअसल प्रसाद को एक दुर्लभ चर्म रोग है. उसकी त्वचा रोज परतों में उखड़ती है. दिखने में बिल्कुल सांप की खाल जैसी. गांव वाले उसे "सांप प्रसाद" कहने लगे हैं।

हर एक घंटे में नहाना पड़ता है

प्रसाद को धूप बिल्कुल नहीं सहन होती. त्वचा जलने लगती है. उसे हर घंटे नहाना पड़ता है ताकि शरीर की जलन थोड़ी कम हो. गरीब मां मजदूरी करके घर चला रही है. पिता का साया बचपन में ही उठ गया था. मां ने प्रसाद को कई सरकारी अस्पतालों में दिखाया. लेकिन डॉक्टरों को भी समझ नहीं आया कि यह किस तरह की बीमारी है. कुछ ने कहा इसमें पास इस तरह की बीमारी की कोई जानकारी नहीं है. कुछ ने कहा इलाज नहीं है. और निजी अस्पताल? वहां जाने के लिए पैसे नहीं हैं. इतनी तकलीफों के बाद भी प्रसाद टूटा नहीं है. वो आज भी पढ़ाई करना चाहता है. कुछ बनना चाहता है. मां की मदद करना चाहता है. खुद को साबित करना चाहता है. गांव वाले भले ही उसे "सांप" कहें, लेकिन असल में वो एक फाइटर है. और ऐसे लड़कों की कहानियां ही असली इंस्पिरेशन होती हैं. उसे कोई डेस्ट नहीं बनाना चाहता. लोग पास तक नहीं आने देते. जैसे वो इंसान नहीं, कोई डरावना जीव हो. जबकि वो सिर्फ एक साधारण लड़का है जो हंसना चाहता है, पढ़ना चाहता है और दुनिया में अपना नाम बनाना चाहता है।

एससी परिवारों का 68 करोड़ का कर्ज माफ

सरकार के फैसले से 4727 परिवारों को होगा फायदा

चंडीगढ़, 3 जून (एजेंसियां)। पंजाब कैबिनेट की बैठक मंगलवार को हुई। बैठक के बाद सीएम भगवंत सिंह मान ने कहा कि आज हजारों लोगों को सरकार ने फायदा दिया है। सरकार ने अपना वायदा पूरा किया। मान ने कहा कि 31 मार्च 2020 तक जिन एससी परिवारों ने कर्ज लिया था, सरकार ने उन्हें माफ कर दिया है। 2025 के बजट में सरकार ने 4727 एससी लोगों का 68 करोड़ का कर्ज माफ किया। यह संस्था अब तक 847 करोड़ का इस साल कर्ज दे चुकी है। सीएम मान ने कहा कि तय तारीख के बाद से लोगों को अब कोई ब्याज या लिया कर्ज नहीं देना पड़ेगा। एससी वर्ग के लोगों का पुराना कर्ज माफ कर सरकार उन्हें दोबारा से नया रोजगार या आजीविका कमाने का अवसर दे रही है। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि जब इस साल का बजट बनाया जा रहा था तभी उसमें यह प्रबंध किए। अनुसूचित जातियों के भूमि विकास का लिया कर्जा की रिकवरी रेट 84 फीसदी है। 30 करोड़ मूल राशि 22 करोड़ ब्याज और 15 करोड़ पेनल इंटरेस्ट है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सिंदूर बांटने के कार्यक्रम और लुधियाना पश्चिमी उपचुनाव में ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर वोट मांगने पर पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री मान ने कटाक्ष करते हुए कहा कि कहीं देश में 'वन नेशन वन हस्बैंड' न लागू कर दिया जाए।

'होंगे आप कमल हासन, पर भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचा सकते'

कन्नड़ विवाद पर हाईकोर्ट की फटकार

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। कन्नड़ भाषा को लेकर विवादित टिप्पणी करने के सिलसिले में साउथ सुपरस्टार कमल हासन को कर्नाटक हाईकोर्ट से फटकार पड़ी है। कोर्ट ने कमल हासन को लेकर कहा है कि 'आप बेशक कमल हासन होंगे लेकिन आपको किसी की भावनाएं आहत करने का कोई हक नहीं है।'

क्या है पूरा मामला?

कमल हासन की अपकमिंग फिल्म 'ठग लाइफ' को लेकर कर्नाटक हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान बड़ा बवाल खड़ा हो गया है। दरअसल, अभिनेता द्वारा हाल ही में दिए गए एक विवादित बयान ने राज्य में जबरदस्त नाराजगी फैला दी है। अब इस मुद्दे पर कर्नाटक हाईकोर्ट ने उनकी कड़ी आलोचना की है और उनकी भूमिका पर सवाल उठाए हैं। बता दें कि कमल हासन फिल्म के प्रमोशन के दौरान कह दिया था कि 'कन्नड़ तमिल भाषा से ही पैदा हुई है'।

हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने कमल हासन के बयान पर नाराजगी जताते हुए कहा कि 'कोई भी नागरिक जनभावनाओं को ठेस पहुंचाने का अधिकार नहीं रखता।' उन्होंने आगे कहा कि 'जल, भूमि और भाषा, ये तीनों हर नागरिक की पहचान से जुड़ी होती हैं। देश का विभाजन भी भाषायी आधार पर हुआ था।' कोर्ट ने हासन के बयान को असंवेदनशील और विभाजनकारी बताया।

'आप इतिहासकार हैं या भाषाशास्त्री?'

न्यायमूर्ति ने सख्त लहजे में सवाल पूछा, 'क्या आपके पास इस दावे का कोई ऐतिहासिक प्रमाण है? आपने ऐसा बयान देकर कर्नाटक की जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। आखिर आपने किस आधार पर ये बात कही? क्या आप इतिहासकार हैं? या भाषाविद्?' कोर्ट का कहना था कि अगर केवल एक माफीनामा आ जाता, तो मामला वहीं सुलझ जाता।

फिल्म रिलीज को लेकर याचिका

कमल हासन ने कर्नाटक में अपनी फिल्म 'ठग लाइफ' की रिलीज और स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने के लिए अदालत में याचिका दायर की थी। उनके वकील ने तर्क दिया कि हासन का बयान जानबूझकर नहीं था और उसका मकसद किसी की भावनाएं आहत करना नहीं था। लेकिन कोर्ट ने उनकी इस दलील को खारिज करते हुए कहा, 'अगर आप माफी नहीं मांगते, तो फिर फिल्म कर्नाटक में क्यों रिलीज होनी चाहिए? क्या आप सिर्फ कमाई के लिए आए हैं? अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं कि आप जनभावनाएं आहत करें।' राजनीतिक और सामाजिक हलकों में नाराजगी कमल हासन के बयान को लेकर कर्नाटक में विरोध-प्रदर्शन तेज हो गए हैं। प्रोकन्नड़ संगठनों और राजनीतिक नेताओं ने इसे कन्नड़ भाषा और अस्मिता पर हमला बताया है।

घर की छत पर खड़े हुए दूल्हे राजा, पहनाया गया 1 करोड़ का हार-गली तक लटकता आया नजर!

शादियों में रुपयों का लेन-देन होना आम बात है. कोई दहेज का भले ही लेन-देन न करे, मगर भारतीय शादियों में अन्य चीजों के लिए रुपयों का दिखावा इतना ज्यादा होता है कि बाहरियों को देखकर हैरानी होती है. अब इन दूल्हे राजा को ही देख लीजिए. इन्हें 1 करोड़ रुपयों का हार पहनाया जा रहा है. हार इतना लंबा था कि वो गली तक लटकता दिखा. उसे थामने के लिए कई लोग मौजूद थे. हार को देखकर लोगों ने सोशल मीडिया पर अलग-अलग किस्म की टिप्पणी दी है. इंस्टाग्राम यूजर आमिर मेवाती ने हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया है जो वायरल हो रहा है. इस वीडियो में एक दूल्हा घर की छत पर खड़ा है और उसे लोग 1 करोड़ रुपये कीमत की 500 रुपये वाली नोटों से बना हार पहनाया जा रहा है. पहनाने वाले लड़की पक्ष के हैं या लड़के पक्ष के, ये तो नहीं मालूम चल राह है, मगर वीडियो काफी हैरान करने वाला है. बहुत से लोग तो ये भी बोल रहे हैं कि ये हार 1 करोड़ का नहीं है, जितनी कीमत बताई जा रही है, उससे काफी कम होगा. वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि लड़का घर की छत पर खड़ा हुआ है. उसे हार पहनाया जा रहा है. हार में 500 रुपये वाली नोट लगी हुई है. हार इतना ज्यादा लंबा है कि नीचे तक फैला हुआ है. गली में लोगों को उसे पकड़ना पड़ रहा है क्योंकि कोई भी हार को जमीन पर नहीं गिरने दे रहा है. आखिर इतने लंबे हार की क्या जरूरत, ये सोचने वाली बात है.

ओडिशा पुलिस ने तीन जिलों में विस्फोटक गोदामों पर की छापेमारी, दो गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 3 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में 2.5 जिलेटिन की छड़ें बरामद होने के बाद पुलिस मंगलवार को तीन जिलों में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम का उल्लंघन करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपमहानिरीक्षक (पश्चिम रेंज) बृजेश कुमार ने बताया कि खनिज समृद्ध सुंदरगढ़, राउरकेला और क्योंझर जिलों में विस्फोटक गोदामों पर छापेमारी की जा रही है। राय ने बताया कि सुंदरगढ़ जिले के बड़गांव में गोदाम के मालिक श्रवण अग्रवाल और विस्फोटक सामग्री ले जा रहे ट्रक के चालक को विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गिरफ्तार किया है। रघुनाथपाली थाना इलाके में एक स्थान पर विस्फोटक से लदे ट्रकों की रविवार को पहचान होने के बाद आज यह गिरफ्तारियां की गईं। उन्होंने बताया कि पुलिस को पेट्रोल पंप के पास विस्फोटकों से भरे ट्रकों की पार्किंग का पता चला था, जिसके बाद एक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक कल जाति जनगणना पर जोर

पीएम पेश करेंगे सरकार का एजेंडा; ऑपरेशन सिंदूर पर भी बात

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले साल की उपलब्धियों और आतंकवाद पर प्रहार के लिए चलाए गए सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर के प्रचार-प्रसार का ताना-बाना बुना जाएगा। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की यह दूसरी और पहलगाम आतंकी हमले के बाद मंत्रिपरिषद की पहली बैठक होगी। बैठक में पीएम के संबोधन के साथ कैबिनेट सचिव सरकार की उपलब्धियों और विदेश मंत्री एस जयशंकर ऑपरेशन सिंदूर पर प्रस्तुतियां देंगे। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक अपराह्न 4:30 बजे से शुरू होने वाली बैठक की शुरुआत प्रधानमंत्री के संबोधन से होगी। इसके बाद सभी अहम मंत्रालय एक साल के कामकाज का ब्यौरा रखेंगे। बैठक के दौरान कैबिनेट सचिव डा टीवी सोमनाथन एक साल के कार्यकाल के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए लिए गए निर्णयों पर एक प्रस्तुति देंगे। इसके बाद विदेश सचिव ऑपरेशन सिंदूर पर प्रस्तुति देंगे।

पीएम पेश करेंगे सरकार का एजेंडा

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री अपनी सरकार का भावी एजेंडा पेश करेंगे। तीसरे कार्यकाल के दौरान बीते साल 28 अगस्त की मंत्रिपरिषद की बैठक में पीएम ने परफॉर्म, रिफॉर्म, ट्रांसफॉर्म और इंफॉर्म का नारा देते हुए भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने के साथ विभिन्न नीतियों के केंद्र में महिला, गरीब, युवा और किसानों को रखने का आह्वान किया था। इस बार के संबोधन में पीएम भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के साथ 2047 तक विकसित देश में शामिल करने का रोडमैप बताएंगे।

जाति जनगणना पर रहेगा जोर

मोदी सरकार 9 जून को अपने तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूरा कर लेगी। ऐसे में मंत्रिपरिषद की बैठक में 11 साल के कार्यकाल के दौरान लिए गए फैसले, चलाई गई योजनाओं, नीतियों के व्यापक प्रचार-प्रसार की रणनीति तैयार होगी। इनमें जाति जनगणना कराने के निर्णय के व्यापक प्रचार के लिए चुना गया है। इसके लिए 25 जून तक देश भर में व्यापक अभियान छेड़ने की कार्ययोजना भी तैयार की जाएगी। इसके साथ ही इस बार ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकवाद पर भारत की ओर से किए गए प्रहार को भी व्यापक स्तर पर भुनाने की रणनीति तैयार की जाएगी।

उत्तरी सिक्किम में राहत कार्यों के लिए लगाए गए हेलीकॉप्टर

> एनडीआरएफ की टीमों को भी उतारा गया

सिक्किम, 3 जून (एजेंसियां)। उत्तर सिक्किम में आपदा की स्थिति से निपटने के लिए मंगलवार को सिक्किम सरकार ने हेलीकॉप्टरों की मदद से राहत व बचाव कार्य शुरू किए। इसके लिए दो वी-5 हेलीकॉप्टरों को उतारा गया है। मंगलवार को पाक्योंग ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे पर हेलीकॉप्टर उतरे। इसके अलावा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमों को राहत और बचाव कार्यों को मजबूत करने के लिए क्षेत्र में तैनात किया गया। सुबह की पहली उड़ान में 23 एनडीआरएफ कर्मियों को आवश्यक आपूर्ति सामग्री के साथ सफलतापूर्वक पाक्योंग से चट्टेन, जो हाल की प्राकृतिक आपदाओं से गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में से एक है, तक एयरलिफ्ट किया गया। एनडीआरएफ टीमों को सैटेलाइट फोन और आवश्यक आपातकालीन उपकरणों से सुसज्जित किया गया है, ताकि वे मौके पर त्वरित कार्रवाई कर सकें। यह तैनाती एक समन्वित प्रयास का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य दूरदराज क्षेत्रों में राहत कार्यों को मजबूत करना है, जहां पहुंचना अत्यधिक कठिन हो गया है। ये टीमें निकासी, खोज और बचाव कार्यों के साथ-साथ अस्थायी संचार माध्यम स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगी, ताकि फंसे हुए और प्रभावित निवासियों की सहायता की जा सके। प्रशासन ने टीमों को वैकल्पिक पैदल मार्गों की खोज करने और मौसम की स्थिति के आधार पर अस्थायी हेलीपैड स्थापित करने की संभावनाओं का मूल्यांकन करने का निर्देश दिया है।

समुद्र में मछली पकड़ने गए थे मछुआरे, जाल में कैद हो गया लय का सबूत! देखते ही मुंह से निकला- हे राम!

ल ही में तमिलनाडु के समुद्र तट पर एक दुर्लभ गहरे समुद्र की मछली, जिसे 'प्रलय मछली' या ऑरफिश के नाम से जाना जाता है, मछुआरों के जाल में फंस गई. यह 30 फीट तक लंबी, रिबन जैसी चांदी की चमक वाली मछली, जिसके सिर पर लाल रंग का पंख होता है, आमतौर पर 200 से 1000 मीटर की गहराई में रहती है. इसका सतह पर दिखना इतना असामान्य है. इसने स्थानीय लोगों में उत्सुकता के साथ-साथ चिंता भी पैदा कर दी है. जापानी और फिलीपींस की लोककथाओं में इसे भूकंप और सुनामी जैसे प्राकृतिक आपदाओं का संकेत माना जाता है, जिसके कारण इसे 'प्रलय मछली' का नाम मिला है. लेकिन क्या यह वाकई आपदा की भविष्यवाणी है या सिर्फ एक संयोग? आइए इस रहस्य को समझने की कोशिश करते हैं।

30 मई 2025 को, तमिलनाडु के मछुआरों ने इस विशालकाय मछली को पकड़ा, जिसके बाद इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. वीडियो में मछली की चमकदार, सांप जैसी आकृति और लाल पंख स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं. स्थानीय लोगों ने इसे देखकर जापानी लोककथा 'र्यूगू नो सुकाई' (समुद्र के देवता का दूत) से जोड़कर आपदा की आशंका जताई. 2011 में जापान के तोहोकू भूकंप और सुनामी से पहले 20 ऑरफिश के दिखने की खबरों ने इस मिथ को और हवा दी थी. इसी तरह, 2017 में फिलीपींस में 6.6 तीव्रता के भूकंप से पहले दो ऑरफिश देखे गए थे.

कच्छ में बॉर्डर के पास ऑपरेशन सिंदूर मेमोरियल पार्क बनाने का प्लान

गुजरात सरकार ने बताया 'एकता का प्रतीक'

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। भारत सरकार ने पाकिस्तान में आतंकियों को समाप्त करने के लिए ऑपरेशन संदूर चलाया था, जो कि सफल रहा। अब गुजरात सरकार ने कच्छ में ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित एक स्मारक बनाने का प्लान तैयार किया है। इसको लेकर इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में अधिकारियों ने बताया कि यह पार्क सुरक्षा बलों के प्रति सम्मान के साथ ही राष्ट्र द्वारा प्रदर्शित एकता को भी प्रतिबिंबित करेगा।

गुजरात सरकार द्वारा प्लान किए गए इस पार्क का नाम 'सिंदूर वन' के तौर पर जाएगा। भारत-पाकिस्तान सीमा पर कच्छ जिले में बनाया जाएगा, जिसने दूसरी तरफ से गुजरात में हमलों का खामियाजा भुगता है। अधिकारियों ने बताया कि स्मारक के करीब डेढ़ साल में बनकर तैयार होने की उम्मीद है। साथ ही उन्होंने बताया कि जमीन पर शुरुआती काम शुरू हो चुका है।

कलेक्टर आनंद पटेल ने दी जानकारी

कच्छ के कलेक्टर आनंद पटेल ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान समाज, सेना, वायु सेना, बीएसएफ और अन्य बलों द्वारा प्रदर्शित एकता की याद में वन विभाग द्वारा सिंदूर वन एक स्मारक पार्क – की योजना बनाई जा रही है।

पीएम मोदी ने की थी ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली यात्रा

ऑपरेशन सिंदूर के लिए, बनने वाला सिंदूर वन भुज-मांडवी मार्ग पर मिर्जापुर में वन विभाग की आठ हेक्टेयर भूमि पर बनाया जाएगा। कलेक्टर पटेल ने बताया कि इस भूमि में वह हिस्सा भी शामिल है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद गुजरात की अपनी पहली यात्रा के दौरान एक सार्वजनिक बैठक की थी।

पीएम मोदी को दिया गया था 'सिंदूर का पौधा'

26 मई की जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री को माधापार की महिलाओं ने 'सिंदूर का पौधा' भेंट किया था, जिन्होंने 1971 के युद्ध के दौरान भुज एयर बेस रनवे को 72 घंटों के भीतर ठीक करने में मदद की थी। अपने संबोधन में मोदी ने कहा था कि वह इस पौधे को पीएम हाउस ले जाएंगे, जहां यह 'वटवृक्ष' बन जाएगा।

कच्छ सर्कल के मुख्य वन संरक्षक संदीप कुमार ने कहा कि सिंदूर वन, ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित एक थीम आधारित स्मारक पार्क होगा, जिसमें आठ हेक्टेयर भूमि पर जड़ी-बूटियां, झाड़िया और पेड़ सहित उच्च घनत्व वाला पौधारोपण किया जाएगा। यह शहरी क्षेत्र में वन कवच या सूक्ष्म वन का रूप लेगा, जिसमें सिंदूर के पौधे प्रमुखता से लगाए जाएंगे।

स्थानीय पर्यावरण और मिट्टी की स्थितियों के अनुकूल, सिंदूर के पौधों के साथ-साथ लगभग 35 पौधों की प्रजातियों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि हमने प्रति हेक्टेयर 10,000 पौधे लगाने की योजना बनाई है, जो भुज के सबसे घने जंगलों में से एक होगा। सिंदूर वन में आने वाले पर्यटकों को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल किए गए लड़ाकू उपकरणों और विमानों के डायोरमा भी देखने को मिलेंगे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 4 जून, 2025

सुविचार
आज अगर ठोकरें भले खा रहे हो कल आपका दिन हो सकता है कार्य अच्छी दिशा में करे।

भू-भारती देश के इतिहास में एक दुर्लभ कानून : भट्टी

भू-भारती सर्वेक्षण पायलट परियोजना का शुभारंभ

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मधिरा निर्वाचन क्षेत्र के मुलुगुमाडु गांव में भू-भारती सर्वेक्षण पायलट परियोजना के शुभारंभ के अवसर पर उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि भू-भारती देश के इतिहास में एक दुर्लभ कानून है। इस कानून का उद्देश्य किसानों की भूमि का सर्वेक्षण करना और उनकी सीमाओं को पूरी तरह से पहचानना और इसे किसी भी कठिनाई से मुक्त करना है। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार द्वारा लाए गए धरनी अधिनियम ने किसानों के अधिकारों को लिखा है। इसने असली किसान को रोक दिया है।

बीआरएस नेताओं ने अपने मनचाहे लोगों की जमीनें कुर्क करके और उसमें संशोधन का मौका दिए बिना धरनी अधिनियम लाया। अगर दस एकड़ जमीन थी, तो उन्होंने 17 एकड़ की पासबुक दे दी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जैसा कि चुनाव से पहले कहा गया था, हमने धरणी अधिनियम को बंगाल की खाड़ी में डाल दिया है। भूमि सुधार अधिनियम के तहत, कांग्रेस सरकार ने राज्य में गरीबों को 26 लाख एकड़ जमीन वितरित की। बीआरएस सरकार ने इसे धरणी अधिनियम के भाग बी में डाल दिया। कोई जांच नहीं की गई। हम उन सभी आवंटित भूमियों की फिर से जांच करेंगे और सभी पात्र दावेदारों को भूमि का अधिकार देंगे और उन्हें उनकी भूमि पर बैठने देंगे।

उन्होंने कहा कि हम विधायकों के अधीन आवंटित समितियों को फिर से शुरू कर रहे हैं जो भू-भारती अधिनियम के साथ भूमिहीन गरीबों को कृषि भूमि और घर के भूखंड प्रदान करेंगे। नया कानून गरीबों की भूमि का सर्वेक्षण करने का अवसर प्रदान करता है। हर साल राजस्व सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं। ग्राम सभा में किसने जमीन बेची। भू-भारती अधिनियम ग्राम सभा के माध्यम से भूमि अभिलेखों में हुए बदलावों को समझाने का अवसर प्रदान करता है। भू-भारती अधिनियम लोगों की जीत है, हम किसानों के भूमि पर कानूनी अधिकारों को मापेंगे और उन्हें सौंपेंगे। हम पायलट प्रोजेक्ट के तहत एक सर्वेक्षण कर रहे हैं, जिसका मतलब है कि मुलुगुमाडु का पूरा गांव चला गया है। इससे यह समझा जा सकता है कि राज्य सरकार इस कानून के माध्यम से बहुत प्रसिद्धि प्राप्त करेगी। हम सभी को भूभारती अधिनियम के बारे में पता होना चाहिए और इसे दस लोगों को समझाना चाहिए।

केसीआर को नोटिस को लेकर महाधरना देगी तेलंगाना जागृति

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति, अपने अध्यक्ष और एमएलसी के. कविता के नेतृत्व में, बुधवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक इंदिरा पार्क के पास महाधरना आयोजित करेगी, जिसमें कांग्रेस सरकार द्वारा कालेश्वरम परियोजना पर बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को नोटिस दिए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया जाएगा।

नोटिस को राजनीतिक साजिश करार देते हुए कविता ने कहा कि विरोध प्रदर्शन इस बात पर प्रकाश डालेगा कि कैसे चंद्रशेखर राव ने गोदावरी नदी के पानी को मोड़कर और बंजर भूमि को उपजाऊ बनाकर तेलंगाना के कृषि परिदृश्य को बदल दिया। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह अपनी शासन विफलताओं से जनता का ध्यान हटाने के प्रयास में पूर्व मुख्यमंत्री को निशाना बना रही है।

पूरे राज्य से हजारों तेलंगाना जागृति सदस्यों और चंद्रशेखर राव के समर्थकों के इस विरोध प्रदर्शन में भाग लेने की उम्मीद है। प्रदर्शन में प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना को रद्द करने के पीछे के कारणों, इसे कालेश्वरम परियोजना में फिर से डिजाइन करने से प्राप्त लाभों और कांग्रेस सरकार द्वारा आवश्यक मरम्मत कार्य में देरी के कारण यासांगी के दौरान किसानों को होने वाले कथित वार्षिक नुकसान पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

सोने की चेन छीनने वाला अपराधी गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने सोने की चेन छीनने वाला एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। मेहदीपट्टनम पुलिस स्टेशन पुलिस ने आरोपी मोहम्मद नजीब, निवासी सरवर नगर, आसिफ नगर, जिराह, हैदराबाद को गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ धारा 304 (2) बीएनएस और 307 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। मेहदीपट्टनम पुलिस स्टेशन की टीम मंगलवार को चेन स्नैचर को पकड़ा और उसके कब्जे से लगभग 15 ग्राम सोने की चेन बरामद की, जब वह उन्हें मल्लेपल्ली एक्स रोड, हैदराबाद में बेचने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने बताया कि एक जून को जी. चंद्रकला, निवासी विजय नगर कॉलोनी, हैदराबाद से शिकायत प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि 1 जून को सुबह वह अपने घर के पास एक किराना दुकान पर दूध के पैकेट खरीदने गई थी और अपने घर लौटते समय एक अज्ञात व्यक्ति जो हेलमेट पहने हुए था, पीछे से आया और उससे तेलुगु में पूछा, विजय नगर कॉलोनी बताओ? और फिर अचानक उसने उसकी गर्दन से उसकी सोने की चेन जो लगभग 2 तुला (20 ग्राम) थी, छीनने की कोशिश की। जब वह अपनी सोने की चेन को उसके चंगुल से बचाने के लिए संघर्ष कर रही थी, उसने अपने दोनों हाथों से अपनी सोने की चेन को कसकर पकड़ लिया। इस बीच उसने उसे धक्का देकर गिरा दिया लेकिन उसने अपनी सोने की चेन पर हाथ नहीं छोड़ा। फिर उसने जोर से चेन खींची, जिस पर उसकी सोने की चेन दो टुकड़ों में टूट गई। सूचना के आधार पर मल्लेपल्ली एक्स रोड पर सोने की चेन बेचने की कोशिश कर रहे अपराधी मोहम्मद नजीब को पुलिस ने पकड़ लिया।

पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने साइट पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

गोशामहल पुलिस स्टेडियम में नए उस्मानिया अस्पताल भवन का निर्माण

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार ने गोशामहल पुलिस स्टेडियम के परिसर में उस्मानिया अस्पताल के लिए एक नया भवन बनाने का निर्णय लिया है। मंगलवार को हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने साइट पर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। मीडिया से बात करते हुए, श्री आनंद ने कहा कि नए उस्मानिया अस्पताल भवन के निर्माण के साथ, पुलिस विभाग के मौजूदा ब्लॉकों को स्थानांतरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि घोड़ों के मैदान और अस्तबल को अस्थायी रूप से गोशामहल पुलिस स्टेडियम के भीतर खाली जगह पर ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि आज से प्रभावी, पुलिस बल से संबंधित सभी विभाग पूरी तरह से स्थानांतरित हो जाएंगे और चिकित्सा विभाग को सौंप दिए जाएंगे। आयुक्त ने बताया कि सरकार ने इस स्थान पर हैदराबाद सिटी पुलिस को 11.5 एकड़ जमीन आवंटित की है। वर्तमान में दो पांच मंजिला इमारतें निर्माणाधीन हैं, एक सिटी सिक्योरिटी विंग (सीएसडब्ल्यू) के लिए उपयुक्त सुविधा के रूप में काम करेगी, और दूसरी को शहर के सात क्षेत्रों में जब्त किए गए विभिन्न वाहनों की पार्किंग के लिए डिज़ाइन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, एक नया घोड़ा अस्तबल और मैदान तैयार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने ट्रैफिक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (टीटीआई) से सटे 2 एकड़ जमीन आवंटित की है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इन निर्माणों के लिए व्यक्तिगत रूप से 55 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। यह निर्णय लिया गया है कि पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन इन इमारतों का निर्माण लगभग एक वर्ष में पूरा करेगा।

"स्विफ्ट वूमेन एक्शन टीम" का गठन :

सी.वी. आनंद डीजी सीपी हैदराबाद ने कहा कि हैदराबाद शहर में धरने, रैलियां और विरोध प्रदर्शन अक्सर होते रहते हैं और ऐसे आयोजनों के दौरान महिलाओं को गिरफ्तार करना अक्सर चुनौतियां पेश करता है। इस पर काबू पाने के लिए हैदराबाद पुलिस मुख्यालय में 35 नई भर्ती की गई महिला कांस्टेबलों की एक टीम बनाई गई है। इस टीम को आधिकारिक तौर पर "स्विफ्ट वूमेन एक्शन टीम" नाम दिया गया है। कमिश्नर ने विस्तार से बताया कि इन महिलाओं को पिछले कुछ दिनों में कराटे का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है, साथ ही विरोध प्रदर्शन के दौरान महिलाओं को सुरक्षित तरीके से कैसे रोका जाए और कैसे उनका प्रबंधन किया जाए, इस बारे में भी विशेष निर्देश दिए गए हैं। हैदराबाद के सीपी श्री सी.वी. आनंद आईपीएस ने बताया कि जल्द ही और कर्मियों की भर्ती की जाएगी और टीम को दो प्लाटून में विस्तारित किया जाएगा, जिसमें कुल 42 सदस्य होंगे। उन्होंने स्विफ्ट महिला एक्शन टीम को सावधानीपूर्वक तैयार करने वाले अधिकारियों और टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी। रक्षिता कृष्ण मूर्ति आईपीएस, डीसीपी सीएआर मुख्यालय, डी. किश्तैया, अतिरिक्त डीसीपी, एन. भास्कर, अतिरिक्त डीसीपी, पश्चिम क्षेत्र के अतिरिक्त डीसीपी इकबाल सिद्दीकी और अन्य पुलिस अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

एससीआर लोकोमोटिव लोको शेड, लालागुडा को 'सौंदर्य प्रतियोगिता' में प्रथम पुरस्कार

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के इलेक्ट्रिक लोको शेड, लालागुडा के लोकोमोटिव संख्या 37364 (डब्ल्यूएपी-7) ने बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बीएलडब्ल्यू), वाराणसी में आयोजित इलेक्ट्रिक लोको के लिए सौंदर्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता है। यह पुरस्कार रॉयपुरम इलेक्ट्रिक लोको शेड, दक्षिण रेलवे द्वारा संयुक्त रूप से साझा किया गया है। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे के 13 लोकोमोटिव ने भाग लिया। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने लोको प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने के लिए लालागुडा इलेक्ट्रिक लोको शेड टीम को बधाई दी। उन्होंने लोकोमोटिव रखरखाव और प्रदर्शन में उत्कृष्टता के लिए उनके समर्पण, तकनीकी विशेषज्ञता और प्रतिबद्धता की सराहना की। भारतीय रेलवे के इलेक्ट्रिक इंजनों के लिए सौंदर्य प्रतियोगिता के रूप में प्रशंसित सीएबी उन्नयन प्रतियोगिता, 23 और 24 मई को बीएलडब्ल्यू, वाराणसी में 42वें इलेक्ट्रिक लोको रखरखाव अध्ययन समूह (एमएसजी) की बैठक में रेलवे बोर्ड द्वारा आयोजित की गई थी। प्रतिष्ठित लोको प्रतियोगिता में 16 क्षेत्रीय रेलवे और तीन उत्पादन इकाइयों ने भाग लिया। भारतीय रेलवे के इलेक्ट्रिक इंजनों के लिए प्रतियोगिता का उद्देश्य अपने रोलिंग स्टॉक, इलेक्ट्रिक इंजनों के उत्कृष्ट रखरखाव और प्रस्तुति को प्रोत्साहित करना और उनका जश्न मनाना है। प्रतियोगिता में आम तौर पर विभिन्न श्रेणियां शामिल होती हैं, जैसे समग्र रूप, सफाई, पेंटवर्क और मौलिकता। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इंजनों का मूल्यांकन उनकी अनूठी विशेषताओं या संशोधनों, समग्र सौंदर्य अपील और रखरखाव मानकों के आधार पर किया जाता है। दक्षिण मध्य रेलवे में इलेक्ट्रिक लोको शेड, लालागुडा, दक्षिणी रेलवे के इलेक्ट्रिक लोको शेड, रॉयपुरम के साथ संयुक्त रूप से विजेता बना। पुरस्कार रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य (ट्रैक्शन) वी पी सिंह द्वारा प्रदान किया गया। इलेक्ट्रिक लोको शेड, लालगुड़ा (ईएलएस/एलजीडी) के अपग्रेड किए गए कैब- लोको नंबर 37364 (डब्ल्यूएपी-7) की प्रमुख विशेषताओं में कैब में एसी डक्ट को संशोधित करना और कैब बॉडी और मशीन रूम के चारों ओर थर्मल इंसुलेशन प्रदान करके, चालक दल की सीट पर तापमान 20 डिग्री सेल्सियस, छत पर 33 डिग्री सेल्सियस, फर्श पर 13 डिग्री सेल्सियस और चालक डेस्क पर चरम परिचालन स्थितियों के तहत 22 डिग्री सेल्सियस कम किया गया। कैब बॉडी और मशीन रूम के चारों ओर ध्वनिक इंसुलेशन प्रदान करके, कैब में शोर के स्तर को मशीन रूम में 2 डीबी और चरम परिचालन स्थितियों के तहत कैब में 18 डीबी कम किया गया। प्रति लोको 14 कैमरों के साथ एक 360ओ लोको व्यू सिस्टम प्रदान किया गया है ताकि चालक दल को कैब में उपलब्ध मॉनिटर पर पैंटोग्राफ की स्थिति, मशीन रूम की स्थिति, केबिन निगरानी और ट्रैक दृश्य की निगरानी करने में सुविधा हो।

कोंडा सुरेखा ने प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करने पर पोस्टर का अनावरण किया

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर, वन, पर्यावरण और बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा ने मंगलवार को प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करना थीम पर एक नया जागरूकता अभियान शुरू किया। तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीएसपीसीबी) के सहयोग से अभियान के हिस्से के रूप में, मंत्री कोंडा सुरेखा ने प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों के बारे में लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से एक पोस्टर का अनावरण किया। ये पोस्टर इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि प्लास्टिक प्रकृति, वन्यजीवों और यहां तक कि मानव स्वास्थ्य को कैसे नुकसान पहुंचाता है। इस अवसर पर, सुरेखा ने तेलंगाना के सभी नागरिकों से प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने के लक्ष्य का सक्रिय रूप से समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने और जिम्मेदारी से कचरे का प्रबंधन करने जैसी पर्यावरण के अनुकूल आदतों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। सामूहिक कार्रवाई का आह्वान करते हुए, मंत्री ने व्यक्तियों और समुदायों को पर्यावरण संरक्षण के लिए इस महत्वपूर्ण मिशन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

कोंडा सुरेखा ने पारिस्थितिकी चुनौतियों से निपटने और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को भी दोहराया। इस कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव जी रवि सहित वरिष्ठ अधिकारियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और सामाजिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिन्होंने निरंतर जागरूकता और कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया।

पुलिस के नाम पर पैसे ऐंठने वाले दो लोगों पकड़े गए

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना के आधार पर, कमिश्नर टास्क फोर्स, पश्चिम क्षेत्र टीम ने मसाब टैंक पुलिस के साथ मिलकर दो व्यक्तियों को पकड़ा जो पुलिस अधिकारी बनकर हैदराबाद शहर में एसपीए केंद्रों से पैसे ऐंठने का काम कर रहे थे। पुलिस ने मोहम्मद फैयाज, निवासी नवाब सब कुंटा, जहांनुमा, हैदराबाद और सैयद अहमद हाशमी उर्फ मिर्ची अहमद, निवासी रूपलाल बाजार, हैदराबाद को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 20 हजार रुपये नकद, मेमोरी कार्ड के साथ मिनी वायरलेस स्पाई कैमरा, एक मोबाइल बरामद किया गया है।

पुलिस ने बताया कि मोहम्मद फैयाज और सैयद अहमद हाशमी (शाहअलीबंडा पीएस के राउडी शीटर) ने अपने साथियों के साथ हैदराबाद शहर के विभिन्न स्पा सेंटरों पर छापा मारा, खुद को सीसीएस, टास्क फोर्स और एसओटी के पुलिस अधिकारी बताकर उन्होंने स्पा सेंटरों के कर्मचारियों को धमकाया पैसे वसूले। इस तरह से उन्होंने हैदराबाद शहर के फिल्म नगर, पंजागुट्टा, मसाब टैंक और माधापुर इलाकों में कई स्पा सेंटरों पर छापा मारा। उन्होंने स्पा कर्मचारियों को डरा-धमकाकर स्पा सेंटरों से 50,000 से 60,000 की रकम वसूली। वे एक स्पा सेंटर चुनते थे और खुद को सीसीएस/टास्क फोर्स या एसओटी बताकर उन पर छापा मारते थे और स्पा सेंटरों के प्रबंधकों, कर्मचारियों और ग्राहकों से पैसे ऐंठते थे। विश्वसनीय सूचना के आधार पर कमिश्नर की टास्क फोर्स वेस्ट जोन टीम और मसाब टैंक पुलिस कर्मियों ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनसे 20,000 रुपये नकद जब्त किए। आरोपी सैयद अहमद हाशमी उर्फ मिर्ची अहमद पहले कई मामलों में शामिल था। आरोपियों की गिरफ्तारी सीएच यादेंद्र, पुलिस निरीक्षक, पश्चिम क्षेत्र, आयुक्त टास्क फोर्स द्वारा एसआई मोहम्मद जाहेद की सहायता से पश्चिम क्षेत्र टास्क फोर्स टीम के कर्मचारियों और हैदराबाद शहर के मसाब टैंक पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों के साथ की गई।

केबल-वे में तकनीकी खराबी के कारण श्रीशैलम परियोजना का सर्वेक्षण बाधित

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीशैलम बांध पर केबल-वे सिस्टम में तकनीकी खराबी के कारण मंगलवार को वैज्ञानिकों की एक टीम द्वारा किए जा रहे प्लंज पूल के महत्वपूर्ण सर्वेक्षण में बाधा उत्पन्न हुई। बांध की संरचनात्मक अखंडता का विस्तृत मूल्यांकन करने के लिए नियुक्त टीम को केबल-वे की अप्रत्याशित विफलता के कारण देरी का सामना करना पड़ा।

शुरूआत में वैज्ञानिकों ने सर्वेक्षण के लिए जलाशय के पिछले हिस्से से नाव को आगे तक ले जाने के लिए केबल-वे का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया। हालांकि, जब उन्होंने आवश्यक सर्वेक्षण सामग्री को स्थानांतरित करने का प्रयास किया, तो तकनीकी खराबी के कारण केबल-वे का संचालन रुक गया।

बांध के कर्मचारी वर्तमान में इस समस्या को हल करने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन प्रगति कथित तौर पर धीमी रही है। इस व्यवधान का कारण बांध अधिकारियों की ओर से कथित लापरवाही है, और कर्मियों की कमी के कारण यह और भी जटिल हो गया है। सीमित कार्यबल के कारण रसद संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है, जिससे साइट पर सर्वेक्षण सामग्री का मैन्युअल परिवहन मुश्किल हो रहा है।

श्रीशैलम बांध, दो तेलुगु राज्यों की सिंचाई और बिजली की जरूरतों को पूरा करने वाली एक प्रमुख बहुउद्देश्यीय परियोजना है, जिसने हाल के महीनों में अपनी संरचनात्मक स्थिरता पर चिंताओं के कारण ध्यान आकर्षित किया है। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) ने संभावित जोखिमों को कम करने के लिए तत्काल मरम्मत की सिफारिश की है।

संगारेड्डी गांव में दंपत्ति ने की आत्महत्या

संगारेड्डी, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुनिपल्ली मंडल के पेद्दा गोपालरम गांव में मंगलवार तड़के एक दंपत्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान बेगारी रमेश और अनिता के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पारिवारिक विवाद के चलते उन्होंने यह कदम उठाया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदाशिवपेट के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

जमीन की कीमतें और पंजीकरण शुल्क बढ़ेंगे

कांग्रेस पैसे के लिए बना रही है दबाव

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में अगले महीने से घर खरीदना और भी महंगा हो सकता है, क्योंकि कांग्रेस सरकार ने पूरे राज्य में ज़मीन के बाज़ार मूल्य और पंजीकरण शुल्क में भारी बढ़ोतरी को मंज़ूरी दे दी है। पिछले साल से लंबित यह संशोधन जून के अंत या जुलाई की शुरूआत में लागू होने की उम्मीद है, जिससे कई लोगों के लिए घर खरीदना और भी मुश्किल हो जाएगा। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने बाजार मूल्य संशोधन समितियों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है, जिसमें कृषि और गैर-कृषि भूमि दोनों के बाजार मूल्य में 50 से 60 प्रतिशत की वृद्धि की सिफारिश की गई है। इसके अलावा, पंजीकरण शुल्क में संपत्ति मूल्य के मौजूदा 7.5 प्रतिशत से दो प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। भूमि के बाजार मूल्यों को पहले 2021 और 2022 में संशोधित किया गया था, जिसमें कृषि भूमि में 150 प्रतिशत तक और रियल एस्टेट प्लॉट में 100 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी गई थी, जो राज्य गठन से पहले के स्तर से तुलना की गई थी। हालांकि, पंजीकरण शुल्क अपरिवर्तित रहा।

2024-25 में स्टाम्प और रजिस्ट्रेशन विभाग से मिलने वाला राजस्व घटकर 14,307 करोड़ रुपये रह जाने और रियल एस्टेट गतिविधि में मंदी के कारण, अधिकारी मूल्य संशोधन को राजस्व में आवश्यक वृद्धि के रूप में देखते हैं।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी सूचना

सं.WCG/WAT/Claims/Parcel-Misc./25, दिनांक : 30.05.2025

विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन पर पड़े और अवितरित (Undelivered) सामग्रियों की नीलामी प्रस्तावित है। विस्तृत विवरण निम्न हैं :

क्र.सं.	नीलामी स्थान	नीलामी की तारीख एवं समय	EMD की मात्रा
1.	पार्सल कार्यालय, विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन	दिनांक : 27.06.2025 को 1030 बजे (तीसरा शुक्रवार)	रु.500/-

सार्वजनिक अवकाश के दिन नीलामी का संचालन नहीं किया जायेगा।
सार्वजनिक नीलामी में बिक्री की जानेवाली सामग्रियों का विवरण विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन के चीफ पार्सल सुपरवाइजर के पास उपलब्ध है। असफल बोलीदाताओं की EMD लौटा दी जाएगी। विधिवत रूप से लॉट नम्बर कोट करके बोली राशि के 20% के बराबर EMD के रूप में FA & CAO, पूर्व तट रेलवे, भुवनेश्वर के पक्ष में डीडी (DD) के साथ मुहरबन्द निविदा जमा की जा सकती है। सफल बोलीदाताओं की EMD बोली राशि के साथ समायोजित की जाएगी। मुहरबन्द निविदाएँ स्टेशन निदेशक, पूर्व तट रेलवे, विशाखापट्टनम के पते पर भेजी जानी चाहिए, मामला जो भी हो। डाक द्वारा भेजे गए मुहरबन्द निविदा के न मिलने, देरी से मिलने के लिए रेलवे जिम्मेदार नहीं होगी। नीलामी सूचना वेबसाइट www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in में भी उपलब्ध होगी।
रेलवे बिना कोई कारण बताए नीलामी को निरस्त करने या कोई या सभी कंसाइनमेंटों को वापस लेने का अधिकार सुरक्षित रखती है।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (वाणिज्य)/ वाल्टियर

PR-198/Q/25-26

यूपी पुलिस में अग्निवीरों को 3 साल की छूट

पर्यटकों को किराए पर कमरा दे सकेंगे, होम स्टे नीति को मंजूरी-योगी कैबिनेट के 10 फैसले

लखनऊ, 3 जून (एजेंसियां)। यूपी में अब लोग पर्यटकों को अपना घर किराए पर दे सकेंगे। यह व्यवस्था ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों के लिए लागू की गई है। इसके लिए होम स्टे का लाइसेंस लेना होगा। इसके अलावा, भारतीय सेना के पूर्व अग्निवीरों को यूपी में नौकरी में सबसे ज्यादा आरक्षण मिलेगा। योगी कैबिनेट ने मंगलवार को 10 प्रस्तावों को मंजूरी दी। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया- अग्निवीरों को पुलिस सिपाही, घुड़सवार, फायरमैन, पीएसी सिपाही की सीधी भर्ती में 20% आरक्षण दिया जाएगा। आयु सीमा में 3 साल की छूट दी जाएगी। अग्निवीर का पहला बैच 2026 में आएगा। शर्त यह है कि वह यूपी का मूल निवासी होना चाहिए।

मंत्री खन्ना ने दावा किया कि सीआईएसएफ, बीएसएफ ने 10%, हरियाणा में 10% और ओडिशा में भी 10% आरक्षण अग्निवीरों को दिया जा रहा है। ऐसे में यूपी में उन्हें सबसे ज्यादा आरक्षण दिया जाएगा। अग्निवीरों को नौकरी में आरक्षण मिलने की खबर प्रकाशित की थी, जिस पर आज योगी की कैबिनेट बैठक के बाद मुहर लग गई। मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने बताया कि नोएडा में हल्दीराम फूड कंपनी स्नैक्स फूड प्लांट लगाएगी। इसमें सैकड़ों युवाओं को रोजगार मिलेगा।

पर्यटकों और श्रद्धालुओं को मिलेगी सस्ती आवास सुविधा

अयोध्या, मथुरा-वृंदावन, वाराणसी सहित प्रमुख तीर्थ और पर्यटन स्थलों पर अब लोगों को सस्ती आवास सुविधा मिलेगी। योगी कैबिनेट की मंगलवार को आयोजित बैठक

में उत्तर प्रदेश बेड एंड ब्रेकफास्ट (बी एंड बी) एवं होम स्टे नीति 2025 को मंजूरी दी गई। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि एक से छह कमरे तक के घर को अब होम स्टे का लाइसेंस लेकर संचालित किया जा सकेगा। यह व्यवस्था ग्रामीण एवं शहरी इलाके दोनों के लिए लागू की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में होम स्टे सिस्टम चलाने के लिए 500 से 750 रुपए तक का शुल्क लिया जाएगा। वहीं, शहरी या सिल्वर श्रेणी के होम स्टे के लिए 2000 का आवेदन शुल्क निर्धारित किया गया है।

लाइसेंस के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी गठित की जाएगी। होम स्टे का लाइसेंस भी नवीनीकरण कराना होगा। होम स्टे की व्यवस्था लागू होने से श्रद्धालुओं को सहूलियत होगी। वे एक साथ सात दिन तक रह सकेंगे। इससे ज्यादा दिन रहने पर सूचना देनी होगी। होम स्टे का लाइसेंस शुल्क 500 से 3500 रुपए रखा गया है।

सभी जिलों में बनाए जाएंगे अन्नपूर्णा भवन

यूपी में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कराया जाएगा। अभी तक राशन की दुकानें गलियों में होने से वहां ट्रक या वाहन जाने में समस्या होती थी। अब 484 वर्ग फीट का अन्नपूर्णा भवन ऐसी जगह बनाया जाएगा, जहां वाहन भी जा सके। राशन विक्रेता दुकान में राशन के साथ दूसरे खाद्य सामग्री की बिक्री भी कर सकेंगे। इस साल के बजट में 266 करोड़ का प्रावधान किया है। अभी तक 3524 अन्नपूर्णा भवन ग्रामीण क्षेत्रों में तैयार किए हैं। 2000 भवन निर्माणाधीन है। मनरेगा के साथ सांसद, विधायक निधि, बुंदेलखंड विकास निधि, पूर्वांचल विकास निधि से भी इसका निर्माण कराया जाएगा। हर जिले में एक साल में 75 अन्नपूर्णा भवन बनाए जाएंगे। इनका निर्माण शहरी क्षेत्रों में भी किया जाएगा।

औद्योगिक निवेश वाली कंपनियों को सब्सिडी मिलेगी

औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी ने बताया कि औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति -2017 के तहत निवेश करने वाली कंपनियों को सब्सिडी देने का प्रस्ताव मंजूर किया है। एसीसी लि, जिला सोनभद्र (पूर्वांचल क्षेत्र) की लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) को निरस्त किया है।

अयोध्या दर्शन करने आई नाबालिग से होटल में छेड़छाड़

पिता ने बिहार जाकर अधिकारियों को भेजा वीडियो; बोले- योगी जी न्याय दिलाइए

अयोध्या, 3 जून (एजेंसियां)। अयोध्या में दर्शन करने आए श्रद्धालु की 13 वर्षीय बेटी के साथ होटल मालिक के साले ने छेड़छाड़ की। पति-पत्नी अपने तीन बच्चों के साथ होटल में ठहरे हुए थे। रात 11:30 बजे खाना खाते ही सभी लोगों को गहरी नींद आ गई। रात करीब 1:30 बजे अचानक उनकी बेटी की चीख सुनाई दी। जब कमरे की लाइट जलाया तो कमरे में एक युवक खड़ा था। पूछने पर उसने कहा कि वह हालचाल पूछने आया था। कमरा अंदर से बंद था फिर तरह वह कमरे में पहुंचा किसी को पता नहीं। परिवार ने पूरे मामले का वीडियो बनाया है। अब जिला प्रशासन और सीएम योगी से कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। ये मामला सप्तसागर कॉलोनी स्थित श्रीराम पैलेस होटल का है।

आगरा में दर्दनाक घटना

यमुना में नहाने गईं छह लड़कियों की डूबने से मौत, दृश्य देख कांप गया कलेजा

आगरा, 3 जून (एजेंसियां)। आगरा के थाना सिकंदरा क्षेत्र में नगला नाथू के पास मंगलवार की सुबह यमुना में नहाने पहुंचीं छह लड़कियां नदी में डूब गईं। इनमें से चार की मौत हो गई। जानकारी होने पर पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। दो बच्चियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

घटना मंगलवार सुबह 10:30 बजे की है। 18 वर्षीय मुस्कान अपनी छोटी बहन संध्या, दिव्या, चचेरी बहन नैना, मौसी की बहन सोनम, सुहानी और चचेरे भाई दीपेश के साथ यमुना में नहाने आई थी। सभी बहन-भाई नदी में नहा रहे थे। अचानक संध्या गहरे पानी में चली गई। उसे बचाने मुस्कान और दिव्या गईं। वह भी गहरी पानी में चली गईं। आधे घंटे की मशक्कत के बाद सभी को गहरे पानी से बाहर निकाला। युवती सहित 4 की मौत हो गई। दो को बचा लिया गया, जिन्हें पुलिस ने अस्पताल भेजा। यहां इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। गांव का रास्ता ठीक न होने के कारण एंबुलेंस घटनास्थल तक नहीं पहुंच सकी। जिस कारण गांव के ही लोगों को अपने निजी वाहन बाइक से बच्चियों को अस्पताल ले जाना पड़ा। अपर पुलिस आयुक्त राम बदन सिंह ने बताया 6 बच्चियां डूबी थीं। दो को बचा लिया गया था। बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। कच्चा रास्ता होने के कारण राहत और बचाव कार्य में मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

युवक की हत्या, 6 टुकड़ों में काटा

अयोध्या, 3 जून (एजेंसियां)। अयोध्या में सेना की तैयारी कर रहे 22 साल के युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। उसका शव छह टुकड़ों में मिला। हाथ-पैर, गर्दन और धड़ अलग-अलग थे। युवक घर के बाहर चारपाई पर सो रहा था। पिता रात में जनरेटर में पानी डालने के लिए उठे। उनकी नजर चारपाई के नीचे बह रहे खून पर पड़ी। यह देखकर वह चौंक गए। फिर बेटे के पास गए तो देखा कि उसकी लाश चारपाई पर टुकड़ों में पड़ी थी। इसके बाद वह चीख पड़े। शोर सुनकर घरवाले दौड़कर पहुंचे। घरवालों की सूचना पर सोमवार रात ढाई बजे पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। घरवालों ने युवक के सगे चाचा और पड़ोसी पर हत्या का आरोप लगाया है। वारदात बीकापुर कोतवाली से सिर्फ 500 मीटर की दूरी पर पटेलनगर हुई। सुबह पिता रोते-रोते बेहोश हो गए। घरवालों ने पानी के छींटे मारकर उन्हें होश में लाए। बहन भी रो-रोकर बेसुध हो गई। वह बार-बार कह रही थी- भइया, कहां चले गए?

मां की गोद से मासूम को छीनकर भेड़िया खा गया

बहराइच, 3 जून (एजेंसियां)। बहराइच में 8 महीने बाद फिर से भेड़िए की एंट्री हो गई है। यहां भेड़िया 2 साल के मासूम को मां की गोद से छीनकर खा गया। सोमवार रात 12 बजे मां बच्चे को गोद में लेकर घर में चारपाई पर सो रही थी, तभी भेड़िया अंदर घुस गया। बच्चे की गर्दन जबड़ों में दबाकर भागने लगा। बच्चे की चीख सुनकर मां जाग गई। देखा तो भेड़िया बेटे को लेकर भाग रहा था। वह शोर मचाते हुए उसके पीछे दौड़ने लगीं, लेकिन भेड़िया भाग निकला। इसके बाद परिजन और ग्रामीण रातभर खेतों और जंगलों में बच्चे को खोजते रहे।

सुबह 5 बजे गांव से दो किमी दूर गन्ने के खेत में बच्चे का शव मिला। उसके दोनों हाथ और एक पैर भेड़िया खा चुका था। लाश देखते ही मां बेहोश हो गई। घरवालों ने पानी के छींटे मारकर उन्हें होश में लाया। ग्रामीणों ने पुलिस और वन विभाग को सूचना दी।

कैबिनेट में सीएम नीतीश ने 47 प्रस्तावों पर लगाई मुहर

कई विभाग में नए पदों के सृजन की मंजूरी

पटना, 3 जून (एजेंसियां)। सीएम नीतीश कुमार ने कुल 47 प्रस्तावों को स्वीकृति दी। आगामी चुनाव से पहले नौकरी को लेकर किए गए अपने वादे को सीएम नीतीश कुमार हर हाल में पूरा करना चाहते हैं। इसी को देखते हुए उन्होंने कई विभागों में नए पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इनमें सबसे ज्यादा पद सृजन के प्रस्ताव शिक्षा विभाग से हैं। इसके अलावा अन्य कई विभाग में भी नए पदों के सृजन के प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदर्शन की गई है।

आइए जानते हैं सीएम नीतीश कुमार ने और किन-किन प्रस्तावों पर स्वीकृति दी।

शिक्षा विभाग में सीएम नीतीश कुमार ने 935 पदों के सृजन के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। इनमें बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड में विभिन्न कोटि के कुल 818 पदों तथा बिहार शिक्षा परियोजना परिषद् के लिए कुल 63 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई। वहीं शिक्षा विभाग अन्तर्गत संचालित सरकारी विद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों एवं कार्यालयों की भूमि का सत्यापन, भूमि के विवरण का संकलन एवं संरक्षण तथा विभाग के अन्य विकासात्मक गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए ससमय भूमि की उपलब्धता हेतु संविदा के आधार पर तीन वर्षों के लिए भू-सम्पदा पदाधिकारी के दो एवं सहायक भू-सम्पदा पदाधिकारी के 38 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई।

इन विभाग में 653 पदों के सृजन की स्वीकृति को मंजूरी

सीएम नीतीश कुमार ने कृषि विभाग के अन्तर्गत बिहार कृषि अधीनस्थ सेवा कोटि-9 (सांख्यिकी) (भर्ती, प्रोन्नति एवं सेवा शर्त) नियमावली, 2025 के गठन की स्वीकृति दी गई। बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड, पटना में प्रतिनियुक्ति संविदा के आधार पर कुल 653 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई। वहीं समाज कल्याण विभाग के अधीन महिला एवं बाल विकास निगम अंतर्गत मुख्यालय (निगम) जिला, अनुमंडल स्तर पर कुल 390 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई। वहीं लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग में पांच नए प्रशाखाओं का सृजन हेतु बिहार सचिवालय सेवा के अवर सचिव के एक पद, प्रशाखा पदाधिकारी के पांच पद एवं सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के 22 पद समेत कुल 28 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई।

मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अन्तर्गत राज्यपाल सचिवालय, बिहार, पटना के लिए चालक का दो पद के सृजन की स्वीकृति दी गई। पूर्व से सृजित विभिन्न कोटि के 147 पदों को प्रत्यर्पित करते हुए राज्य के प्रत्येक जिला में एक जिला आयोजना क्षेत्र प्राधिकार का कार्यालय गठन करने एवं उक्त 38 कार्यालयों को सौंपे गये कार्यों एवं दायित्वों के समुचित निर्वहन के लिए एक सौ बारह करोड़ पांच लाख चौहत्तर हजार आठ सौ चौवालिस रुपये के अनुमानित वार्षिक लागत व्यय पर विभिन्न प्रकार के कुल 1350 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई।

अंग्रेजी में मिला परीक्षार्थियों को बीए एलएलबी का प्रश्न पत्र, परीक्षा निरस्त, नई तिथि में होगा पेपर

हाथरस, 3 जून (एजेंसियां)। राजा महेंद्र प्रताप सिंह यूनिवर्सिटी में बीए एलएलबी द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा में 3 जून सुबह की पाली में गड़बड़ी सामने आई। हाथरस के बागला डिग्री कॉलेज में स्थित परीक्षा केंद्र पर प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध कराया गया। नियम के अनुसार प्रश्न पत्र हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होना चाहिए था। परीक्षार्थियों ने इस पर आपत्ति दर्ज कराई। कॉलेज प्रशासन ने इसके बारे में यूनिवर्सिटी से जानकारी की। गड़बड़ी का पता चलने पर यूनिवर्सिटी ने परीक्षा को निरस्त कर दिया। सभी परीक्षार्थियों से पेपर वापस ले लिए गए। बागला डिग्री कॉलेज व आरपीएम डिग्री कॉलेज को मिलाकर कुल 126 परीक्षार्थी को यह परीक्षा देनी थी। इस परीक्षा के लिए अब नई तिथि की घोषणा की जाएगी। बागला डिग्री कॉलेज के प्राचार्य महावीर सिंह छौंकर का कहना है कि प्रश्न पत्र हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषा में होना चाहिए था, इसलिए विश्वविद्यालय ने परीक्षा को निरस्त किया है। जल्द ही नई तिथि की घोषणा की जाएगी।

लखनऊ में 10 कुत्तों को बिरयानी में जहर दिया

लखनऊ, 3 जून (एजेंसियां)। लखनऊ में 10 कुत्तों को चिकन बिरयानी में जहर मिलाकर खिला दिया गया। इससे 4 कुत्ते तड़प-तड़पकर मर गए। बाकी के 6 कुत्तों का एनजीओ के डॉक्टर इलाज कर रहे हैं। घटना राजाजीपुरम टैक्सी स्टैंड के पास की है। सोमवार-मंगलवार की रात 2-3 बजे के बीच कुत्तों को बिरयानी खिलाई गई। इलाके के लोगों ने मंगलवार की सुबह कुछ कुत्तों को तड़पते देखा। फिर एनजीओ और पुलिस को सूचना दी। एनजीओ के डॉक्टर तुरंत मौके पर पहुंचे। तालकटोरा पुलिस ने कुत्तों की बॉडी पोस्टमार्टम के लिए भिजवाई। पुलिस को मामले में अब तक कोई तहरीर नहीं मिली है। जीव आश्रय एनजीओ के सदस्य शशि शेखर ने बताया कि उन्हें फोन पर सूचना मिली। मौके पर पहुंच कर देखा तो 4 कुत्तों की मौत हो चुकी थी और 6 तड़प रहे थे। 2 की कंडीशन बेहद गंभीर थी। 4 कुत्तों को मौके पर और 2 को एनजीओ के ऑफिस में इलाज किया जा रहा है।

महिला ने भेजी फ्रेंड रिक्वेस्ट, फंसाया प्यार के जाल में

अलीगढ़, 3 जून (एजेंसियां)। फेसबुक आदि सोशल मीडिया पर महिला भोले-भाले लोगों से मीठी-मीठी बातें करके अपने प्यार के जाल में फंसाती। अपने से मिलने के लिए उन्हें एकांत स्थानों पर बुलाती। वहां पर आते ही महिला और उसके अन्य साथी मोबाइल, नगदी, सामान लूट लेते और मारपीट भी करते। इस दौरान विभिन्न ऑनलाइन पेमेंट माध्यमों से रुपये भी ट्रांसफर करा लिए जाते। ऐसे ही गिरोह के तीन शातिरों को पुलिस ने अपनी गिरफ्त में ले लिया, जिसमें एक महिला भी शामिल है।

अलीगढ़ की अतरौली पुलिस ने सर्विलांस और एसओजी की मदद से एक बड़े हनी ट्रैप गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने एक महिला, उसके पति और एक अन्य सहयोगी को गिरफ्तार किया है। यह गैंग फेसबुक पर लोगों को प्रेम जाल में फंसाकर उनसे लूटपाट करता था।

ऐसे फंसाते थे जाल में

यह महिला अपने पति और एक दोस्त की मदद से लोगों को फेसबुक पर दोस्ती का झांसा देती थी। मीठी-मीठी बातें करके उन्हें अपने प्रेम जाल में फंसा लेती थी और फिर उनसे मिलने बुलाती थी। जब युवक मिलने आते थे, तो महिला का पति और उसका दोस्त मिलकर उनसे लूटपाट करते थे।

हाल ही में, बिहार के भोजपुर जिले के ईश्वरपुरा गांव निवासी अविनाश कुमार सिंह, जो दिल्ली में निजी नौकरी करते हैं, को इस गैंग ने अपना निशाना बनाया। कुछ दिन पहले महिला ने अविनाश को फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी और दोस्ती कर ली। प्यार भरी बातों से अविनाश को अपने झूठे प्रेम जाल में फंसा लिया। इसके बाद दोनों ने फोन नंबरों का आदान-प्रदान किया और लंबी चैटिंग करने लगे। महिला ने अविनाश को 2 जून को अलीगढ़ में खैरेश्वर मंदिर के पास मिलने बुलाया। अविनाश के वहां पहुंचने पर, महिला के पति और उसके साथी ने उसे जबरन एक बाग में ले जाकर लूटपाट की और फिर मौके से फरार हो गए। अविनाश ने अतरौली थाने पहुंचकर अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई।

उपराष्ट्रपति की सुरक्षा में चूक, सीसीटीवी देखे जा रहे

उस नेता की पहचान की जाएगी, जिसकी गाड़ी में बैठकर एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे तीनों लोग

आगरा, 3 जून (एजेंसियां)। आगरा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की सुरक्षा में लापरवाही के मामले में जांच शुरू कर दी गई है। एयरफोर्स परिसर के साथ ही अजीत नगर गेट के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले जाएंगे। पता लगाया जा रहा है कि बिना अनुमति के लिए 3 लोग एयरफोर्स स्टेशन में कैसे प्रवेश कर गए। साथ ही उस नेता की गाड़ी की पहचान की जा रही है, जिसकी गाडी में बैठकर ये तीनों एयरफोर्स स्टेशन में पहुंचे। पहचान होने पर इन नेताओं की मुश्किल बढ़ सकती है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 1 जून को पत्नी के साथ आगरा में आयोजित अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती समारोह में शामिल होने आए थे। इस दौरान एयरपोर्ट से लेकर आयोजन स्थल तक सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। एयरपोर्ट पर उनकी अगवानी और विदाई के लिए जो लोग शामिल होंगे, उनकी लिस्ट भी तैयार कर उपराष्ट्रपति कार्यालय को भेजी गई थी।

बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष के इकलौते बेटे ने सुसाइड किया

अमरोहा, 3 जून (एजेंसियां)। अमरोहा में बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष के 21 साल के इकलौते बेटे ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। गोली सिर के आर-पार हो गई। घटना के वक्त वह घर पर अकेला था। उसके पिता, मां और बहन मेरठ दवा लेने गए थे। सोमवार रात लौटे तो बहन भाई के कमरे में गई। देखा कि उसकी लाश बेड पर पड़ी हुई थी। यह देखकर वह दौड़ते हुए मां-पिता के पास पहुंची और रोते हुए घटना के बारे में बताया। यह सुनते ही मां बेहोश होकर गिर पड़ी।

आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। युवक को आनन-फानन में अस्पताल लेकर जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक सीएम की पढ़ाई कर रहा था। अभी तक उसकी आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। उसके कमरे से पुलिस को कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। पूरी घटना शहर के आवास विकास कॉलोनी की है।

क्या चिराग पासवान केंद्रीय मंत्री के पद से इस्तीफा देंगे?

> बिहार चुनाव से पहले समझें सभी नफा-नुकसान

पटना, 3 जून (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के ठीक पहले, लगभग इसी समय चिराग पासवान खूब चर्चा में थे। वैसे, ठीक इसी समय पिछले साल जब केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का शपथ होने वाला था तो भी चिराग पासवान चर्चा में थे। अब बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले, चिराग पासवान चर्चा में हैं। 2020 में उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हराने की तैयारी के कारण चर्चा में थे। पिछले साल पहली बार केंद्रीय मंत्री बनने की संभावना के कारण सुर्खियों में थे। अब ठीक एक साल बाद वह बिहार विधानसभा चुनाव में खुद उतरने की बात कहकर चर्चा में हैं। तो, क्या 9 जून 2024 को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में पहली बार मंत्री बनने के एक साल के अंदर उनका मोहभंग हो गया है? क्या वह बिहार के लिए केंद्र की कुर्सी छोड़ेंगे? क्या है नफा-नुकसान का गणित यह भी समझना चाहिए।

पिता के जाते ही चिराग बन जाते केंद्रीय मंत्री, मगर...

चिराग पासवान सांसद थे, जब अक्टूबर 2020 में उनके पिता रामविलास पासवान का निधन हुआ। रामविलास उस समय केंद्र में मंत्री थे। चिराग पिता की कुर्सी पर बैठ जाते, उनके आवास में ही रह जाते; लेकिन ऐसा नहीं हो सका। क्योंकि, बिहार चुनाव में चिराग पासवान ने एनडीए से अलग राह पकड़ बिहार चुनाव 2020 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के प्रत्याशियों के खिलाफ लोक जनशक्ति पार्टी के उम्मीदवार उतार दिए थे। चुनाव में एनडीए की सरकार भी बनी और चिराग के कारण नीतीश कुमार की पार्टी संख्या बल में कमजोर भी हुई। लोहा गरम था। मौका देख चाचा पशुपति कुमार पारस ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में प्रवेश पा लिया और चिराग देखते रह गए। उन्हें दिल्ली में दशकों से दिवंगत पिता की पहचान रहे सरकारी आवास को छोड़ना पड़ा। वक्त गुजरा। नीतीश के घाव पर भाजपा और चिराग के साथ वक्त ने भी मरहम लगाया। 2024 में लोकसभा चुनाव हुआ तो चिराग पासवान शत प्रतिशत सीटों पर जीत के साथ केंद्र में मंत्री बने। अब वह बिहार चुनाव लड़ने की बात कह रहे तो उतरने और जीतने के बाद उन्हें केंद्रीय मंत्री का पद छोड़ना पड़ेगा, जो कई नजरिए से नुकसान वाला फैसला होगा। मतलब, उन्हें बहुत कुछ समझ लेना होगा पहले। केंद्र में मंत्री और बिहार के मंत्री का

अंतर भी समझें चलिए, कुछ देर के लिए मान लेते हैं कि बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के तहत चिराग पासवान गृह राज्य की राजनीति में उतरने के लिए बिहार चुनाव में भाग्य आजमाते हैं। जीतकर विधायक भी बन जाते हैं। उनकी ही बात मानकर यह भी मान लेते हैं कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री रहेंगे तो उस हिसाब से चिराग पासवान को मंत्री का पद भी दे देते हैं। अब, देखते हैं कि वह कितना नफा-नुकसान में हैं। पहले तो यह ध्यान देने वाली बात होगी कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दूर हो जाएंगे। पीएम मोदी के करीब होना और दूर रहना, कितना नफा-नुकसान वाला है- यह तो सभी समझते हैं। दूसरी बात पावर की, तो केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री के रूप में फिलहाल उनका कार्यक्षेत्र पूरा देश है और बिहार चुनाव जीतकर, मंत्री बनकर दायरा राज्य में रह जाएगा। वह केंद्र में कैबिनेट स्तर के मंत्री हैं, जो बिहार के मंत्री से कई मायने में ऊपर का दर्जा है।

वेतन, मानदेय में भी भारी अंतर, सुविधाएं भी असमान

सांसद और केंद्रीय मंत्री का वेतन एक होता है। केंद्रीय कैबिनेट ने मार्च 2025 में सांसद का वेतन एक लाख से बढ़ाकर 1.24 लाख प्रतिमाह किया था। अप्रैल 2023 से ही यह प्रभावी कर दिया गया था। खैर, यह तो सिर्फ वेतन है। इसके अलावा, सांसदों को दैनिक भत्ता अब 2500 रुपये प्रतिदिन मिलता है, जो मार्च 2025 में लागू हुई बढ़ोत्तरी से पहले 2000 रुपये प्रतिदिन था। इस तरह का भत्ता सत्र में भाग लेने के दिनों के लिए मिलता है। सांसदों को अखिल भारतीय स्तर पर स्वयं रेल, वायु, सड़क यात्रा के लिए असीमित सुविधाएं मिलती हैं तो पत्नी व परिवार के लिए भी फ्री हवाई सफर या असीमित ट्रेन का सफर जैसा लाभ भी मिलता है।

चिराग पासवान की अभी शादी नहीं हुई, लेकिन वह अपनी मां रीना पासवान के साथ यात्राओं का लाभ परिवार के रूप में ले सकते हैं। एक सांसद को 50 हजार यूनिट फ्री बिजली, 1.70 लाख फ्री कॉल्स, 40 लाख लीटर पानी, दिल्ली में सरकारी बंगला जैसी सुविधाएं मिलती हैं। कंप्यूटर का ज्ञान रखने वाले सहायक के लिए भी 40 हजार की जगह अब 50 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं। सांसदों को मिलने वाली सुविधाओं का अनुमान सिर्फ इसी बात से लगा सकते हैं कि इन्हें हर महीने स्टेशनरी के लिए 20 हजार की जगह 25 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं।

दो बच्चों की मां ने रात में प्रेमी के साथ खाया जहर

दोनों ने तड़प-तड़पकर तोड़ा दम

फिरोजाबाद, 3 जून (एजेंसियां)। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद के गांव नगला ऊमर में प्रेमी युगल ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। इससे दोनों की मौत हो गई। घटना से परिवार में मातम छा गया। वहीं पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जिसने शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज फिरोजाबाद भेजा है। थाना क्षेत्र के गांव नगला ऊमर निवासी रोहित उर्फ बंटू शर्मा (26) के घर के सामने विनेश यादव (32) रहती थी। उसके दो बच्चे ज्योति एवं अर्पित हैं। विवाहिता का पति वड़ोदा गुजरात में काम करता है।

महिला और युवक में दोनों के बीच प्यार हो गया। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं। सोमवार रात अज्ञात कारणों से युवक और महिला ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जिससे दोनों की हालत बिगड़ गई। कुछ समय बाद दोनों ने दम तोड़ दिया। एक साथ हुई प्रेमी युगल की मौत से गांव में सन्नाटा पसर गया। दोनों के परिवार में चीख-पुकार मच गई। प्रेमी युगल की मौत की जानकारी पाकर काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर आ गए।

सूचना पर सीओ प्रवीन कुमार और थाना की फोर्स भी आ गई। पुलिस ने मृतकों के परिजनों से बातचीत कर घटना के साक्ष्य एकत्रित किए। उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया। सीओ प्रवीन तिवारी ने बताया कि दोनों में प्रेम संबंध थे। किसी कारणों से विषाक्त पदार्थ खा लिया, जिससे उनकी मौत हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

'चीन अगर ब्रह्मपुत्र का पानी रोक ले तो क्या होगा'

पाकिस्तान की धमकी की असम सीएम ने निकाली हवा

गुवाहाटी, 3 जून (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने मंगलवार को कहा कि भारत द्वारा सिंधु जल समझौता स्थगित करने के बाद पाकिस्तान एक नई कहानी गढ़ रहा है कि अगर चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी का प्रवाह रोक दिया तो क्या होगा? असम सीएम ने पाकिस्तान की मनगढ़ंत धमकी की हवा निकालते हुए कहा कि पहली बात तो चीन ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा और अगर ऐसा होता भी है तो इससे असम में हर साल आने वाली बाढ़ को कम करने में ही मदद मिलेगी।

सरमा ने दिए ये तर्क

सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में हिमंता बिस्व सरमा ने कहा कि 'जब से भारत ने सिंधु जल समझौते को स्थगित किया है तो पाकिस्तान एक मनगढ़ंत धमकी दे रहा है कि क्या होगा अगर चीन भारत में ब्रह्मपुत्र नदी का पानी रोक दे? तो आइए इस मिथक को तोड़ते हैं, डर से नहीं बल्कि तथ्यों और राष्ट्रीय स्पष्टता के साथ।' सरमा ने आगे लिखा कि 'चीन अगर पानी का प्रवाह कम भी कर दे, तो (हालांकि इसकी संभावना नहीं है क्योंकि चीन ने किसी भी आधिकारिक मंच से ऐसे संकेत नहीं दिए हैं) इससे भारत में हर साल आने वाली बाढ़ को कम करने में मदद मिल सकती है, जो हर साल लाखों लोगों के विस्थापित होने और आजीविका तबाह होने का कारण बनती है।'

बारिश से बढ़ता है ब्रह्मपुत्र का प्रवाह

सरमा ने कहा कि पाकिस्तान 74 वर्षों तक सिंधु जल संधि के तहत फायदा उठाता रहा, अब भारत द्वारा अपने संप्रभु अधिकारों को फिर से हासिल करने पर घबरा रहा है। सरमा ने दावा किया कि ब्रह्मपुत्र नदी भारत में बढ़ती है। ब्रह्मपुत्र के कुल प्रवाह में चीन का योगदान 30-35 प्रतिशत है, जो ग्लेशियर के पिघलने और तिब्बती बारिश से आता है। बाकी का 70-75 प्रतिशत भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों में होने वाली बारिश से आता है। सुबनसिरी, लोहित, कामेंग, मानस, धनसिरी, जिया भरली, कोपिली जैसी प्रमुख सहायक नदियां भी इसमें योगदान करती हैं। जबकि खासी, गारो और जंतिया पहाड़ियों से बहने वाली कृष्णाई, दिगारू और कुलसी जैसी नदियां भी इसके प्रवाह में योगदान करती हैं।

असम सीएम ने दावा किया कि भारत-चीन सीमा पर नदी का प्रवाह 2000-3000 m3/s है, जबकि गुवाहाटी जैसे असम के मैदानी इलाकों में मानसून के दौरान यह बढ़कर 15000-20000 m3/s हो जाता है। ब्रह्मपुत्र वर्षा आधारित भारतीय नदी प्रणाली है, जो भारत में प्रवेश के बाद मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि 'ब्रह्मपुत्र को किसी एक स्रोत द्वारा नियंत्रित नहीं किया जाता है - यह हमारी भौगोलिक स्थिति, हमारे मानसून और हमारी सभ्यतागत लचीलापन द्वारा संचालित होती है।'

हत्या के आरोपियों को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने दी जमानत

कोलकाता, 3 जून (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 21 का हवाला देते हुए हत्या के दो आरोपी विचाराधीन कैदियों को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। दोनों आरोपी बीते 12 वर्षों से जेल में बंद थे। अदालत ने कहा कि मुकदमे में देरी हुई है, जिसके चलते आरोपी संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जमानत पाने के अधिकारी हैं।

आरोपियों मुन्ना ढाली और नबू ढाली समेत चार लोगों पर साल 2012 में दक्षिण 24 परगना में चार लोगों की हत्या का आरोप है। जस्टिस सुव्रा घोष ने 15 मई को दिए अपने फैसले में कहा कि 'बिना मामले के गुण दोष को छुए, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जमानत की अपील को स्वीकार किया जाता है।' फैसले की विस्तृत जानकारी अब सामने आई है।

हरिद्वार जमीन घोटाला : धामी सरकार की बड़ी कार्रवाई

दो आईएएस और एक पीसीएस अफसर समेत 12 लोग सस्पेंड

देहरादून, 3 जून (एजेंसियां)। हरिद्वार जमीन घोटाले में धामी सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में दो आईएस और एक पीसीएस अफसर समेत कुल 12 लोगों को सस्पेंड कर दिया गया है। मामले में डीएम, एसडीएम और पूर्व नगर आयुक्त पर भी गाज गिरी। अब विजिलेन्स जमीन घोटाले की जांच करेगी।

मामला 15 करोड़ की जमीन को 54 करोड़ में खरीदने का है, जिसमें हरिद्वार नगर निगम ने एक अनुपयुक्त और बेकार भूमि को अत्यधिक दाम में खरीदा। न भूमि की कोई तात्कालिक आवश्यकता थी, न ही खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती गई। शासन के नियमों को दरकिनार कर यह घोटाला अंजाम दिया गया।

15 करोड़ की ज़मीन 54 करोड़ में खरीदी

जांच के बाद रिपोर्ट मिलते ही बड़ी कार्रवाई करते हुए हरिद्वार के जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह, पूर्व नगर आयुक्त वरुण चौधरी और एसडीएम अजयवीर सिंह को सस्पेंड कर दिया। साथ ही वरिष्ठ वित्त अधिकारी निकिता बिष्ट, कानूनगों राजेश कुमार, तहसील प्रशासनिक अधिकारी कमलदास, और वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक विक्की को भी निलंबित किया गया। उत्तराखंड में पहली बार ऐसा हुआ है कि सत्ता में बैठी सरकार ने अपने ही सिस्टम में बैठे शीर्ष अधिकारियों पर सीधा और कड़ा प्रहार किया है। हरिद्वार ज़मीन घोटाले में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा लिए गए निर्णय केवल एक घोटाले के पर्दाफाश की कार्रवाई नहीं, बल्कि उत्तराखंड की प्रशासनिक और राजनीतिक संस्कृति में एक निर्णायक बदलाव का संकेत हैं। पहले चरण में नगर निगम के प्रभारी सहायक नगर आयुक्त रविंद्र कुमार दयाल, अधिशासी अभियंता आनंद सिंह मिश्रवाण, कर एवं राजस्व अधीक्षक लक्ष्मीकांत भट्ट और अवर अभियंता दिनेश चंद्र कांडपाल को भी सस्पेंड किया गया था। संपत्ति लिपिक वेदवाल का सेवा विस्तार समाप्त कर दिया गया है और उनके खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं।

मणिपुर के राज्यपाल से केंद्रीय गृह सचिव ने की मुलाकात

सीमा पर बाड़ लगाने समेत कई मुद्दों पर हुई बात

इंफाल, 3 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने और राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पर बात की। अफसरों ने बताया कि बैठक में राज्य के अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। पहाड़ी और घाटी दोनों जगहों पर आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के लिए चल रहे राहत उपायों की समीक्षा की गई और विस्थापित लोगों को दी जा रही वर्तमान सुविधाओं, पुनर्वास प्रयासों और उनके स्थायी पुनर्वास की योजना पर चर्चा हुई।

इससे पहले केंद्रीय गृह सचिव और खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार डेका के नेतृत्व में केंद्रीय टीम ने चुराचांदपुर में दो राहत शिविरों में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत की और दोनों शिविरों की स्थिति का निरीक्षण किया। टीम ने डोरकास वेंग स्थित राहत केंद्र का दौरा किया। यहां केंद्रीय गृह सचिव ने बच्चों के लिए क्रेच सुविधा और महिलाओं के लिए सिलाई कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

टीम ने तुइबोंग स्थित सद्भावना मंडप में राहत शिविर का भी दौरा किया। यहां केंद्रीय गृह सचिव ने क्रेच-सह-बाल पुस्तकालय का उद्घाटन किया। अफसरों ने बताया कि दोनों शिविरों में अधिकारियों ने आंतरिक रूप से विस्थापितों से बातचीत की। उपलब्ध बुनियादी ढांचे की समीक्षा की। राहत सामग्री और सुविधाओं का निरीक्षण किया। साथ ही विस्थापितों के देखभालकर्ताओं की चिंताओं और सुझावों को सुना। साथ ही उन्हें सरकार की ओर से निरंतर सहायता दिए जाने का आश्वासन दिया।

बटला हाउस में चलेगा बुलडोजर ! 'सीधे नोटिस, हमारी नहीं सुनी'

> याचिकाकर्ताओं ने एससी में रखा पक्ष

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जामिया नगर के बटला हाउस में संपत्ति मालिकों को जारी ध्वस्तीकरण नोटिस में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया। याचिकाकर्ताओं से उचित अधिकारियों से संपर्क करने को कहा। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अवकाश पीठ ने ध्वस्तीकरण नोटिस पर किसी भी अंतरिम रोक से इन्कार किया और मामले की सुनवाई जुलाई में तय की। निवासियों ने बेदखली और ध्वस्तीकरण पर रोक लगाने की मांग की। बटला हाउस में संपत्ति के मालिक सुल्ताना शाहीन और 39 अन्य लोगों ने याचिका दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि 27 मई को उनकी संपत्तियों पर 15 दिन का बेदखली/ध्वस्तीकरण नोटिस चिपकाया गया था। वकील अदील अहमद के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया, यह सुप्रीम कोर्ट के 7 मई के आदेश के बाद किया गया, जिसमें दिल्ली सरकार और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को बटला हाउस क्षेत्र में अवैध संपत्तियों को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया था।

याचिका में आरोप, कभी अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया

याचिका में कहा गया है कि यह कार्रवाई गलत थी क्योंकि उन्हें कभी भी उस मामले में पक्ष नहीं बनाया गया और उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया। याचिका में कहा गया है कि प्रभावित निवासियों को सुनवाई का पर्याप्त और सार्थक अवसर दिए बिना शुरू किया गया कोई भी व्यापक विध्वंस अभियान प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन और भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 19 (1) (ई) और 21 के तहत निहित मौलिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन होगा।

याचिकाकर्ताओं के पास हैं दस्तावेज

याचिका में आगे कहा गया कि प्रभावित निवासियों का समूह, जिनके घर इस क्षेत्र में आते हैं, अब पीएम-उदय योजना के कवरेज से बाहर होने के कथित

आधार पर ध्वस्त करने की मांग कर रहा है, जबकि उनके पास वैध शीर्षक दस्तावेज, 2014 से पहले निरंतर कब्जे का प्रमाण और संपत्ति अधिकार अधिनियम, 2019 की मान्यता के तहत पात्रता है। पीएम-उदय योजना का उद्देश्य दिल्ली में अधिसूचित अनधिकृत कॉलोनियों के निवासियों को संपत्ति के अधिकार प्रदान करना या मान्यता देना है।

बायकॉट तुर्किये की एक और नजीर

बीएमसी नहीं खरीदेगा रोबोटिक लाइफबॉय, कमिश्नर ने की पुष्टि; पाक का समर्थन पड़ा भारी

मुंबई, 3 जून (एजेंसियां)। मुंबई की बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने तुर्की से रोबोटिक लाइफबॉय खरीदने की योजना रद्द कर दी है। ये उपकरण समुद्र में डूबते लोगों को बचाने के लिए इस्तेमाल किए जाने थे और इन्हें मुंबई के गिरगांव चौपाटी, दादर शिवाजी पार्क, जुहू, वर्सोवा, अक्सा और गोराई बीच पर लगाने की योजना थी। बीएमसी के कमिश्नर भूषण गगरानी ने पुष्टि की कि अब ये योजना बंद कर दी गई है।

पाकिस्तान का समर्थन करने से बढ़ा विरोध

इस योजना का विरोध तब शुरू हुआ जब तुर्की ने भारत और पाकिस्तान के बीच हाल की सैन्य तनातनी में पाकिस्तान का समर्थन किया। इसके बाद बीजेपी और शिवसेना समेत कई राजनीतिक दलों ने विदेशी उपकरणों की खरीद पर सवाल उठाए और 'मेक इन इंडिया' का समर्थन करने की मांग की।

पाकिस्तान का समर्थन तुर्कियो को पड़ा भारी

भारत के दुश्मन पाकिस्तान से दोस्ती तुर्किये को बहुत महंगी पड़ रही है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान का खुला साथ देने के कारण भारतीयों ने तुर्किये के उत्पादों का बहिष्कार कर दिया। देश की एक दर्जन से अधिक बड़ी मंडियों ने तुर्किये के सेब सहित सभी फलों का पूर्ण बहिष्कार कर दिया जिससे तुर्किये को भारी चोट पहुंची है। पिछले वर्ष तुर्किये में करीब 3000 करोड़ खर्च करने वाले भारतीयों में आधे से ज्यादा पर्यटकों ने तुर्किये की यात्रा का अपना प्लान कैंसिल कर दिया, जिससे तुर्किये को हजारों करोड़ का नुकसान हुआ है।

धनंजय मुंडे के खिलाफ सबूत पेश करेंगी अंजलि दमानिया?

> भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने किया तलब

मुंबई, 3 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाली सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने तलब किया है। उनको मुंडे के खिलाफ की गई शिकायत को लेकर पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

दमानिया को एसीबी के सामने अपनी शिकायत से जुड़े सबूत पेश करने होंगे। एक अधिकारी ने बताया कि अंजलि दमानिया को सोमवार को महाराष्ट्र एसीबी से एक पत्र मिला। इसमें उन्हें दो दिन के भीतर भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी के अधिकारियों के समक्ष उपस्थित होने को कहा गया है। पत्र में दमानिया को मुंडे के खिलाफ शिकायत से संबंधित दस्तावेजों के साथ एसीबी के समक्ष उपस्थित होने को कहा गया है। एसीबी के अधिकारी दमानिया द्वारा मुंडे के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करेंगे। पत्र में कहा गया है कि अगर दमानिया दो दिन के भीतर पेश नहीं होती हैं तो यह माना जाएगा कि वह मुंडे के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत के बारे में कुछ नहीं कहना चाहती हैं। दमानिया ने सोमवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट में पत्र साझा किया और बताया कि वह बुधवार को एसीबी कार्यालय जाएंगी। उन्होंने लिखा कि मुझे महाराष्ट्र के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से एक पत्र मिला है। इसमें मुझे धनंजय मुंडे के खिलाफ दर्ज शिकायत के संबंध में जानकारी देने के लिए दो दिनों के भीतर उपस्थित होने को कहा गया है। मैं बुधवार को जानकारी देने के लिए उनसे समय लूंगी।

मुंडे पर लगाए थे गंभीर आरोप

पिछले दिनों सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे पर गंभीर आरोप लगाए थे।उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली महायुति सरकार में कृषि विभाग में 88 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ था और उस वक्त धनंजय मुंडे कृषि मंत्री थे। तब राज्य के किसानों को डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के तहत सीधे बैंक खाते में पैसे भेजने की बजाय उपकरण और फर्टिलाइजर अधिक कीमत पर खरीदकर किसानों को दिए गए। जिसमें करोड़ों रुपये का घोटाला किया गया। मुंडे ने दमानिया के आरोपों को निराधार बताते हुए चुनौती दी थी कि यदि उनके पास कोई ठोस सबूत है तो वे अदालत जाएं।

चिंताजनक : महासागरों का 21% हिस्सा अंधेरे में, समुद्री जीवन पर खतरा

> वैज्ञानिक विश्लेषण से चौंकाने वाला खुलास

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। दुनियाभर के महासागर तेजी से अंधकारमय होते जा रहे हैं, जिससे समुद्री जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर खतरे की स्थिति बन रही है। इंग्लैंड के प्लायमाउथ विश्वविद्यालय और प्लायमाउथ समुद्री प्रयोगशाला द्वारा किए गए एक वैश्विक अध्ययन में यह चिंताजनक तथ्य सामने आया है कि वर्ष 2003 से 2022 के बीच दुनियाभर के महासागरों का लगभग 21% क्षेत्र यानी 7.5 करोड़ वर्ग किलोमीटर से अधिक का हिस्सा अंधकारमय हो गया है।

शोध के नतीजे ग्लोबल चेंज बायोलॉजी में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार महासागर के अंधकारमय होने का तात्पर्य यह है कि उनके प्रकाशीय क्षेत्र की गहराई में कमी आ रही है। यही वह इलाका है जहां सूर्य और चंद्रमा की रोशनी समुद्री जीवों के लिए आवश्यक

ऊर्जा प्रदान करती है और जहां लगभग 90% समुद्री जीवन मौजूद होता है। प्रकाश की यह कमी समुद्र के सतही जल तक सीमित नहीं है बल्कि यह गहराई तक फैल रही है, जिससे जैव विविधता पर खतरा मंडरा रहा है। इस अध्ययन के लिए वैज्ञानिकों ने नासा के ओशन कलर वेब से प्राप्त उपग्रह आंकड़ों और अत्याधुनिक संख्यात्मक मॉडलों का उपयोग किया।

कितना और कहां बदला समुद्र

शोध से प्राप्त निष्कर्ष के अनुसार 2003 से 2022 के बीच महासागरों के पांचवें हिस्से में प्रकाश की पैठ में उल्लेखनीय कमी आई है।

लगभग 3.2 करोड़ वर्ग किलोमीटर (9%क्षेत्र) यानी अफ्रीका महाद्वीप के बराबर क्षेत्र में प्रकाशीय गहराई 50 मीटर से अधिक कम हो गई है। 2.6% क्षेत्र में 100 मीटर से अधिक कमी हुई है। ये वह क्षेत्र हैं जहां समुद्री जीवन गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है। कुछ क्षेत्रों में प्रकाशीय गहराई में सुधार भी देखा गया है। लगभग 3.7 करोड़ वर्ग किलोमीटर यानी 10% क्षेत्र उज्ज्वल हो गया है।

अंधकार के पीछे क्या हैं कारण

शोध में यह स्पष्ट किया गया कि महासागर के अंधकारमय होने के पीछे एकल कारण नहीं है बल्कि यह कई कारकों का सम्मिलित प्रभाव है। तटीय क्षेत्रों में कृषि अपवाह, भारी वर्षा और तलछटों की अधिकता से पानी की पारदर्शिता कम हुई है। तटीय जल में पोषक तत्वों की अत्यधिक मात्रा शैवाल की तेज वृद्धि को बढ़ावा देती है, जिससे प्रकाश की उपलब्धता घटती है। खुले समुद्रों में सतही जल का तापमान बढ़ने और जलधाराओं के व्यवहार में बदलाव से शैवाल की वृद्धि प्रभावित होती है।

'वर्चुअल बकरीद' की अपील क्यों नहीं?

नितेश राणे का पर्यावरणविदों-पशु अधिकार कार्यकर्ताओं से सवाल

मुंबई, 3 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने पर्यावरणविदों और पशु अधिकार कार्यकर्ताओं पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि उन्होंने 'वर्चुअल' बकरीद मनाने की अपील क्यों नहीं की? उन्होंने आरोप लगाया कि वे केवल होली और दिवाली जैसे त्योहारों को निशाना बनाकर अपने चुनिंदा दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हैं।

राज्य के मत्स्य पालन और बंदरगाह विकास मंत्री राणे ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, 'ये पशु प्रेमी पशु अधिकारों के नाम पर चुनिंदा अपील करते हैं। वे बकरीद से पहले ऐसा क्यों नहीं कहते? यह हिंदू राष्ट्र है। यदि डॉ. अंबेडकर की ओर से तैयार किया गया संविधान हिंदुओं पर लागू होता है तो यह मुसलमानों पर भी समान रूप से लागू होना चाहिए। कोई शरिया कानून लागू नहीं होगा।'

'समुदाय के धार्मिक नेताओं को आगे आना चाहिए'

उन्होंने यह भी पूछा कि मुस्लिम समुदाय पर्यावरण के अनुकूल तरीके से बकरीद मनाने के विचार का समर्थन करने के लिए एक साथ क्यों नहीं आ सकता है। इससे अनावश्यक मुद्दों पर रोक लगेगी। हिंदुओं को अपने समाज में प्रतिबंधों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि निर्धारित नियमों और कानूनों का पालन किए बिना बकरों की बलि दी जाती है तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल बकरीद की अपील समुदाय के धार्मिक नेताओं से की जानी चाहिए, ताकि पशु प्रेमी संतुष्ट महसूस करें।

जल टैक्सी परियोजना पर भी बोले

नवी मुंबई हवाई अड्डे को मुंबई से जोड़ने के लिए जल टैक्सी परियोजना पर बोलते हुए राणे ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों की एक बैठक की है। उन्होंने कहा कि वे इस तरह की सेवाओं को अन्य तटीय जिलों तक विस्तारित करना चाहते हैं।

'कांग्रेस का विधायक था, राहुल गांधी मुझसे कभी नहीं मिले'

उन्होंने कांग्रेस के नेताओं को राहुल गांधी से मिलने में आने वाली कठिनाइयों के बारे में निर्दलीय एमएलसी सत्यजीत तांबे की टिप्पणी पर भी कटाक्ष किया। राणे ने दावा किया, '2014 से 2019 तक मैं कांग्रेस का विधायक था। राहुल गांधी मुझसे कभी नहीं मिले। उन्होंने मुझे अपना चेहरा भी नहीं दिखाया। तांबे ने जो कहा वह सच है। भले ही वह कांग्रेस अध्यक्ष थे, लेकिन उन्होंने कभी भी हमारे जैसे नेताओं के लिए समय नहीं निकाला।'

तांबे के बयान का पूरी तरह से समर्थन

उन्होंने कहा, 'भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। फिर भी मैं 10 मिनट में अपने पार्टी अध्यक्ष या मुख्यमंत्री से मिलने का समय ले सकता हूं। भाजपा की सफलता के पीछे यही एक कारण है। दुर्भाग्य से राहुल गांधी ऐसा नहीं करते। मैं तांबे के बयान का पूरी तरह से समर्थन करता हूं।'

राहुल गांधी ने जूते पहनकर दी इंदिरा गांधी को पुष्पांजलि

> सीएम मोहन यादव बोले-यह हमारे संस्कार नहीं

भोपाल, 3 जून (एजेंसियां)। भोपाल में मंगलवार को कांग्रेस के 'संगठन सृजन अभियान' की शुरुआत के लिए आए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी एक नई सियासी बहस में घिर गए हैं। दरअसल, कांग्रेस कार्यालय पहुंचने पर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री और अपनी दादी इंदिरा गांधी की तस्वीर पर जूते पहनकर पुष्पांजलि अर्पित की, जिसका वीडियो सामने आने के बाद भाजपा ने राहुल गांधी को निशाने पर ले लिया है। राहुल गांधी के साथ मौजूद कांग्रेस नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी जूते नहीं उतारे। दोनों नेताओं ने कांग्रेस दफ्तर के बाहर रखी इंदिरा गांधी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए और आगे बढ़ गए। वहीं, जीतू पटवारी और केसी वेणुगोपाल जैसे अन्य वरिष्ठ नेताओं ने परंपरा का पालन करते हुए जूते उतारकर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस पर तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी उनकी दादी थीं, उनकी तस्वीर पर जूते पहनकर पुष्पांजलि देना हमारे संस्कारों के खिलाफ है। उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी जोड़ा कि भाजपा ने अपने कार्य, संस्कार और सेवा भाव के कारण जनता का दिल जीता है,

यही कारण है कि मध्य प्रदेश भाजपा का गढ़ बना हुआ है और भारतीय जनता पार्टी लगातार आगे बढ़ रही हैं। वहीं, इसको लेकर मंत्री विश्वास सारंग ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह राहुल गांधी ने इंदिरा जी का अपमान किया है। यह इटली की संस्कृति हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पोलिटिकल टूरिज्म पर भोपाल आए हैं। संगठन सृजन की बात करने वाले राहुल गांधी ने अपनी ही दादी का अपमान कर दिया। भारतीय परंपरा में हम किसी भी महापुरुष को पुष्पांजलि अर्पित करते समय जूते नहीं पहनते। राहुल गांधी ने इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि नहीं दी, बल्कि फूल फेंके। यह भारतीय नहीं, इटली की संस्कृति है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 4 जून - 2025

योगी ने दिखाई राजनीति की नयी राह

निरंकार सिंह

योगी आदित्यनाथ ने देश को राजनीति की नयी राह दिखाई है। यूपी जैसे बीमारु राज्य को तीव्र विकास की राह पर लाना कोई आसान काम नही था। आज वह एक ऐसे नेता के रुप में उभरे हैं जो प्रधानमंत्री मोदी के बाद सबसे अधिक लोकप्रिय हैं। यहां तक कि आम चुनावों में भी मोदी के बाद योगी की ही मांग की जाती है। योगी का आज जन्मदिवस है। देश और दुनिया भर के समर्थक उन्हें इंटरनेट के माध्यम से बधाईयां दे रहे हैं। योगी विश्व प्रसिद्ध मंदिर और श्री गोरखनाथ मठ गोरखपुर के पीठाधीश्वर महंत भी हैं और उत्तर प्रदेश में लगातार दूसरी बार चुनकर आये मुख्यमंत्री भी हैं। वे उस नाथ सम्प्रदाय के सन्यासी हैं जहां छुआछूत और जातियों में भेदभाव नहीं किया जाता है। इसलिए सन्यासी बनने के बाद अपनी पीठ की परम्परा के अनुसार उन्होंने पूर्वी उत्तर प्रदेश में व्यापक जन जागरण का काम किया। सहभोज के माध्यम से छुआछूत और अस्पृश्यता की भेदकारी रूढ़ियों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। वृहद हिन्दू समाज को संगठित करने का कार्य किया। इसी अभियान के तहत 1994 में काशी के डोम राजा के घर जाकर उन्होंने प्रमुख धर्माचार्यों के साथ भोजन भी किया जो एक साहसी कदम था। सदियों से चंडाल कहे जाने वाले समुदाय के साथ इस प्रकार का आध्यात्मिक और सामाजिक संवाद पहली बार देखा गया। उन्होंने यह संदेश दिया कि हिन्दू धर्म सभी जातियों और वर्गो का धर्म है। एक सन्यासी के रूप में उनकी ख्याति सर्वविदित है लेकिन मुख्यमंत्री के रूप में बिगडे. हुए उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को सुधारने और प्रदेश के विकास का जो क्रांतिकारी काम किया है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। इससे विपक्षी दल के नेता भी हैरान और परेशान हैं। उन्हें लगता है कि योगी के मुख्यमंत्री रहते हुए वे दोबारा सत्ता में नहीं आ सकते हैं। इसलिए उनके खिलाफ तरह-तरह षडयंत्र रचते हैं और सोशल मीडिया के जरिये अफवाहें भी फैलाते रहते हैं। खुद उनकी पार्टी के नेताओं को उनकी ख्याति से ईर्ष्या होती है। योगी आदित्यनाथ आज तक कोई चुनाव हारे नहीं हैं। अपने गुरुदेव के आदेश एवं गोरखपुर संसदीय क्षेत्र की जनता की मांग पर योगी ने वर्ष 1998 में लोकसभा चुनाव लड़ा और मात्र 26 वर्ष की आयु में भारतीय संसद के सबसे युवा सांसद बने। जनता के बीच दैनिक उपस्थिति, संसदीय क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले लगभग 1500 ग्रामसभाओं में प्रतिवर्ष भ्रमण तथा हिन्दुत्व और विकास के कार्यक्रमों के कारण गोरखपुर संसदीय क्षेत्र की जनता ने आपको वर्ष 1999, 2004 और 2009, 2014 के चुनाव में निरन्तर बढ़ते हुए मतों के अन्तर से विजयी बनाकर पाँच बार लोकसभा का सदस्य बनाया। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा को भारी बहुमत मिलने के बाद 19 मार्च 2017 को योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री बनें। उ.प्र. के पिछले विधान सभा के चुनाव में जाति-पांति की राजनीति करने वाले दलों ने योगी के खिलाफ तमाम अफवाहें फैलाई लेकिन प्रदेश के आर्थिक विकास की धारा में जाति-पांति के सारे बंधन टूट गये और फिर भारी बहुमत के साथ प्रदेश के दोबारा मुख्यमंत्री बन गये। ऐसा इसलिए भी हुआ कि उत्तर प्रदेश के कई पूर्व मुख्यमंत्रियों की सरकार में हुए घपले और घोटाले ही उनकी पहचान बन गये हैं। पर योगी आदित्यनाथ तो एक सन्यासी हैं। उनके आगे पीछे कोई नहीं है। इसलिए सत्ता उनके लिए धन जुटाने के लिए नहीं बल्कि जनकल्याण का माध्यम है। उनके पास प्रदेश और देश के विकास के अलावा कोई दूसरा काम नहीं है। उन्होंने यह साबित कर दिया है कि प्रदेश और देश का भला कोई मोदी या योगी जैसा सन्यासी ही कर सकता है। आज यूपी और देश विकास की बुलंदियों को छू रहा है। प्रदेश के सबसे अधिक वंचित और कमजोर वर्गो में भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ख्याति सबसे अधिक है। यह सब यों ही नहीं हो गया है। इसके लिए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की सरकार ने दिन-रात काम किया है और लगातार इस पर नजर रखी है कि सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश के सभी वर्गो को समान रूप से मिल सके। इसमें उन्हें सफलता भी मिली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का कार्यभार संभालने के आठ वर्षो में योगी आदित्यनाथ ने सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक व्यवस्था में बदलाव किये और एक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को मूर्त रूप दिया। उनके शासन के आठ वर्षो में उत्तर प्रदेश ने अपने सांस्कृतिक वैभव के विराट और भव्य स्वरूप के दर्शन कराये और आधुनिक राज्य की पहचान को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाया। दुनिया ने सबसे बड़े कुंभ मेले के आयोजन को भी देखा जिसमें लगभग 66 करोड़ से अधिक लोग भागीदार बने।

विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को आम जनमानस तक सहज सुलभ बनाया। इन आठ वर्षो के सत्ता की दृढ़ता, दूरदर्शिता, सजग प्रबन्धन संवेदनशीलता से वातावरण ऐसे बदला कि उत्तर प्रदेश उद्योगपतियों, पूंजी निवेशकों, कारपोरेट सेक्टर का सबसे अच्छा राज्य बन गया है। किसी जमाने में बीमारू और उलटा प्रदेश कहा जाने वाले उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरी तस्वीर ही बदल दी। उद्योग, किसान, महिलाएं, युवा, सुरक्षा इन्फ्रास्ट्रक्टचर ऐसे भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में भारी परिवर्तन हुआ है। आज उत्तर की गणना देश के अग्रणी राज्यों में की जाती है। योगी सरकार के आठ साल में ही देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के दर्जे पर पहुंच गया है। योगी आदित्यनाथ की नीति, नीयत, जनसेवा के प्रति उनके समर्पण के ही कारण आज प्रदेश के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। उत्तर प्रदेश के सत्ता की कमान संभालने के बाद सबसे पहले योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कानून व्यवस्था सुधारने का काम शुरू किया। इसी का नतीजा है कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में जो माफिया सरकार चलाते थे वे मिट्टी में मिल गये। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था आज पटरी पर है। इसी का यह नतीजा है कि बड़े-बड़े उद्योगपति प्रदेश में निवेश कर रहे हैं। योगी सरकार ने प्रदेश में निवेश और रोजगार प्राथमिकता में रखा ताकि प्रदेश के लोगों को प्रदेश में ही रोजगार मिल सके। योगी ने उत्तर प्रदेश को आज एक ब्रांड बना दिया है। सांस्कृतिक रूप से आज पूरी दुनिया में उत्तर प्रदेश की एक अलग पहचान बन गयी है। करोड़ों हिन्दुओं की आस्था के केन्द्र अयोध्या को सांस्कृतिक नगरी के रूप में विकसित किया गया है। योगी जी का यही दृष्टि उन्हें अलग और विशिष्ट बनाती है। किसी भी क्षेत्र को देखिये आपको कुछ अलग दिखायी देगा। कुछ सुंदर दिखेगा जो नये उत्तर प्रदेश की आशावादी तस्वीर पेश करता है।

जब हम प्रदेश के विकास पर नजर डालते हैंतो साफ-साफ दिखायी देता है। उत्तर प्रदेश के नियोजन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2011-12 में कार्यरत फैक्ट्रियों की संख्या 10555 थी जबकि 2018-19 में यह संख्या 13783 हो गयी। साल 2019-20 में यह बढ़कर 14783 हो गयी। तीन साल में फैक्ट्रियों की संख्या 19 हजार पार कर गयी। केन्द्र सरकार की रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रदेश में 19102 फैक्ट्रियां हो गयी थीं। सबसे ज्यादा फैक्ट्रियां तमिलनाडु में है। इसके बाद नम्बर दो पर गुजरात और नम्बर तीन पर महाराष्ट्र है। उत्तर प्रदेश चौथे नम्बर पर है। लेकिन उत्तर प्रदेश जिस तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है उससे 2024-25 में प्रदेश में फैक्ट्रियों की संख्या बढ़कर 26915 हो गयी है। योगी आदित्यनाथ की सरकार का इस साल 6000 नई फैक्ट्रियों को खोलने का इरादा है। इसके लिए तेजी काम हो रहा है। इस तरह अब प्रदेश में फैक्ट्रियों की संख्या लगभग 32 हजार हो जायेगी।

यूक्रेन के प्रहार से शांति के प्रयास को झटका

विश्व के प्रमुख देशों के प्रयासों के बावजूद यूक्रेन और रूस के बीच तीन साल से भी अधिक समय से जारी युद्ध को खत्म कराने में सफलता नहीं मिली। वैश्विक संगठन के तौर पर संयुक्त राष्ट्र भी कोई सक्रिय भूमिका नहीं निभा सका। आज रूस व यूक्रेन जंग बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। यूक्रेन के अब तक सबसे बड़े हमले रूस में घुस कर करने के बाद रूस की ओर से भीषण जवाबी हमले का खतरा बढ़ गया है। इसमें रूस वारहेड हमला कर सकता है या परमाणु अटैक कर सकता है। ऐसा होता है तो हमले के बाद विनाश यूक्रेन तक ही सीमित नहीं होगा, यह यूरोप को प्रभावित कर सकता है। खास बात यह है कि यूक्रेन ने यह हमला तुर्किये में दोनों देशों के बीच प्रस्तावित शांति वार्ता से ठीक एक दिन पहले किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडोमीर जेलेंस्की ने तर्क दिया हे कि अब रूस वार्ता की टेबल पर आने के लिए मजबूर होगा। लेकिन इसकी उम्मीद इसलिए कम प्रतीत हो रही है, क्योंकि रूस इस युद्ध को लेकर कभी दबाव में नहीं रहा, अमेरिका और यूरोप के प्रमुख ताकतवर देशों के खुले तौर पर यूक्रेन के साथ होने व उन्हें आर्थिक व सैन्य मदद करने के बावजूद रूस पिछले तीन वर्ष से अपने दम पर युद्ध लड़ रहा है और यूक्रेन के कई क्षेत्रों पर कब्जा भी कर लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध खत्म कराने के दावे भी फुस्स साबित हुए हैं। अमेरिका ने सऊदी अरब में रूस व अमेरिकी प्रतिनिधियों के बीच वार्ता जरूर कराई, लेकिन जेलेंस्की के साथ ट्रंप के अराजनयिक रवैये के चलते और यूरोप के अमेरिकी कैंप से छिटक कर यूक्रेन संग जाने के चलते युद्ध खात्मे की उम्मीद धराशायी होती गई। अब तो ट्रंप अपने दावे को लेकर --कोई बात तक नहीं कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल दो सप्ताह में अपनी दूसरी प्रत्यक्ष शांति वार्ता के लिए तुर्किये में एकत्रित हुए। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हेओरही ताइखयी ने कहा कि रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव के नेतृत्व में यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल बैठक के लिए इस्तांबुल में है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सहयोगी व्लादिमीर मेदिंस्की के नेतृत्व में रूसी प्रतिनिधिमंडल रविवार शाम को तुर्किये पहुंच गया था। लेकिन रविवार रात में ही यूक्रेन ने 'ऑपरेशन स्पाइडर वेब' के जरिये रूस के अंदर करीब 4000 किलोमीटर तक घुस कर रूस के कई फाइटर जेट (40 से अधिक) पर महाप्रहार कर नष्ट कर दिया। ऐसे सूरते हाल में युद्ध को समाप्त करने की दिशा में रूस व यूक्रेन के बीच इस वार्ता में किसी भी प्रगति की उम्मीद क्षीण है। यूक्रेन का रूस पर महाप्रहार वर्ष 1941 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका पर जापान द्वारा किया गया पर्ल हार्बर जैसा अचानक व भीषण है। इसके बाद अमेरिका ने जापान पर एटम बम गिराया था। रूस अगर बदला लेता है तो इस बार ऐसे खतरे के निशाने पर यूरोप है। रूस ने वारहेड जैसा कोई कदम उठाया तो तीसरे विश्वयुद्ध के छिड़ने का खतरा भी उत्पन्न हो सकता है। यूक्रेन व रूस के बीच नए तनाव के बाद इस जंग के जल्द खत्म होने के आसार क्षीण हो गए हैं, तुर्किये में वार्ता भी महज औपचारिक रह गई। रूस के राष्ट्रपति पुतिन को समझदारी दिखानी होगी, किसी भी नए विनाश का रास्ता चुनने से पहले वैश्विक शांति और मानव कल्याण के ध्येय को आगे रखना होगा। यूं तो दो दो विश्वयुद्ध दुनिया झेल चुकी है, लेकिन इससे केवल मानवता ही हारी, किसी की जीत नहीं हुई थी। अभी भी रूस व यूक्रेन के बीच जारी युद्ध से मानवता ही हार रही है। परमाणु विनाश के उदाहरण हिरोशिमा व नागासाकी के रूप में हमारे सामने हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता

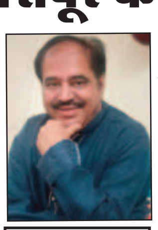

संजीव ठाकुर

भारत की दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमें गर्व होना चाहिए 1 हमें स्वतंत्रता अथक मेहनत एवं खून पसीना बहाने के बाद प्राप्त हुई है। स्वाधीनता के बाद हमारे संवैधानिक इतिहास में लोकतंत्र की संरचना को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। इस महान लोकतंत्र की आस्था और विश्वास के कारण ही देश का मनोबल बहुत ऊंचा एवं गगनचुम्बी है हमें इस पर गर्व होना चाहिए और यही कारण है कि भारत में लोकतंत्र की आस्था तथा विस्वास के चलते ही ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान के अंदर घुसकर हमला किया और आतंकवादियों तथा उसके पोषक पालकों के छक्के छुड़ा दिए और भारत ने युद्ध में बड़ी सफलता पाई। भारतीय फौज के शौर्य और शक्ति का लोहा पूरी दुनिया में स्वीकार किया है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के पीछे भारत में लोकतांत्रिक आस्था और गर्व पर विश्वास करने वाली 141 करोड़ जनता का बड़ा समर्थन है। देश की जागरूक जनता ने ऑपरेशन सिंदूर के संचालन में भारत सरकार और भारतीय तीनों सेना के अंगों का भरपूर समर्थन किया है, भारत के नागरिकों को भारतीय सेना के अदम्य साहस और वीरता पर गर्व है। हमें इन गौरवशाली पलों को अनंत काल तक बनाए रखना होगा और इसके साथ ही स्वाधीनता को भी चिरकाल तक अस्मिता की तरह संजोए रखने की आवश्यकता है। जातिभेद, रंगभेद और सामाजिक कुरीतियों को नजरअंदाज कर लोकतंत्र की अंतर्निहित शक्ति को और ताकतवर बनाना है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारत की सरकारें वर्ष 2025 तक यह प्रयास करती रही कि एक नवीन, मजबूत भारत का उदय हो, जहां अमीरी, गरीबी, जाति, संप्रदाय और सामान्य और दलित वर्ग भेद पूर्णता समाप्त हो जाए,पर भरसक प्रयास के बाद भी ऐसा हो नहीं पाया है1 वर्तमान में भारत की सामाजिक आर्थिक विभिन्नता एवं विषमता देश के आर्थिक तथा वैश्विक छवि के लिए अवरोध साबित हो सकते हैं। देश में विभिन्न नीतियों के विरुद्ध राष्ट्रीय संपत्ति की तोड़फोड़, आपसी असहमति में हत्याये देश के सर्वांगीण विकास के लिए अच्छे संकेत नहीं है। भारत को एक सशक्त आंतरिक नीति एवं सामाजिक सौहार्द्र की आवश्यकता है तब ही हम विकास के पथ पर आगे प्रशस्त हो सकते हैं। भारत की सफल विदेश नीति एक अच्छी नीति की शुरुआत है और विदेशों में भारत की एक अलग पहचान भी महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, पर केवल विदेश नीति से ही देश की 131 करोड़ जनता का पेट भरना और उसे विकास की राह में ले जाना मुमकिन नहीं है। देश की आवाम को सशक्त योजनाओं और आर्थिक तंत्र के मजबूत होने के साथ-साथ उत्पादन में आत्मनिर्भरता से ही मजबूत बनाया जा सकता है, तब जाकर देश की गरीबी एवं भूखमरी पर निजात पाई जा सकती है। धर्मनिरपेक्षता के मजबूत कंधों के सहारे देश को सांप्रदायिक सद्भाव के मार्ग पर ले जाने के साथ-साथ शांति और सौहार्द्र का वातावरण तैयार किया जा सकता है। देश में शांति सौहार्द और उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही विकास के सच्चे पैमाने हैं। पंचवर्षीय योजनाओं में लगातार गरीबी उन्मूलन, कृषि विकास की योजनाएं, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, स्कूली एवं कॉलेज की शिक्षा, स्वास्थ्य की तमाम परेशानियों को दूर करने के लिए बड़ी-बड़ी आर्थिक योजनाएं बनती रही हैं,पर न तो पूरी तरह योजनाओं में अमल हो पाया और ना ही भरपूर वित्तीय संसाधनों का सही-सही समुचित दोहन ही हो पाया ।

क्या चिराग पासवान के बिहार जाने से एनडीए को फायदा होगा ?

अशोक भाटिया

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ने की सुगबुगाहट शुरू हो गई है । बताया जाता है कि अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष को विधानसभा चुनाव के लिए मैदान में उतारने से संबंधित प्रस्ताव लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने भी पास कर दिया है। इसे लेकर अब चिराग पासवान का भी बयान आया है। एलजेपीआर के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा है कि खुद को बहुत लंबे समय तक केंद्र की राजनीति में नहीं देखता। उन्होंने यह भी कहा है कि बिहार वापस जाना चाहता हूं।चिराग पासवान ने कहना है कि मेरे राजनीति में आने का कारण बिहार और बिहारी रहे हैं। जिस सोच के साथ राजनीति में आया हूं, वह ये है कि मेरा राज्य बिहार विकसित राज्यों की श्रेणी में आए। उन्होंने कहा कि यही मेरी इच्छा है और तीसरी बार सांसद बनकर मुझे समझ आया कि दिल्ली में रहकर बिहार के लिए काम करना संभव नहीं होगा। चिराग ने कहा कि मेरा अपना एक विजन भी है 'बिहार फर्स्ट,बिहारी फर्स्ट'। चिराग पासवान का कहना है कि कि मेरा राज्य बिहार विकसित राज्यों की बराबरी पर आकर खड़ा हो, यह चाहता हूं। चिराग ने यह भी कहा कि पार्टी के सामने अपनी इच्छा रखी थी। जल्द वापस बिहार जाना चाहता हूं। मेरे विधानसभा चुनाव लड़ने से पार्टी को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी इसका आकलन कर रही है। हम चाहे जितनी सीटों पर भी चुनाव लड़ें, हमारा ध्यान स्ट्राइक रेट पर है।चिराग ने कहा कि मेरे चुनाव लड़ने से मेरी पार्टी और मेरे गठबंधन का प्रदर्शन अगर बेहतर होता है, तो जरूर लड़ूंगा। गौरतलब है कि एक दिन पहले चिराग पासवान ने कहा था कि पार्टी की तरफ से मेरे विधानसभा चुनाव लड़ने का प्रस्ताव आया है। उन्होंने यह भी कहा था कि इस पर अभी और विस्तार से चर्चा होगी। पार्टी ने प्रस्ताव दिया है कि सामान्य सीट से चुनाव लड़ूं। हालांकि, अभी इस पर और चर्चा होना बाकी है। वैसे चिराग पासवान केंद्र सरकार में मंत्री हैं। केंद्रीय मंत्री रहते हुए अगर वह बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं, तो जाहिर है उनका लक्ष्य मंत्री बनना तो नहीं ही होगा। फिर उनका प्लान क्या है? दरअसल, चिराग पासवान जानते हैं कि केंद्रीय राजनीति में भी उनके पैर तब तक ही जमे हैं, जब तक वह बिहार में मजबूत हैं। आखिरकार, उनकी सियासत का बेस तो बिहार ही है। बीजेपी मध्य प्रदेश और राजस्थान से लेकर हरियाणा तक, केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा चुनाव लड़ाती आई है। 2020 के बिहार चुनाव में चिराग की पार्टी शून्य सीट पर सिमट गई थी। खुद मैदान में उतरने के पीछे चिराग की रणनीति यह भी हो सकती है कि शायद इससे एलजेपीआर को कुछ सीटों पर फायदा मिल जाए। बिहार के वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश अश्क ने कहा कि राजनीति में कोई अस्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता। चिराग की रणनीति कुछ सीटें जीतकर अपनी बारगेनिंग पावर बढ़ाने की हो सकती है, खासकर ऐसे माहौल में जब नीतीश कुमार के भविष्य को लेकर अनिश्चितता की स्थिति हो। चिराग भी भविष्य के सीएम दावेदारों में गिने जाते हैं, 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' जैसे कैंपेन से अपनी मौजूदगी बनाए रखते हैं। वह बिहार की सियासी पिच खाली नहीं छोड़ना चाहते। जेडीएस के एचडी कुमारस्वामी कम सीटें होने के बावजूद सीएम बन सकते हैं, निर्दलीय मधु कोड़ा झारखंड के सीएम बन सकते हैं, नीतीश कुमार तीसरे नंबर की पार्टी का नेता होने के बावजूद पांच साल सरकार चला सकते हैं, तो सियासत में कुछ भी हो सकता है। चिराग को भी नीतीश के भविष्य पर संशय में अपने लिए उम्मीद दिख रही है। साल 2005 में दो बार बिहार विधानसभा के चुनाव हुए थे। पहले चुनाव में त्रिशंकू जनादेश आया था। तब चिराग पासवान के पिता रामविलास पासवान तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार में मंत्री थे। केंद्र सरकार में गठबंधन साझीदार होने के बावजूद एलजेपी ने बिहार चुनाव अकेले लड़ा और पार्टी 29 सीटें जीतकर किंगमेकर के तौर पर उभरी। तब आरजेडी 75 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी और 92 सीटों के साथ एनडीए सबसे बड़ा गठबंधन। कांग्रेस के 10, सपा के चार, एनसीपी के तीन और लेफ्ट के 11 विधायक थे। आरजेडी को कांग्रेस और इन छोटी पार्टियों के साथ ही केंद्र में गठबंधन सहयोगी एलजेपी के समर्थन से सरकार बना लेने का विश्वास था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। सत्ता की चाबी लेकर घूम रहे रामविलास पासवान ने तब मुस्लिम मुख्यमंत्री की मांग कर पेच फंसा दिया। नीतीश कुमार की अगुवाई में एनडीए ने सरकार बनाई, लेकिन अल्पमत की यह सरकार भी अधिक दिनों तक नहीं चल सकी। नीतीश को कुर्सी छोड़नी पड़ी और उसी साल अक्टूबर में दोबार चुनाव हुए। 2005 के दूसरे चुनाव में एलजेपी की सत्ता की चाबी खो गई और एनडीए ने पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाई। इन चुनावों में क्या चिराग भी अपनी पार्टी के लिए सत्ता की चाबी खोज रहे हैं? चिराग पासवान के हालिया रुख के बाद 2020 के बिहार चुनाव की यादें ताजा हो आई हैं। तब चिराग पासवान अपने पिता की बनाई पार्टी एलजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हुआ करते थे। चिराग की पार्टी तब 30 सीट की मांग कर रही थी। बात नहीं बनी तो चिराग की पार्टी ने अकेले मैदान में उतरने का ऐलान कर दिया। चिराग ने 137 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे, खासकर उन सीटों पर जहां जेडीयू चुनाव लड़ रही थी। लेकिन बात 20 साल पुरानी कहानी की भी हो रही है। चिराग की पार्टी ने जब 2020 में एकला चलो की राह पकड़ी थी, तब भी वही पार्टी के अध्यक्ष थे। तब पार्टी एनडीए में भी थी। हालांकि, चिराग तब केंद्र में मंत्री नहीं थे। 20 साल पहले भी कुछ ऐसा ही हुआ था। तब चिराग के पिता रामविलास पासवान केंद्र सरकार में मंत्री थे। केंद्र में यूपीए की सरकार थी और जब बिहार चुनाव की बारी आई, एलजेपी ने अकेले चुनाव लड़ा। केंद्र की सरकार में साथ होते हुए भी रामविलास पासवान का समर्थन आरजेडी को नहीं मिल पाया और पार्टी सत्ता से ऐसी चूकी कि नीतीश के बगैर सत्ता का स्वाद चखने की स्थिति में कभी आ नहीं पाई। क्या चिराग इस बार एनडीए के लिए वही कहानी दोहरा पाएंगे? चिराग ने यह भी कहा कि उनके चुनाव लड़ने से बिहार में एनडीए को फायदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह फैसला सिर्फ व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का नहीं है, बल्कि पार्टी और NDA गठबंधन की रणनीति का हिस्सा है।लेकिन तीन बार के सांसद और मंत्री चिराग पासवान अब विधायक क्यों बनना चाहते हैं। क्या उनका मकसद सिर्फ विधायक बनने तक सीमित है या इसका

मासूमियत की चीखें और हमारी चुप्पी: कब टूटेगा ये सन्नाटा ?

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

दुनिया तब तक निर्दोष नहीं कहलाएगी, जब तक किसी मासूम बच्चे की चीखें अंधेरे में गूंजती रहें और समाज चुपचाप आंखें फेर ले। बाल यातना और अवैध तस्करी हमारे समय का सबसे घृणित अपराध है, जो मानवता के माथे पर काले धब्बे की तरह उभरता है। क्या हम उस दुनिया का हिस्सा बनना चाहते हैं, जहां बच्चों की मासूम हंसी डर की सिसकियों में बदल जाए? जहां उनके सपनों के नन्हें कदमों को जंजीरों में जकड़ दिया जाए? 4 जून, बाल यातना एवं अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस, हमें यही सवाल पूछता है और एक जवाब की मांग करता है — न केवल शब्दों में, बल्कि कर्मों में। आज विश्व भर में लाखों बच्चे शोषण, दमन और यातना का शिकार हो रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के 2020 के अनुमान के अनुसार, विश्व में लगभग 16 करोड़ बच्चे बाल श्रम में फंसे हैं, और लाखों बच्चे तस्करी का शिकार होकर यौन शोषण, जबरन मजदूरी, सशस्त्र संघर्षों में सैनिक बनने, या घरेलू दासता जैसे अमानवीय हालातों में जीने को मजबूर हैं। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट बताती है कि हर साल करीब 12 लाख बच्चे मानव तस्करी का शिकार बनते हैं, जिनमें से अधिकांश लड़कियां यौन शोषण के लिए तस्करी की जाती हैं। ये आंकड़े केवल संख्या नहीं, बल्कि उन मासूमों की चीखें हैं, जिनका बचपन छीन लिया गया है। ये बच्चे न केवल अपने अधिकारों से वंचित हैं, बल्कि उनकी पहचान, स्वतंत्रता और भविष्य भी कुचल दिए गए हैं। यह अपराध इतना कपटपूर्ण है कि यह अक्सर 'अदृश्य' रहता है। तस्कर संगठित गिरोहों के रूप में काम करते हैं, जो गरीबी, अशिक्षा और सामाजिक उदासीनता का फायदा उठाते हैं। भारत जैसे देश में, जहां सामाजिक-आर्थिक असमानता और जागरूकता की कमी व्यापक है, यह समस्या और भी गहरी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के 2022 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल हजारों बच्चे लापता हो जाते हैं, जिनमें से कई तस्करी के शिकार बनते हैं। कई बार माता-पिता, बेहतर भविष्य के वादे में धोखा खाकर, अपने बच्चों को दलालों के हवाले कर देते हैं। फिर वे बच्चे कभी वापस नहीं लौटते — सिवाय किसी अखबार के छोटे से कॉलम या पुलिस रिकॉर्ड की ठंडी फाइलों में। बाल तस्करी और यातना का यह घिनौना धंधा केवल कुछ अपराधियों तक सीमित नहीं है; यह एक वैश्विक तंत्र है, जो सीमाओं, संस्कृतियों और समाजों को लांघता है। यह अपराध हमारे आसपास, हमारे शहरों, गांवों और गलियों में पनपता है। गरीबी और बेरोजगारी इसकी जड़ें मजबूत करते हैं, जबकि अज्ञानता और उदासीनता इसे पनपने का मौका देती हैं। फिर भी, समाज का एक बड़ा हिस्सा इसे 'दूर की समस्या' मानकर चुप रहता है। लेकिन सच यह है कि जब तक हम इस सच को स्वीकार नहीं करते कि यह हमारी साझा जिम्मेदारी है, तब तक यह अंधेरा हमारी सभ्यता को निगलता रहेगा। इसके खिलाफ लड़ाई केवल कानूनों तक सीमित नहीं हो सकती। भारत में प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस (पॉक्सो) एक्ट, जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, और मानव तस्करी निवारण अधिनियम जैसे कानून मौजूद हैं, लेकिन इनका प्रभावी कार्यान्वयन अभी भी एक चुनौती है। कानून तभी सार्थक होते हैं, जब समाज उनकी भावना को अपनाए। इसके लिए हमें एक जागरूक, संवेदनशील और सक्रिय समाज की जरूरत है। हर स्कूल, हर पंचायत, हर मोहल्ले में यह संदेश गूंजना चाहिए कि कोई भी बच्चा बिकाऊ नहीं है। शिक्षा और जागरूकता इस लड़ाई का सबसे मजबूत हथियार हैं। जब हर व्यक्ति यह समझ लेगा कि बच्चों का शोषण केवल एक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के खिलाफ जंग है, तभी इसकी जड़ें कमजोर होंगी। आज के डिजिटल युग में बाल तस्करी ने नए रूप ले लिए हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया बच्चों को फंसाने का बड़ा जरिया बन गए हैं। साइबर अपराधी मासूमों को झूठे वादों, दोस्ती के जाल, या डराने-धमकाने के जरिए फंसाते हैं। यूनाइटेड नेशंस की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, ऑनलाइन बाल शोषण की घटनाएं पिछले एक दशक में दोगुनी हो गई हैं। ऐसे में साइबर निगरानी को मजबूत करना और अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखने के लिए शिक्षित करना जरूरी है। साथ ही, तकनीक का सकारात्मक उपयोग, जैसे कि लापता बच्चों की तलाश में डेटाबेस और ट्रैकिंग सिस्टम, इस लड़ाई में मददगार हो सकता है। इसके अलावा, जो बच्चे तस्करी और यातना का शिकार हो चुके हैं, उन्हें समाज में दोबारा स्थापित करने की जरूरत है। गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और सामाजिक संस्थाओं को मनोवैज्ञानिक सहायता, शिक्षा और पुनर्वास के अवसर प्रदान करने चाहिए। भारत में 'बचपन बचाओ आंदोलन' जैसे संगठन इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रहे हैं, लेकिन उनकी पहुंच सीमित है। सरकार, समाज और निजी क्षेत्र को मिलकर एक ऐसा तंत्र बनाना होगा, जो हर पीड़ित बच्चे तक पहुंच सके।

पनीर की पीड़ा

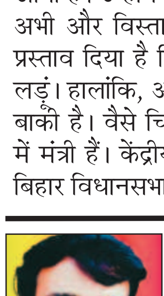

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

हमारे मोहल्ले में एक पंडित जी रहते हैं—नाम नहीं लूँगा, क्योंकि नाम लेते ही वे आ जाते हैं और फिर कम से कम दो घंटे तक प्रवचन देते हैं कि "ब्रह्मांड की उत्पत्ति कैसे हुई और उसमें पनीर का क्या योगदान है।" पंडित जी ने अब प्रवचन देना बंद कर दिया है, अब वे पनीर ज्ञान बाँटते हैं। कहते हैं-"पनीर एक तत्व है, जैसे पंचतत्व-जल, अग्नि, वायु, आकाश और पनीर।" एक दिन बोले, "पनीर सबमें है, तुझमें है, मुझमें है, हरजीत की चाट में है, शर्मा जी के टिफिन में है। जो पनीर को पहचान गया, वह आत्मा को पहचान गया।" मैंने कहा-"पंडित जी, आत्मा तो कब की निकल चुकी है, अब पेट में गैस है। वो भी पनीर से।" पंडित जी ने गुस्से से देखा, फिर बोले-"इस अधम को भूतल पर पनीर की कृपा नहीं चाहिए।" अब उनकी कृपा से मोहल्ले में एक नया मंदिर बन रहा है-"श्री श्री पनीरेश्वर धाम"। वहाँ हर मंगलवार को "शाही पनीर आरती" होती है।

बर्फी के बदले पनीर का प्रसाद बँटता है। एक बार मैंने मज़ाक में कह दिया कि "प्रसाद खट्टा था", तो मुझ पर "गौग्रास का अपमान" कहकर एफआईआर दर्ज हो गई। अब स्कूलों में भी यही हाल है। एक सरकारी स्कूल में निरीक्षण के दौरान शिक्षिका ने बताया-"हमने बच्चों को विविधता का पाठ पढ़ाया है।" मैंने पूछा-"कैसे?" उन्होंने जवाब दिया-"बच्चों को पनीर की पाँच रेसिपी याद करवाई है-पनीर दो प्याज़ा, मटर पनीर, पालक पनीर, कढ़ाई पनीर और शाही पनीर।" मैंने कहा-"अरे देवी, ये विविधता नहीं, एकता में एकता है!" शिक्षिका बोलीं-"सर, नया पाठ्यक्रम आया है, 'राष्ट्रीय व्यंजन-निर्माण योजना।' अब बच्चा रटता है-'सबका स्वाद, एक पनीर', जैसे पहले रटता था 'सबका साथ, सबका विकास।' एक बार एक बच्चा गलती से 'भिन्डी' लिख आया। पूरा स्कूल उठ खड़ा हुआ। उसकी कॉपी को गंगाजल से शुद्ध किया गया। बच्चे को समझाया गया-"ये देश का अपमान है। यहाँ पनीर बोलना ही देशभक्ति है।" अब स्कूल में झंडा फहराते समय राष्ट्रगान के बाद "पनीर वंदना" गाई जाती है-"पनीर तुंही महान, तेरे बिना न हो खान।"एक दिन मैं एक पुराने मित्र के घर गया। देखा तो उनकी पत्नी रसोई में रो रही थीं। मैंने पूछा-"क्या हुआ भाभीजी?" वे बोलीं-"हर दिन पनीर बना रही हूँ। अब तो हाथ कांपते हैं पनीर काटते-काटते। और सुनिए, वो तो हद कर दी इन साहब ने।" मैंने पूछा-"क्या?" बोलीं-"इन्होंने अपनी शादी की सालगिरह पर मुझे पनीर की साड़ी गिफ्ट की।" मैंने देखा, साड़ी पर छोटे-छोटे पनीर के टुकड़े प्रिंट थे, और बॉर्डर पर लिखा था-'पनीरलिशियस लव'। मैं स्तब्ध। उनकी बेटी आई, बोली-"चाचाजी, मेरा नाम अब 'पनीरिका' रख दिया है।

'थाउजेंड पिलर टेंपल'

तेलंगाना का सबसे फेमस है, घूमने के लिए दुनिया भर से आते है लोग

हैदराबाद का चारमीनार और वारंगल का थाउजेंड पिलर टेंपल ऐतिहासिक धरोहर हैं। काकतीय राजा रुद्रदेव द्वारा निर्मित इस मंदिर में 300 से अधिक खंभे हैं। 2021 में इसे यूनेस्को सूची में शामिल किया गया।

हैदराबादः यह शहर अपनी ऊंची इमारतों, हाई-टेक सिटी और ऐतिहासिक विरासत के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। हैदराबाद का चारमीनार, जिसे देखने के लिए दुनिया भर से लोग आते हैं, एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहर है। इसी तरह, हज़ार स्तंभ वाला मंदिर, जिसे थाउजेंड पिलर टेंपल कहते हैं, हैदराबाद से लगभग 150 किलोमीटर दूर वारंगल में स्थित है। यह मंदिर एक प्रमुख ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल के रूप में जाना जाता है।

इतिहास और आर्किटेक्चर

इतिहासकार एम। नायक के अनुसार यह मंदिर काकतीय वंश के शासनकाल (12वीं-14वीं शताब्दी) में काकतीय राजा रुद्रदेव द्वारा बनाया गया था। इस मंदिर का डिज़ाइन स्टार-शेप्ड है और इसमें 1000 स्तंभ नहीं, बल्कि 300 से अधिक खंभे हैं, जो इसे अनोखी संरचना देते हैं।

तीन देवताओं का मन्दिर

मंदिर परिसर में तीन मुख्य देवताओं के लिए अलग-अलग मंडप हैं। पहला मंडप भगवान शिव को समर्पित है, जहां उनके सामने नंदी महाराज विराजमान हैं। दूसरा मंडप भगवान विष्णु को समर्पित है और तीसरा मंडप सूर्य देव को समर्पित है। यहां हर दिन सैकड़ों भक्त पूजा करने आते हैं।

पर्यटक स्थल

यह मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में 2021 में शामिल किया गया था। हर साल हजारों पर्यटक और इतिहास प्रेमी इसकी विशाल नंदी मूर्ति, जटिल नक्काशी और शिल्पकला को देखने आते हैं।

कैसे पहुंचें ?आप हैदराबाद राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से वारंगल तक बस या ट्रेन से पहुंच सकते हैं। वारंगल रेलवे स्टेशन से मंदिर की दूरी लगभग 6 किमी है। आप हैदराबाद से तेलंगाना परिवहन की बस से भी आसानी से पहुंच सकते हैं।

खीर भवानी मेला आज, जानें मंदिर की खास बातें और चमत्कारी कुंड का रहस्य

पवित्र वार्षिक माता खीर भवानी मेले की आज यानी 3 जून से शुरुआत हो गई है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद कश्मीर में होने वाला यह सबसे बड़ा आयोजन है। हजारों श्रद्धालु, दूर-दराज से चलकर, खीर भवानी माता के मंदिर पहुंच रहे हैं और माता के दर्शन कर रहे हैं। यह मेला जम्मू-कश्मीर के तुलमुला गांव (गांदरबल ज़िला) में स्थित मां खीर भवानी के प्रसिद्ध मंदिर में आयोजित होता है। यह मेला न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, विशेषकर कश्मीरी पंडित समुदाय के लिए। आइए जानते हैं मंदिर के बारे में खास बातें और मंदिर में मौजूद चमत्कारी कुंड का रहस्य...

आतंकी खतरे के बाद भी श्रद्धालुओं का तांता

22 अप्रैल को पहलगाम में हुई आतंकवादी घटना के बाद बढ़े तनाव के बाद भी तीर्थयात्रियों का उत्साह पूरी तरह बना हुआ है और बड़ी संख्या में लोग दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे क्षेत्र में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी तीर्थयात्री को कोई समस्या ना हो। खीर भवानी मंदिर कश्मीरी पंडितों की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। कश्मीरी पंडितों के लिए यह मंदिर तीर्थ यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, और यह मेला उनके सामाजिक पुनर्मिलन का भी अवसर बनता है।

खीर भवानी मंदिर की खासियत

गंगा-झेलम की मिट्टी से गढ़ा यह मंदिर राग्न्या देवी यानी माता खीर भवानी को समर्पित है। यह शक्ति की एक रूप हैं और माता दुर्गा के अवतार मानी जाती हैं। 'राग्य' का अर्थ है 'अनुकंपा' या 'कृपा'। यह नाम दर्शाता है कि देवी विशेषतः संकट में पड़े भक्तों को सहजता से उबार लेती हैं। श्रद्धालु मंदिर में जाकर खीर (चावल और दूध की खीर) देवी को चढ़ाते हैं इसलिए देवी का नाम खीर भवानी पड़ा। महिलाएं विशेष रूप से रक्तचंदन और चांदी की चुड़ियां अर्पित करती हैं। पूजा के दौरान विशेष मंत्रों का उच्चारण किया जाता है। दुर्गा सप्तशती, कात्यायनी स्तोत्र, और चामुंडा स्तुति इस स्थान पर प्रभावी मानी जाती हैं।

खीर भवानी मंदिर में चमत्कारी कुंड

श्रद्धालु यहां 'सात रंगों वाले जलकुंड' के दर्शन भी करने आते हैं और मंदिर भी इस चमत्कारी झरनेनुमा कुंड के ऊपर बना है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब-जब कश्मीर पर संकट आया, कुंड का रंग बदला। 1990 में जब कश्मीरी पंडितों को पलायन करना पड़ा, तब इस जलकुंड का रंग गहरा काला हो गया था और आज जब उम्मीदें लौट रही हैं, तब पानी हल्का नीला दिख रहा है।

कश्मीरियत की जिंदा मिसाल

यह मेला सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि घाटी में साम्प्रदायिक सौहार्द का प्रतीक भी है। हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग यहां सेवा में लगे होते हैं। स्थानीय मुस्लिम भाई श्रद्धालुओं के लिए लंगर बनाते हैं, पानी की व्यवस्था करते हैं और यह भावनात्मक एकता आंखें नम कर देती हैं।

मेला क्यों है इतना खास ?

हर साल ज्येष्ठ मास की अष्टमी तिथि को खीर भवानी का मेला शुरू होता है। मंदिर की सजावट, भजन-कीर्तन, पारंपरिक ड्रेस में लोग और मंदिर के बाहर लगे छोटे-छोटे स्टॉल... सब कुछ मिलकर इसे एक जीवंत अनुभव बना देता है। इस बार, सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच श्रद्धालुओं की संख्या पहले से कहीं ज़्यादा देखी जा रही है।

3 दिन बाद होगा बुध का गोचर, इन 4 राशिवालों की लगेगी लॉटरी !

मिथुन राशि में बुध का गोचर 6 जून को सुबह 9 बजकर 29 मिनट पर होगा। बुध मिथुन राशि में 22 जून तक रहेगा। बुध के गोचर से 4 राशिवालों को विशेष लाभ होगा। ज्योतिषाचार्य डॉ। मृत्युञ्जय तिवारी बता रहे हैं कि बुध गोचर का शुभ प्रभाव किन 5 राशियों पर होगा?

ग्रहों के राजकुमार बुध का राशि परिवर्तन 3 दिन बाद होने वाला है। 6 जून शुक्रवार को सुबह 9 बजकर 29 मिनट पर बुध का गोचर मिथुन राशि में होगा। बुध मिथुन राशि में 16 दिनों तक रहेगा। 22 जून रविवार को रात 9 बजकर 33 मिनट तक बुध मिथुन राशि में होगा, उसके बाद वह मिथुन से निकलकर कर्क राशि में प्रवेश करेगा। मिथुन में बुध का गोचर सभी राशियों पर प्रभाव डालेगा, लेकिन 4 राशि के लोगों को विशेष लाभ देने वाला है।

मिथुन में बुध गोचर का राशियों पर शुभ प्रभाव 2025

वृषभः बुध का गोचर वृषभ राशि के जातकों के लिए लॉटरी लगने जैसा है। बुध के शुभ प्रभाव के कारण आपकी राशि के लोगों की आमदनी बढ़ सकती है, आपके लिए धन आगमन का शुभ संकेत है। 6 जून से 22 जून तक आपको किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं, उनको खुशखबरी मिलेगी। व्यापारी वर्ग के लिए लाभ की स्थितियां बन रही हैं, मुनाफा कमाने में सफल होंगे।

मिथुन में बुध गोचर का राशियों पर शुभ प्रभाव 2025

सिंहः बुध का राशि परिवर्तन सिंह राशि के लोगों के आर्थिक पक्ष को मजबूत करने वाला होगा। बुध के शुभ प्रभाव से आपके पास धन आएगा। आमदनी बढ़ने से वित्तीय स्थिति में सुधार होगा। आप पहले से अधिक धन बचत करने में सफल हो सकते हैं। इस समय आपकी सेहत अच्छी रहेगी। कुल मिलाकर बुध का गोचर आपके लि शुभ फलदायी होने की उम्मीद है।

मकरः बुध का गोचर मकर राशि के नौकरीपेशा लोगों के लिए शानदार हो सकता है। इस समय में आपको प्रमोशन मिल सकता है या कोई बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है, इससे आपके पद और प्रभाव में वृद्धि होगी। आप अपनी इनकम को बढ़ाने के लिए आय के नए स्रोत विकसित कर सकते हैं। 6 जून से आपके रूके हुए काम सफल होने लगेंगे क्योंकि उसके बाद से समय अनुकूल होने लगेगा। आप पर भाग्य मेहरबान रहेगा। बिजनेस के लिए भी यह समय बहुत अच्छा हो सकता है।

4।मीनः मिथुन में बुध के गोचर से मीन राशि के लोगों को लाभ होगा। यह समय करियर में लंबी छलांग लगाने में मदद करेगा। आपको कोई मौका हाथ से जाने नहीं देना चाहिए। मौके का सही उपयोग करेंगे तो जीवन में बड़ा बदलाव करने में सफल हो सकते हैं। नए अवसर आपकी प्रातीक्षा कर रहे हैं। जो लोग पार्टनरशिप में काम करते हैं, उनके लिए भी समय अच्छा रहेगा। बिजनेस करने वालों को निवेश मिल सकता है, पार्टनरशिप का प्रस्ताव मिल सकता है, इससे काम का विस्तार होगा और आप धन कमाने में सफल होंगे।

धृतराष्ट्र जन्म से अंधे क्यों थे ?

मां के गर्भ धारण के समय घटी ऐसी घटना, पिता ने कर दी पहले ही भविष्यवाणी

महाभारत में हस्तिनापुर के महाराजा धृतराष्ट्र जन्म से अंधे थे, लेकिन उनके भाई पांडु और दासी पुत्र विदुर के साथ ऐसा नहीं था, जबकि तीनों के पिता एक ही थे, माताएं अलग-अलग थीं। दरअसल जब धृतराष्ट्र का जन्म हुआ था, उससे पहले ही उनके पिता ने भविष्यवाणी कर दी थी कि वे अंधे पैदा होंगे। इसका कारण था उनकी माता के गर्भ धारण के समय की ऐसी घटना, जो धृतराष्ट्र के नेत्रहीन होने की वजह बन गई। आइए जानते हैं महाभारत की इस घटना के बारे में।

कौन थीं धृतराष्ट्र की माता ?

धृतराष्ट्र की माता का नाम अंबिका था। उनकी सास सत्यवती की इच्छा पर अंबिका ने अपने देवर महर्षि व्यास से नियोग विधि से धृतराष्ट्र को जन्म दिया था। उस समय में पति के न होने पर नियोग विधि से संतान उत्पत्ति की अनुमति थी। यह केवल संतान उत्पत्ति के लिए ही किया जाता था।

गर्भ धारण के समय डर गई अंबिका

महाभारत के अनुसार, सत्यवती ने अंबिका को बताया था कि उनके देवर महर्षि व्यास महल में आएंगे। बताए गए समय पर महर्षि व्यास अंबिका के महल में गए। उस समय महर्षि व्यास के शरीर पर घी चुपड़ा हुआ था, उनका चित्त संयमित था। उस समय महल में अनेकों दीपक जगमगा रहे थे। बड़ी बड़ी जटाओं वाले महर्षि व्यास जी काले रंग के थे। आंखें चमक रही थीं और दाढ़ी-मूंछ भूरे रंग की थी। महर्षि व्यास जी जब नियोग के लिए अंबिका के पास गए तो उनको देखकर वह डर गईं। उन्होंने अपनी दोनों आंखें बंद कर ली। माता की आज्ञा पर महर्षि व्यास ने अंबिका के साथ समागम किया, लेकिन डर के मारे अंबिका ने महर्षि व्यास जी के तरफ अच्छे से देखा नहीं।

महर्षि व्यास ने कर दी थी धृतराष्ट्र के अंधे होने की भविष्यवाणी

अंबिका से समागम के बाद जब महर्षि व्यास जी महल से निकले तो सत्यवती ने संतान के बारे में जानना चाहा। तब महर्षि व्यास ने कहा कि मां !

वह बालक 10 हजार हाथियों के समान बलवान होगा। वह विद्वान, बलशाली, राजर्षियों में श्रेष्ठ, सौभाग्यशाली, महापराक्रमी और बुद्धिमान होगा। उसके भी 100 पुत्र होंगे। लेकिन अपनी मातां अंबिका के दोष के कारण वह बालक अंधा ही होगा।

महर्षि व्यास की यह भविष्यवाणी सच हो गई। जब धृतराष्ट्र का जन्म हुआ तो वे नेत्रहीन थे। समागम के समय माता अंबिका के आंख बंद कर लेने की वजह से धृतराष्ट्र जन्म से अंधे हो गए।

फिर हुआ पांडु और विदुर का जन्म

महर्षि व्यास ने बताया कि बालक अंधा होगा तो सत्यवती ने कहा कि कुरुवंश के लिए दूसरा राजा दो। जो समस्त कुल का संरक्षक और कुल बढ़ाने वाला हो। धृतराष्ट्र के जन्म के बाद सत्यवती ने महर्षि व्यास से कहा कि वे पुत्रवधु अंबालिका के साथ समागम करें। उनके आग्रह पर महर्षि व्यास उनके महल में गए। अंबालिका भी महर्षि व्यास को देखकर कांतिहीन और पांडुवर्ण यानी पीले रंग की हो गईं।

आत्म संतुष्टि तब मिलती है, जब व्यक्ति मन वचन और कर्म से पवित्र हो जाता है

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए हम अपने परिवार के लोगों को कैसे लाभ पहुंचा सकते हैं ?

आत्म संतुष्टि तब मिलती है, जब व्यक्ति मन, कर्म और वचन से पवित्र हो जाता है। जब व्यक्ति के विचारों में, चिंतन में पवित्रता आती है, जब उसका आचरण पारदर्शी हो जाता है, तब वह संतुष्ट रहता है और दूसरों को भी लाभ पहुंचा पाता है। जीवन की सफलता इसमें है कि आप कितने लोगों को लाभ पहुंचा रहे हैं।

शिक्षा या संस्कार, कौन है असली सफलता का राज़ ?

'शिक्षा' और 'संस्कार' सबसे कीमती उपहार शिक्षा तथा संस्कार मनुष्य जीवन के सबसे कीमती उपहार हैं। शिक्षा व्यक्ति के जीवन की दशा और दिशा दोनों बदल देती है। शिक्षा शब्द संस्कृत भाषा की शिक्ष धातु में 'अ' प्रत्यय लगाने से बना है, जिसका अर्थ है सीखना और सिखाना। शब्द का अर्थ है शुद्धिकरण अथवा सुधार। शिक्षा और संस्कार दोनों जीव के मूल मंत्र हैं परंतु संस्कार जीवन का सार हैं।अच्छे संस्कारों द्वारा ही मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण होता है और जब मनुष्य में शिक्षा और संस्कार दोनों का विकास होगा, तभी वह परिवार समाज और देश का विकास कर सकेगा। शिक्षा कभी झुकने नहीं देती और संस्कार कभी नजरों से गिरने नहीं देते। यदि अच्छी शिक्षा और संस्कार एवं अच्छी संगति मिल जाए तो जीवन निखर जाता है।ठीक इसके विपरीत यदि एक की भी कमी रह जाए तो जीवन बिखर जाता है। यदि बच्चे को उपहार न दिया जाए तो वह केवल थोड़ी देर रोता है लेकिन यदि संस्कार न दिए जाएं तो वह जीवन भर रोएगा। आज शिक्षा केंद्र सुलभ हो गए हैं, परंतु संस्कार दुर्लभ हैं। शिक्षा सस्ती हो गई है। आप कहीं से भी, घर बैठे भी ग्रहण कर सकते हैं, परंतु संस्कार यदि घर और विद्यालय से नहीं मिले तो कहीं भी न मिल पाएंगे।

मां-बाप की आज्ञा का पालन न करना, अभद्र व्यवहार तथा अहंकार विश्व परिस्थिति बन गए हैं। यदि हम सोचते हैं कि बड़े-बड़े महंगे स्कूलों में डाल कर हम अपने बच्चों को संस्कारी और शिक्षित बना रहे हैं तो हम गलत हैं। शिक्षा और संस्कार दोनों ही आवश्यक हैं।

माता-पिता भले ही अनपढ़ क्यों न हों, लेकिन अपने बच्चों को शिक्षा और संस्कार देने की जो क्षमता उनमें है, वह दुनिया के किसी भी स्कूल में नहीं है।

शिक्षा हमें धन-दौलत और प्रसिद्धि दिलाती है, परंतु उस धन-दौलत और प्रसिद्धि को चार चांद लगा देते हैं-संस्कार। किसी ने कहा भी है कि जिस स्थान पर पेड़ पौधे और पानी होता है, वहां हरियाली अपने आप आ जाती है। उसी तरह जहां अच्छी शिक्षा और संस्कार होते हैं वहां सफलता आपके कदम चूमती है।आज माता-पिता और शिक्षकों के लिए यह महत्ती आवश्यक है कि वे बच्चों में सच्चाई, ईमानदारी और सेवा और सहायता जैसे गुणों को विकसित करें। एक सफल डॉक्टर, इंजीनियर या शिक्षक से कई गुणा अच्छा एक अनपढ़ व्यक्ति है, जो किसी बुजुर्ग को अपनी सीट दे देता है, किसी असहाय की सहायता करता है।

मनुष्य अपने जीवन में जो डिग्री हासिल करता है, वह कागज का टुकड़ा मात्र होता है जबकि उसकी असली डिग्री उसके संस्कार होते हैं, जो व्यवहार में झलकते हैं। आज का विद्यार्थी भौतिकवादी प्रवृत्ति का बन चुका है। वह पढ़ाई केवल इसलिए करता है, ताकि आने वाले समय में अपने जीवन में कुछ पैसे कमा सके। संस्कार उसको बाजारी शिक्षा से नहीं बल्कि घर से मिलेंगे। बच्चों को संस्कारी बनाने के लिए पहले मां-बाप को संस्कारवान बनना आवश्यक है। यदि मां-बाप झूठ बोलते हैं, झगड़ा करते हैं, गाली-गलौच करते हैं तो बहुत संभावना है कि बच्चे भी ऐसा करेंगे इसलिए हमें भी अपने बच्चों के सामने आदर्श बनना होगा।

वर्तमान में माता-पिता अपने बच्चे को उसी कोचिंग सैंटर में दाखिला दिलवाते हैं जिसकी फीस सबसे अधिक होती है। उनके अनुसार विद्या के सबसे अच्छे मंदिर वही हैं। उन्हें मालूम नहीं है कि कोचिंग सैंटर से निकला बच्चा मोटी तनख्वाह तो हासिल कर लेगा, लेकिन वह संस्कार कहां से पाएगा जो घर में बुजुर्गों, दादा-दादी चाचा-चाची तथा आस-पड़ोस से मिलने थे।

किसी शायर के शब्दों में- जिस देश में बारिश न हो उसकी फसलें खराब हो जाती हैं और जिस देश में संस्कार न हों वहां की नस्लें खराब हो जाती हैं।

बच्चों की एकाग्रता बढ़ाने वाले वास्तु टिप्स जो बदल देंगे पढ़ाई का माहौल

वास्तु शास्त्र का खास संबंध हमारी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा हुआ है। वास्तु के नियमों का पालन करने से हम अपने जीवन को बेहतर और खुशहाल बना सकते हैं। आजकल आम देखा जाता है कि पेरेंट्स अपने बच्चे को पढ़ाई को लेकर बहुत चिंतित रहते हैं।

पढ़ाई के टेबल की दिशा सही रखें

वास्तु के अनुसार, पढ़ाई के दौरान बच्चे का मुख हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए। यह दिशा सकारात्मक ऊर्जा और ज्ञान से जुड़ी मानी जाती है, जिससे उनका मन पढ़ाई में लगा रहेगा।

किताबों और कापियों का ढेर न लगाएं

वास्तु शास्त्र के अनुसार, स्टडी टेबल पर जरूरत से ज्यादा किताबें, नोट्स और रैंडम चीजें न रखें। इससे दिमाग बिखराव महसूस करता है। जितना हो सके इस जगह को साफ-सुथरा रखने का प्रयास करें।

स्टडी रूम में मिरर न रखें

वास्तु के अनुसार, अक्सर लोग जाने-अनजाने में स्टडी रूम में आईना लगा देते हैं, लेकिन यह वास्तु के अनुसार पढ़ाई में बाधा डाल सकता है। शीशे से एनर्जी डिस्टर्ब होती है, हो सके तो इसे तुरंत अपने स्टडी रूम से हटा दें।

पढ़ाई का समय तय करें

वास्तु शास्त्र के अनुसार, हर दिन पढ़ाई के लिए एक निश्चित समय तय करके रखना चाहिए। ऐसा करने से बच्चा मानसिक रूप से खुद को अनुशासित महसूस करता है और उसका आत्मविश्वास बढ़ता है।

खुशी की जान्हवी के कथित बॉयफ्रेंड संग तस्वीरें वायरल

ओरी बॉलीवुड के ज्यादातर सेलेब्स किड्स के पसंदीदा हैं। यही वजह है कि अक्सर ओरी अपने सोशल मीडिया पर सेलेब्स के साथ कई तस्वीरें और वीडियो शेयर करते रहते हैं। खासकर ओरी नीसा देवगन, जान्हवी कपूर, खुशी कपूर के अलावा भी कई बॉलीवुड स्टार किड्स के बेहद करीब हैं। आज उन्होंने खुशी कपूर, बोनी कपूर और जान्हवी कपूर के रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया संग कई तस्वीरें और एक शानदार वीडियो शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है।

ओरी ने शेयर कीं शानदार तस्वीरें

ओरी इन दिनों स्पेन में वेकेशन मना रहे हैं। वहां पर उनके साथ खुशी कपूर, बोनी कपूर और जान्हवी के कथित बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया भी नजर आए। ओरी ने कई शानदार तस्वीरों को शेयर किया और कैप्शन में लिखा, 'तुमने मुझे नौकरी करने को कहा था फिर तुम पूछते हो कि मैं कहां था?'।

तस्वीरों पर सेलेब्स ने किए मजेदार कमेंट्स

ओरी की इस पोस्ट पर कई सेलेब्स ने मजेदार कमेंट कर अपनी राय शेयर की है। मोहब्बतें फिल्म की एक्ट्रेस किम शर्मा ने लिखा, 'कैप्शन', खुशी कपूर ने लिखा, 'लव फ्लान', वेदांत महाजन ने फायर इमोजी बनाई है। वहीं ओरी के कई फैंस ने इन लाजवाब तस्वीरों पर फायर और लाल दिल वाले इमोजी बरसाए हैं।

बोनी का वीडियो हुआ वायरल

ओरी ने बोनी कपूर का भी एक शानदार वीडियो स्पेन से शेयर किया है, जिसमें वह भागड़ा करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को ओरी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, 'जैडी'। इस वीडियो में बोनी के साथ शिखर भी डांस करते नजर आ रहे हैं और खुशी उनका वीडियो बनाती नजर आ रही हैं। इस वीडियो को जान्हवी कपूर ने लाइक भी किया है।

बोनी के वीडियो पर फैंस के कमेंट्स

बोनी के इस डांस वीडियो पर कई फैंस ने जमकर कमेंट कर अपनी राय शेयर की है। एक फैन ने लिखा, 'दोस्तों के साथ पूरा आनंद लें', एक और फैन ने लिखा, जल्द ही उन्हें ओरी कपूर कहा जाएगा'', एक और फैन ने लिखा, 'बोनी जी पंजाबी डांसर की तरह..ओय बल्ले बल्ले', एक और फैन ने लिखा, 'बोनी कपूर ने सबको चौंकाया', एक और फैन ने लिखा, 'सुपर प्यारा।'

सलमान-अक्षय संग दी हिट फिल्में, अरबपति बिजनेसमैन से की शादी, इंडस्ट्री से लिया संन्यास

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस रहीं ये हसीना 10 साल से फिल्मी दुनिया से दूर हैं जो एक्टिंग के अलावा प्लेन उड़ाने में भी माहिर हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी ज्यादा एक्टिव नहीं हैं। वह फिल्म इंडस्ट्री को अलविदा कहने के बाद आज तक किसी सेलिब्रेट की पार्टी में नहीं दिखीं।

शादी के बाद एक्ट्रेस ने लिया फिल्मों से संन्यास

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान, आमिर खान और अक्षय कुमार के साथ कई हिट फिल्म दे चुकीं ये हीरोइन साउथ में भी अपनी एक्टिंग से तहलका मचा चुकी हैं। ये हसीना एक बेटी की मां होने के बाद भी 39 की उम्र में भी बेहद खूबसूरत और फिट दिखती हैं। 'गजनी' और 'रेडी' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर इस एक्ट्रेस का नाम असिन है, जिन्होंने 2016 में अरबपति बिजनेसमैन राहुल शर्मा से शादी की और अभिनय से संन्यास ले लिया। हालांकि, एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर कभी-कभार अपनी लाइफ से जुड़ी अपडेट शेयर करती रहती हैं। लेकिन, वह अब चकाचौंध की दुनिया से पूरी तरह से गायब हो चुकी हैं। इतना ही नहीं वह न तो किसी सेलिब्रेट की पार्टी में नजर आती हैं और न ही किसी फिल्मी इवेंट में दि ख ती हैं।

शादी के बाद एक्ट्रेस ने लिया संन्यास

आसिन बीते 10 साल से फिल्मी दुनिया से गायब हैं। अपने करियर में 17 से ज्यादा अवॉर्ड जीतने वाली आसिन ने 25 से ज्यादा फिल्मों में अपना हुनर दिखाया है। इतना ही नहीं इनमें से अलग-अलग भाषा में बनी 12 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हैं। हालांकि, बीते 10 साल से आसिन फिल्मी पर्दे से दूर हैं। आसिन आखिरी बार 2015 में फिल्म 'ऑल इज वैल' में नजर आईं थीं। 10 साल से फिल्मों से दूर रह रही आसिन सोशल मीडिया पर भी 30 अक्टूबर, 2024 के बाद से गायब है। सबसे खास बात ये है कि असिन की कोई भी फिल्म फ्लॉप साबित नहीं हुई है।

एक्ट्रेस ने अपने करियर में नहीं दी एक भी फ्लॉप

असिन ने अपने फिल्मी करियर में बैक-टू-बैक सुपरहिट फिल्में दी है, जिसमें 'खिलाड़ी 786', 'रेडी', 'हाउसफुल 2' शामिल हैं। 2016 में राहुल शर्मा से शादी करने के बाद एक्ट्रेस ने साल 2017 में अपनी बेबी गर्ल का स्वागत किया।

असिन के पति राहुल माइक्रोमैक्स के फाउंडर हैं। फिल्मी दुनिया से दूर असिन राहुक शर्मा के साथ खुशहाल जिंदगी बिता रही हैं। आसिन ने साउथ फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद आसिन ने बॉलीवुड में तहलका मचा दिया।

सूरज पंचोली ने सलमान खान के घर के बारे में खोले कई राज, कहा- कभी इस्तेमाल नहीं होता ताला

हाल ही में अभिनेता सूरज पंचोली अपनी फिल्म 'केसरी वीर' को लेकर चर्चा में रहे हैं। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा कमाल नहीं कर पाई है। एक बार फिर सूरज पंचोली सलमान खान के घर के बारे में बात करने को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में सलमान खान के आवास में एक महिला घुस गई थी। इसके बाद सूरज पंचोली ने सलमान खान के घर को लेकर कई राज खोले हैं। आइए

इनके बारे में जानते हैं।

हमेशा खुला रहता है सलमान खान का घर

हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड से बातचीत में सूरज पंचोली ने बताया कि सलमान खान के घर का माहौल कैसा है। उन्होंने कहा 'पहले उनका घर हमेशा खुला रहता था। दरवाजे पर ताला लगा रहता था लेकिन उसका कभी इस्तेमाल नहीं होता था। अगर आप उनका खाना खाना चाहें या उनका फ्रिज खोलकर कुछ लेना चाहें, तो कोई आपको नहीं रोकता। यहां तक कि अगर आप उनका प्रोटीन शेक या विटामिन लेना चाहें, तो भी कोई मना नहीं करता है।'

सूरज पंचोली ने सलमान खान के मेहमानों के बारे में बात करते हुए कहा 'कई बार ऐसा हुआ कि वह सुबह उठते, किसी को वहां देखते और बस इतना कहते, ओह, तुम यहां हो, तुमने खाना खाया और फिर चुपचाप बिना किसी को परेशान किए अपने काम में लग जाते। उनका घर वाकई काफी छोटा है।'

सूरज पंचोली ने सलमान खान की उदारता के बारे में कहा 'कई लोगों ने यह कहा है और यह सच है कि जब उनका (सलमान खान) लंच या डिनर अरेंज किया जाता है, तो यह केवल उनके लिए नहीं बल्कि पूरी यूनिट के लिए होता है। यह सब उनके घर से आता है और बहुत कम लोग जानते हैं कि उनका खाना सभी के लिए है, आप बस अंदर आ सकते हैं, प्लेट उठा सकते हैं और खा सकते हैं, किसी को भी मना नहीं किया जाता है।'

आपको बता दें सूरज पंचोली ने सलमान खान के घर के बारे में ऐसे मौके पर ये खुलासे किए हैं, जब हाल ही में सलमान खान के घर के परिसर में एक महिला घुस गई थी। इस महिला को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया गया था। महिला का कहना था कि वह सलमान खान को जानती है और उनसे मिलने के लिए आई थी।

इससे पहले अप्रैल 2024 में सलमान खान के घर के बाहर गोलियां चलाई गईं थीं। इसके बाद सलमान खान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई।

रेप केस में फंसे एजाज खान, लटकी गिरफ्तारी की तलवार

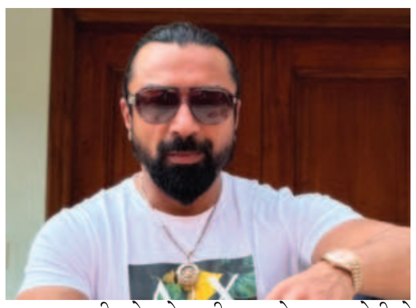

एजाज की ओर से वकील अशोक सराओगी ने दायर की गई याचिका में कहा गया है कि, “ये एफआईआर कानून के हिसाब से गलत और अवैध है, और किसी भी तरह से एजाज की पुलिस हिरासत की जरूरत नहीं है. इसलिए उन्हें अग्रिम जमानत मिलनी चाहिए.”

एक्टर एजाज खान ने बॉम्बे हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की है. यह अर्जी उस रेप केस के सिलसिले में है जो मुंबई के चारकोप पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ है. एक महिला ने एजाज पर आरोप लगाया है कि उन्होंने शादी का झांसा और अपने शो ‘हाउस अरेस्ट’ में रोल देने का वादा करके उसके साथ बलात्कार किया.

अग्रिम जमानत की याचिका

एजाज की ओर से वकील अशोक सराओगी ने दायर की गई याचिका में कहा गया है कि, “ये एफआईआर कानून के हिसाब से गलत और अवैध है, और किसी भी तरह से एजाज की पुलिस हिरासत की जरूरत नहीं है. इसलिए, उन्हें अग्रिम जमानत मिलनी चाहिए.” महिला की शिकायत के मुताबिक, एजाज ने उन्हें अपने शो में होस्ट का रोल देने के लिए बुलाया था. शूट के दौरान उन्होंने पहले शादी का प्रस्ताव दिया, फिर बाद में उनके घर गए और वहीं कथित तौर पर रेप किया.

एक्ट्रेस ने लगाए आरोप

शिकायतकर्ता, जो पेशे से एक्ट्रेस हैं, उनका कहना है कि 40 साल के एजाज ने एक सेलिब्रिटी और शो होस्ट होने का फायदा उठाकर उनके साथ रिश्ता बनाया. एफआईआर में ये भी आरोप है कि शादी का झूठा वादा, आर्थिक मदद और करियर में आगे बढ़ाने के वादे के बहाने एजाज ने कई बार उनके साथ जबरदस्ती संबंध बनाए, बिना उनकी मर्जी और दी गई अनुमति के.

शिकायत में साफ तौर पर कहा गया है कि 4 अप्रैल 2025 को दोपहर करीब 2:15 बजे एजाज ने उन्हें अपने जोगेश्वरी (वेस्ट) स्थित घर बुलाया और वहां उनका यौन शोषण किया. फिर 24 अप्रैल 2025 को दोपहर करीब 3:15 बजे वह पीड़िता के घर आए और शादी का वादा करके फिर से वैसा ही किया. महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने एजाज के खिलाफ केस दर्ज किया.

खारिज हो चुकी है एक अर्जी

इससे पहले डिंडोशी सेशंस कोर्ट ने एजाज की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी. उनके वकील ने कोर्ट में कहा था कि पीड़िता को पता था कि एजाज पहले से शादीशुदा हैं और दोनों के बीच रिश्ता सहमति से था.

हालांकि, कोर्ट ने माना कि पीड़िता बालिग है लेकिन कानून के अनुसार जो सहमति चाहिए, वो पूरी तरह से स्पष्ट और स्वेच्छा से दी गई नहीं लगती. जांच एजेंसी ने यह भी बताया कि आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और सबूत इकट्ठा करने (जैसे मेडिकल जांच, मोबाइल, व्हाट्सएप चैट्स, कॉल रिकॉर्डिंग्स, वॉयस सैंपल आदि) के लिए पुलिस हिरासत जरूरी है. अगर अग्रिम जमानत मिलती है तो आरोपी के सबूतों से छेड़छाड़ करने या गवाहों को प्रभावित करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता.

79 साल की हो चुकी एक्ट्रेस को इसलिए लगता है डर, बयां किया अपना दर्द

'पवित्र रिश्ता' टीवी सीरियल में सविता देशमुख का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री उषा नाडकर्णी इन दिनों मुश्किल में हैं। हाल ही में 'पवित्र रिश्ता' शो को 16 साल हुए। ऐसे मौके पर अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने अपने घर पर एक पार्टी रखी। इस पार्टी में उषा नाडकर्णी भी शामिल हुईं। यहां उन्होंने सीरियल से जुड़े अनुभव शेयर किया। इसके साथ ही अपना दर्द भी बयां किया है।

उषा ने बयां किया अपना दर्द

उषा नाडकर्णी के घर में कोई नहीं है। वह अपने घर में अकेले रहती हैं। ऐसे में उन्होंने कहा 'मैं अकेली रहती हूं ना, डर लगता है मैं गिरूंगी, किसी को मालूम भी नहीं पड़ेगा। मेरे भाई का पिछले साल 30 जून को निधन हो गया था। मुझे जब किसी चीज की जरूरत या परेशानी होती थी, वो तुरंत मेरे पास दौड़कर आता था। लेकिन अब मैं किसे बताउंगी अपनी चिंता के बारे में?'

बचपन से था अदाकारी का शौक

13 सितंबर 1946 को जन्मी उषा नाडकर्णी को बचपन से ही अभिनय का शौक था। वह अक्सर सार्वजनिक गणेश उत्सवों के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेती थीं। हालांकि, उनकी मां ने उनके अभिनय में करियर बनाने का विरोध किया। उन्होंने नौ साल तक बीएमसी में काम किया और फिर 25 साल तक बैंकर रहीं। इसके बाद अभिनय की दुनिया में आईं।

इन फिल्मों और सीरियल में किया काम

उन्होंने 'मुसाफिर', 'हफ्ता बंद', 'तू चोर मैं सिपाही', 'भूतनाथ रिटर्न्स' जैसी फिल्मों में काम किया। वह 'रिश्ते', 'थोड़ी सी जमीं थोड़ा सा आसमां', 'रिश्तों का मेला' और 'कैसे मुझे तुम मिल गए' जैसे टीवी सीरियल में नजर आईं।

उषा नाडकर्णी की निजी जिंदगी

साल 1970 में उषा नाडकर्णी की रविंद्र नाडकर्णी से शादी हुई थी। दोनों का रिश्ता

ज्यादा दिन नहीं चल सका। दोनों अलग हो गए। दोनों का एक बेटा है। उषा काम करती थीं। इसलिए उनके बेटे का ख्याल पहले उनकी मां ने रखा बाद में उनके भाई और भाभी ने।

धूम 4 में नए लुक में नजर आएंगे रणबीर कपूर फैंस बोले- अब मचेगी असली धूम

रणबीर कपूर फिल्म धूम 4 में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म में उनका लुक पूरी तरह से नया और अलग होगा, जिसकी तैयारी उन्होंने शुरू भी कर दी है। अब हालिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि धूम 4 अब तक की सभी धूम फिल्मों से बड़ी साबित होने वाली है और इसकी कहानी भी काफी एक्शन से भरपूर होगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, आदित्य चोपड़ा धूम 4 की कहानी और स्क्रीनप्ले श्रीधर राघवन के साथ मिलकर तैयार कर रहे हैं। वे फिलहाल ऐसी कहानी के ड्राफ्ट पर काम कर रहे हैं, जो इस रीबूट (किसी पुरानी फिल्म, सीरीज या फ्रेंचाइजी को नई शुरुआत देना) को लेकर दर्शकों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरे।

रिपोर्ट में रणबीर और उनके रोल के बारे में कहा कि रणबीर इस फिल्म के लिए बिल्कुल सही हैं। उनका रोल उनकी पर्सनैलिटी के हिसाब से बनाया गया है। नई धूम फिल्म की एक्शन और कहानी ऐसी होगी जो दुनिया के बेहतरीन एक्शन फिल्मों के स्तर पर खड़ी होगी। साथ ही इस फिल्म का अंदाज और दिखावट पहले की YRF स्पाई यूनिवर्स फिल्मों से पूरी तरह अलग होगा। वहीं, 2026 की गर्मियों से धूम 4 की शूटिंग शुरू करेंगे

फैंस ने जताई खुशी

इस अनाउंसमेंट के बाद यूजर्स के रिएक्शन भी सामने आने लगे हैं। कुछ ने फिल्म में रणबीर कपूर के होने पर खुशी जताई है, जबकि कुछ ने फिल्म में ऋतिक रोशन को कास्ट करने की मांग की है।

बताते चलें कि धूम फ्रेंचाइजी की 3 फिल्में, धूम, धूम 2 और धूम 3 रिलीज हो चुकी हैं। पहली फिल्म में अभिषेक बच्चन, जॉन अब्राहम, उदय चोपड़ा अहम किरदारों में थे, जबकि दूसरी फिल्म धूम 2 में अभिषेक बच्चन, ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय लीड रोल में थे। साल 2013 में रिलीज हुई धूम 3 में आमिर खान ने डबल रोल निभाया था, जबकि उनके साथ कटरीना कैफ भी थीं।

रणबीर कपूर के खाते में कई बड़ी फिल्में

आने वाले सालों में रणबीर कपूर कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। फिलहाल उनके पास नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही मेगाबजट फिल्म रामायण है, जिसमें वो भगवान श्री राम का रोल प्ले करेंगे।

इसके अलावा वो संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल पार्क में भी नजर आने वाले हैं। कुछ समय पहले ही रणबीर ने संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर साइन की है, जिसमें वो विक्की कौशल और आलिया भट्ट के साथ नजर आने वाले हैं। साथ में वो ब्रह्मास्त्र: पार्ट 2 देव में भी दिखेंगे।

'घाटी' फिल्म में बाहुबली एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी जल्द आयेगी नजर

फिल्म मेकर्स ने आज सोशल मीडिया पर फिल्म 'घाटी' का एक नया पोस्टर शेयर किया है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म की नई रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। जानिए कब देख सकेंगे बहुबली फेम एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी।

अनुष्का शेट्टी की फिल्म 'घाटी' के साथ बड़े पर्दे पर शानदार वापसी करने जा रही हैं। यह फिल्म कृष जगरलामुडी द्वारा निर्देशित है और अब 11 जुलाई 2025 को रिलीज होगी। पहले इस फिल्म को 18 अप्रैल 2025 में रिलीज किया जा रहा था। निर्माताओं ने नई रिलीज डेट की घोषणा के साथ एक शोनादार पोस्टर भी शेयर किया है, जो फिल्म के दमदार अंदाज को दर्शाता है। यह फिल्म पूरे भारत में रिलीज की जाएगी। इस पोस्टर में एक नदी में सभी स्टार्स किसी को सामने घूरते नजर आ रहे हैं, जैसे वह सभी किसी खास मिशन पर गए हों।

कब होगी रिलीज

फिल्म निर्माताओं ने आज इंस्टाग्राम पर फिल्म घाटी के नए पोस्टर के साथ इसकी नई रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''अपना सिंहासन हासिल करने और बॉक्स ऑफिस पर विजय पाने के लिए आ रही है

'घाटी' में अनुष्का एक साहसी और देहाती किरदार निभा रही हैं, जो एक मारिजुआना व्यापारी है। जो बाद में अपराध की दुनिया में उतरकर एक ताकतवर शख्सियत बन जाती है। फिल्म में बहुबली फेम अनुष्का शेट्टी के अलावा तमिल अभिनेता विक्रम प्रभु भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। यूवी क्रिएशन्स और फर्स्ट फ्रेम एंटरटेनमेंट्स द्वारा निर्मित इस फिल्म का संगीत विद्या सागर ने तैयार किया है।

फैंस के कमेंट्स

अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के नए पोस्टर को देखने और फिल्म की नई रिलीज डेट का पता लगने के बाद फैंस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं और साथ ही अनुष्का को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं। एक फैन ने लिखा, 'क्वीन वापस एक्शन में आ रही है', एक और फैन ने लिखा, 'आंध्र प्रदेश की ओर से पूरी टीम को शुभकामनाएं', एक और फैन ने लिखा, 'हे भगवान बहुत उत्साहित हूं।', एक और फैन ने लिखा, 'लेडी सुपर स्टार वापस एक्शन में है।'

लोगों के बीच बढ़ रहा बेबीमून का ट्रेंड

शादी के बाद हनीमून का चलन काफी तेजी से बढ़ा है। लोग अपने पार्टनर संग वक्त बिताने, एक दूसरे को समझने और शादी -समारोह की थकावट दूर करने के लिए घूमने जाते हैं जिसे हनीमून कहते हैं लेकिन अब एक नया ट्रेंड भी कपल के बीच काफी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसका नाम है बेबीमून।

बेबीमून शब्द बेबी और हनीमून का मिश्रण है। इसका मतलब है बच्चे के जन्म से पहले माता-पिता द्वारा एक छोटा सा ट्रिप या छुट्टियां बिताना। यह कपल के लिए दूसरे हनीमून की तरह ही होता है लेकिन डिलीवरी से पहले कपल के लिए सेलिब्रेशन का एक खास मौका होता है। इस दौरान महिला को आरामदायक और रोमांटिक माहौल देकर उसे खास महसूस कराया जाता है। बेबीमून कपल के लिए एक खूबसूरत अनुभव है जो माता पिता बनने के उनके भावनात्मक सफर को और खास बना देता है।

क्या है बेबीमून?

बेबीमून एक ऐसी छुट्टी होती है जिसे कपल्स बच्चे के आने से पहले रिलैक्स करने, एक-दूसरे के साथ अकेले खास वक्त बिताने और आने वाले जीवन में बदलावों के लिए मानसिक रूप से तैयार होने के लिए लेते हैं। यह बच्चे के जन्म से पहले कपल का सेकेंड हनीमून जैसा होता है।

क्यों बढ़ रही बेबीमून की लोकप्रियता?

बेबीमून व्यस्त और कामकाजी जीवन से ब्रेक का मौका देता है। आजकल की जीवनशैली में लोग हर वक्त व्यस्त रहते हैं। ऐसे में बेबीमून कपल के लिए एक ब्रेक की तरह होता है।

इस छुट्टियों में आप माता-पिता बनने की तैयारी कर सकते हैं। यह वह समय होता है जिसे वह एक दूसरे के साथ बिताकर भावनात्मक रूप से मजबूत होते हैं।

बच्चे के आने के बाद जीवन काफी व्यस्त हो जाता है। कपल की लाइफ में और रिश्ते में कई बड़े बदलाव होते हैं। ऐसे में बेबीमून उन खास पलों को संजोने या यादगार पल बनाने का मौका देता है।

बेबीमून पर कब जाना चाहिए?

बेबीमून पर जाने की योजना बना रहे हैं तो गर्भवती के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए दूसरी तिमाही के दौरान यात्रा पर जाएं। इस अवधि में महिला का स्वास्थ्य अपेक्षाकृत बेहतर होता है।। इस दौरान गर्भवती प्रेगनेंसी के 14 से 28 सप्ताह के बीच बेहतर महसूस करती हैं। वहीं गर्भावस्था के 37वें सप्ताह में यात्रा से बचने की सलाह दी जाती है।

बेबीमून के लिए रखें इन बातों का ध्यान

अगर आप भी ट्रेंड को अपनाते हुए बेबीमून पर जाने की योजना बना रहे हैं तो डॉक्चर से सलाह जरूर लें। गर्भवती के स्वास्थ्य की स्थिति को ध्यान में रखकर ही यात्रा करें। प्रयास करें कि बहुत लंबा या थकाने वाला ट्रिप प्लान न करें। ऐसी जगह जाएं जहां अस्पताल और मेडिकल फैसिलिटी नजदीक हों। मस्ती में अपनी सेहत का ख्याल रखना न भूलें। स्वास्थ्यवर्धक खाना और आराम दोनों जरूरी हैं।

पिंपल्स फ्री त्वचा पाने के लिए मानसून में अपनाएं ये टिप्स

मानसून में स्किन इंफेक्शन का खतरा काफी बढ़ जाता है। जिन लोगों की ऑयली स्किन है उन्हें खासतौर से पिंपल्स की समस्या झेलनी पड़ती है। बारिश के दिनों में मुंहासे और भी बढ़ जाते हैं। अगर सही तरीके से चेहरे की देखभाल न की जाए तो पिंपल्स, दाने और चेहरे पर दाग-धब्बे और बढ़ सकते हैं। आइये जानते हैं मानसून में पिंपल्स होने पर क्या करें? मानसून में स्किन केयर रुटीन कैसा होना चाहिए? मानसून में कैसे रखें त्वचा का ख्याल?

मानसून में ह्यूमिडिटी की वजह से बैक्टीरिया और फंगस पैदा होने का खतरा बढ़ जाता है। वहीं त्वचा में ऑयल भी ज्यादा आने लगता है। सीबम यानि स्किन का नेचुरल ऑयल बढ़ने से रोम छिद्र आसानी से बंद हो जाते हैं, जिसकी वजह से फेस पर पिंपल आने लगते हैं।

मानसून में पिंपल्स से कैसे बचें?

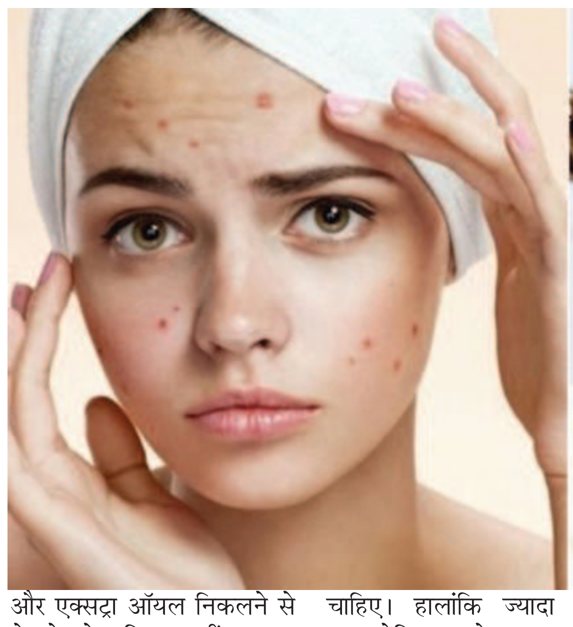

क्लींजर का इस्तेमाल करें- मानसून में सबसे जरूरी है चेहरे को साफ रखना। फेस पर जमी गंदगी को क्लीन करने के लिए और एक्सट्रा ऑयल निकलने से रोकने के लिए क्लींजर का उपयोग करें। मानसून में पीएच बैलेंस करने वाला क्लींजर उपयोग करें।

एक्सफोलिएशन- स्किन पर जमने वाली डेड सेल्स को हटाना भी बहुत जरूरी है। बंद पोर्स को खोलने के लिए आपको हफ्ते में 1-2 बार स्किन पर एक्सफोलिएटर का उपयोग करना चाहिए। हालांकि ज्यादा हार्ड एक्सफोलिएट्स से बचना जरूरी है। इससे डेड स्किन निकल जाएगी और त्वचा साफ हो जाएगी।

डाइट का ख्याल रखें- बारिश के दिनों में ज्यादा ऑयली खाने से बचें। तला भुना या ज्यादा मिर्च मसालेदार खाने से पिंपल्स बढ़ सकते हैं। बेहतर होगा इस मौसम में ज्यादा से ज्यादा फल, सब्जियों और पानी से भरपूर चीजों का सेवन करें।

हाइड्रेट रहें- त्वचा को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है। बारिश में लोग कई बार कम पानी पीते हैं। जिससे आपकी स्किन पर बुरा असर पड़ता है। पानी पीते रहें इससे हार्मोन संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। त्वचा का रूखापन कम होता है और स्किन नेचुरली हाइड्रेट रहती है।

क्या है साइलेंट मैनिपुलेशन के संकेत जो रिश्ते में खाई खोदने का करते हैं काम

स्वस्थ रिश्ते विश्वास, संचार और आपसी सम्मान पर आधारित होते हैं, फिर चाहे रिश्ता दोस्ती का हो, शादी के बंधन में बंधे साथी से हो या बहन-भाई से। लेकिन अगर यही रिश्ता आपको बार-बार लगातार महसूस कराए कि आप ही गलत हैं तो? हो सकता है, आप उन्हें समझाने की कोशिश करें, लेकिन अगर वह न समझें, चुप्पी साध लें और आपको नजरअंदाज करें तो यह 'साइलेंट मैनिपुलेशन' हो सकता है।

इस व्यवहार को समझें

यह भावनात्मक नियंत्रण का एक तरीका है, जिसमें दूसरा व्यक्ति अपनी खामोशी और व्यवहार से आपकी मानसिक स्थिति पर प्रभाव डालता है। इस दौरान वह आपके ऊपर न तो चिल्लाता है और न ही आपकी आलोचना करता है। धीरे-धीरे यह रिश्ते में एक बड़ी खाई खोदने का काम करता है, जिससे बचने के लिए जरूरी है खुद की भावनाओं को समझना।

गहरा असर

साइलेंट मैनिपुलेशन आपके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है। लगातार अनदेखी और खामोशी आपको आत्म संदेह में डाल देती है। धीरे-धीरे आप भी मानने लगती हैं कि गलती आपकी ही है। एक तरफ आप लगातार समझौते करती रहती हैं, दूसरी तरफ सामने वाला अपनी खामोशी से आपको नियंत्रित करता रहता है। यह एक ऐसा चक्र बना देता है, जो रिश्ते को पूरी तरह खत्म कर मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं को बढ़ावा देता है।

कैसे करें पता

गलती आपकी हो या न हो, लेकिन आपको ही दोषी ठहराना, आपके समझाने पर चुप्पी साध लेना, बात करना बंद कर देना और लगातार आपको महसूस कराना कि आप ही गलत हैं, साइलेंट मैनिपुलेशन का संकेत होता है। इस दौरान हर छोटी-छोटी बात पर आपसे बात करना बंद कर देना, कुछ पसंद न आने पर आपको नजरअंदाज करना और बातों को अनसुना करना, ये सब आपको इमोशनली कंट्रोल करके आपसे अपनी मर्जी के मुताबिक कार्य कराने के तरीके होते हैं।

खामोशी न हो हावी

साइलेंट मैनिपुलेशन जितना शांत दिखाई देता है, भीतर से इसका शोर इन्सान को उतना ही खोखला बना देता है। यदि आपके रिश्ते में संवाद की खाई खुद चुकी है तो समय रहते सही कदम उठाएं। अपनी भावनाओं को एक-दूसरे से शांतिपूर्वक व्यक्त करें। दोनों पक्षों द्वारा एक-दूसरे का सम्मान करना और खुलकर अपने विचार रखना ही एक स्वस्थ रिश्ते की पहचान है। संवाद रिश्तों को मजबूत करता है और खामोशी दूरी बढ़ाती है। हालांकि इन सबके बाद भी यदि रिश्ते में सुधार न आए तो मनोवैज्ञानिक से मदद भी ली जा सकती है।

आप खुद को संभाल सकती हैं...

फैमिली रिलेशनशिप काउंसलर शोभना बताती हैं, ऐसे मित्रों या संबंधियों से हमेशा सावधान रहें, जो खुद कम बोल कर आपसे सब बुलवा लेते हैं। आज के समाज में ऐसे लोगों की कोई कमी नहीं है, जिनके दो चेहरे होते हैं। अपनी असहमति या मनोभावों को शब्द तो क्या, हाव-भाव से भी प्रकट नहीं होने देना इन की कुशलता होती है।

ये लोग चुप रहकर आपसे सब कुछ मनवा लेते हैं, जिससे केवल इनका लाभ होता है। यही साइलेंट मैनिपुलेशन है। ऐसे में क्या करें? तो जवाब है, अपने इरादे और योजनाएं तब तक किसी को न बताएं, जब तक कि वे मूर्तमान न हो चुके हों। कार्य का अधूरा रह जाना या असफल हो जाना आपके आत्मविश्वास में कमी ला सकता है। याद रखें, स्वयं को संभाल पाने की क्षमता हर किसी में होती है।

क्या है पाइनएप्पल डेटिंग ? युवाओं के बीच तेजी से वायरल हो रहा ये नया ट्रेंड

आंखों ही आंखों में इशारा हो गया......ये उस समय का गाना है, जब आंखों ही आंखों में इशारे होने के बाद प्यार हो जाता था। समय बदला और फिर ट्रेंड आया लाइक्स और कमेंट्स का। उसमें लोग एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर फॉलो करते थे, एक-दूसरे की तस्वीरों पर लाइक और कमेंट करके इंप्रेस करते थे। फिर समय में बदलाव आया और लोग एप्स के माध्यम से एक-दूसरे को डेट करने लगे। पर, अब 2025 में डेटिंग ट्रेंड पूरी तरह से बदल गया है।

आज के समय में एक अनानास यानी कि पाइनएप्पल लोगों को उनका पार्टनर तलाश करने में उनकी मदद कर रहा है। सुनने में भले ही अजीब लग रहा हो, लेकिन ये सच है। दरअसल, जब डेटिंग के दौरान अनानास का इस्तेमाल हो, तो उसे ही पाइनएप्पल डेटिंग कहते हैं। इस बारे में अभी ज्यादा लोग नहीं जानते है, इसलिए हम आपको इसकी जानकारी देंगे।

पाइनएप्पल डेटिंग क्या है?

सबसे पहले ये जान लें कि इस डेटिंग की शुरुआत स्पेन से हुई थी। इसमें लोग जब शॉपिंग करने जाते हैं तो अपने शॉपिंग कार्ट में एक पाइनएप्पल रख लेते हैं। ये पाइनएप्पल उल्टा रखा जाता है। इससे वहां मौजूद लोगों को ये संदेश जाता है कि शॉपिंग कार्ट में पाइनएप्पल रखने वाला व्यक्ति सिंगल है। यानि कि वो नए पार्टनर की तलाश में है।

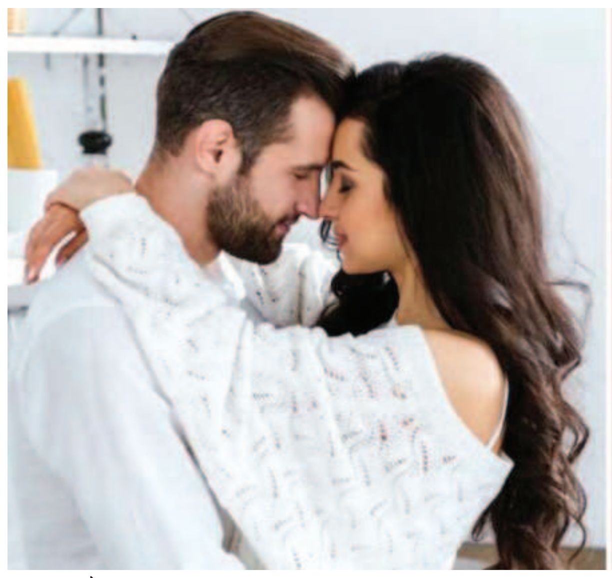

इस दौरान यदि सुपरमार्केट कोई दो लोग उल्टे पाइनएप्पल के साथ पाए जाते हैं, तो इसका मतलब है कि मैच मिल गया। इसके बाद वो दोनों एक-दूसरे से बातचीत करके अपनी बात आगे बढ़ा सकते हैं। ये ट्रेंड सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से फैल रहा है।

क्या हैं इसके फायदे

अब ये जानना आपके लिए काफी जरूरी है कि आखिर इस पाइनएप्पल डेटिंग का फायदा क्या है। दरअसल, ये डेटिंग ऐप्स के बजाय वास्तविक और स्वाभाविक मुलाकातों को बढ़ावा देता है। इसमें लोग सुपरमार्केट जैसी सार्वजनिक जगहों पर मिलते हैं, जिस वजह से किसी तरह की गड़बड़ी की संभावना थोड़ी कम हो जाती है।

नुकसान भी जान लें

फायदे के बाद पाइनएप्पल डेटिंग के नुकसान भी आपके लिए जरूरी है। दरअसल, अनजान लोगों से मिलना कभी-कभी जोखिमपूर्ण हो सकता है। इसलिए यदि आप पाइनएप्पल डेटिंग के जरिए किसी से मिल भी रहे हैं, तो एकदम से उससे अपनी सारी जानकारी साझा न करें। ये आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

इन बातों का ध्यान रखकर उठाएं कदम

यदि आप भी पाइनएप्पल डेटिंग की तरफ कदम उठा रहे हैं तो सुरक्षाा के नजरिए से अपनी व्यक्तिगत सीमाओं का ध्यान रखना आवश्यक है। यदि आप इस ट्रेंड को अपनाना चाहते हैं, तो हमेशा सतर्क रहें और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें। कुछ भी गलत लग रहा है तो तत्काल अपने कदम वापस खींच लें।

रिश्तों को मजबूत बनाता है फोन, क्या है 'फोन मैनर्स'

मैनर्स हर चीज में जरूरी होते हैं और अब तो मोबाइल मैनर्स भी हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गए हैं। वजह यह कि हर किसी के हाथ में मोबाइल फोन संवाद और लोगों से संपर्क करने का अहम जरिया बन गया है। यही वजह है कि अब मोबाइल मैनर्स भी रिश्ते जोड़ने और तोड़ने का काम कर रहे हैं। अगर आप चाहती हैं कि आपका हर रिश्ता खूबसूरत बना रहे तो कुछ फोन मैनर्स को जरूर अपनाएं। चाहे पति-पत्नी का रिश्ता हो, सास-बहू का या फिर दोस्ती का, हर रिश्ते में फोन मैनर्स जरूरी हैं। लेकिन हमारा ध्यान कभी इनकी तरफ नहीं जाता है।

कॉल रिसीव न करना

विशेष परिस्थितियों को छोड़ दें तो आपका मोबाइल फोन ही है, जो हमेशा आपके पास रहता है। ऐसे में यदि कोई रिश्तेदार या परिचित आपको कॉल करता है और आप उसे रिसीव नहीं करती हैं तो यह एक बार तो चल जाएगा, लेकिन अगर आप बार-बार ऐसा करेंगी और कॉल को इग्नोर करने लगेंगी तो कॉलर इसे अशिष्ट मानेगा, जो कि स्वाभाविक भी है। ऐसी स्थिति आपके और कॉल करने वाले व्यक्ति के बीच संबंधों को खराब करा सकती है। इसलिए जरूरी है कि आप कॉल रिसीव करें। अगर किसी वक्त रिसीव न कर पाएं तो कॉल बैक करके यह जरूर पूछ लें कि क्या बात थी। इससे आपके रिश्ते खराब होने से बच जाएंगे।

चुपके से मोबाइल चेकिंग

आमतौर पर महिलाएं अपने पति और पति अपनी पत्नी का मोबाइल चुपके से चेक करते हैं। वे शक की वजह से भी ऐसा करते हैं और यूं ही भी, ताकि देख पाएं कि किसे कॉल या मैसेज किए गए हैं। यह स्थिति भी रिश्तों को खराब कर सकती है। मोबाइल चेक करते देखे जाने या बाद में पता लगने पर आपके रिश्ते खराब हो सकते हैं। इसलिए बेहतर यही है कि चुपके से मोबाइल चेक न करें, भले ही वह कोई भी हो। अगर देखना हो तो मांग करके मोबाइल चेक करें।

बिना पूछे नंबर न दें

बहुत बार ऐसा होता है कि आप किसी का भी नंबर किसी को भी दे देती हैं। इससे कॉल जाने पर संबंधित व्यक्ति को असुविधा हो सकती है और यह जानने पर कि उसका नंबर आपने दिया है, आपके उससे रिश्ते खराब हो सकते हैं। इसलिए बिना पूछे किसी का नंबर किसी अन्य व्यक्ति को शेयर न करें, जब तक कि ऐसा करना बहुत जरूरी न हो।

किसी अन्य से बात

आपको किसी ने कॉल की और अगर आप खुद बात न करके अपने घर के किसी अन्य सदस्य से कॉल रिसीव करा देती हैं तो यह स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती। इससे कॉल करने वाला व्यक्ति आपसे बात न होने पर नाराज हो सकता है और आपके रिश्ते में खटास पैदा हो सकती है। कॉल भले ही कोई भी रिसीव करे, लेकिन आप बात तो कर ही सकती हैं।

स्टेटस लगाना

लोग दूसरों की फोटो और वीडियो अपने स्टेटस पर डाल देते हैं। यह बात उनको नागवार गुजर सकती है। इसके लिए या तो आप पहले उन से ऐसा करने की अनुमति ले लें या फिर उनकी फोटो या वीडियो अपने स्टेटस पर लगाने से बचें, अन्यथा इससे आपके रिश्ते खराब हो सकते हैं।

चेहरे के निखार को बरकरार रखने में मददगार है ओट्स, ऐसे करें इस्तेमाल

ओट्स एक ऐसा नाश्ता है, जिसके सेवन से लोग काफी स्वस्थ रहते हैं। फिट रहने के लिए जो लोग जिम जाते हैं वो अक्सर ओट्स खाना पसंद करते हैं। इसके साथ ही वर्किंग लोग, जिनके पास नाश्ते का समय नहीं होता, वो भी ओट्स खाना पसंद करते हैं। दिन की अच्छी शुरूआत के लिए ये एक परफेक्ट नाश्ता है, पर क्या आप जानते हैं कि, ओट्स से आप आंतरिक रूप से फिट रहने के साथ-साथ बाहरी सुंदरता को भी बढ़ा सकते हैं।

जी हां, ओट्स की मदद के कुछ अलग तरह के फेसपैक बनाकर आप ग्लोइंग त्वचा पा सकते हैं। ओट्स में मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, फाइबर, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, जिंक, सोडियम, पैटैशियम आदि होते हैं, जो त्वचा को काफी फायदा पहुंचाते हैं। ऐसे में आज हम आपको ओट्स की मदद से कुछ ऐसे फेसपैक बनाना सिखाएंगे, जो निखरती त्वचा पाने में आपकी मदद कर सकते हैं। इस पैक को बनाना काफी आसान है।

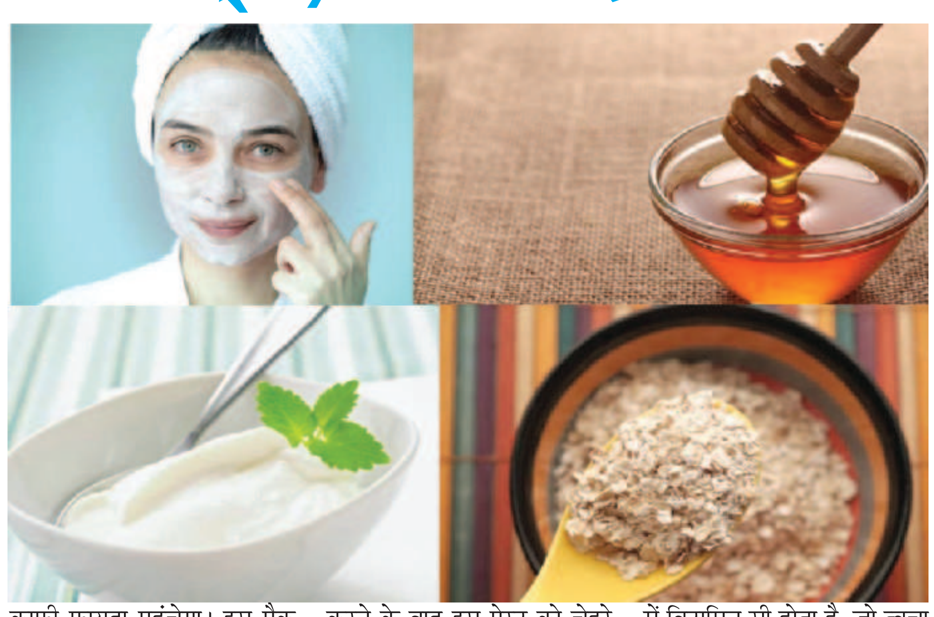

ओट्स और दही

ओट्स में दही मिलाकर चेहरे पर लगाने से आपकी त्वचा को काफी फायदा पहुंचेगा। इस पैक को बनाने के लिए आपको सबसे पहले दो बड़े चम्मच ओट्स को ब्लेंडर में डालें। इसमें दो चम्मच दही मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसे बाउल में निकाल लें। इस पैक में थोड़ा सा शहद डालें। बस अच्छे से मिलाने के बाद ये पैक तैयार है।

दही

इस पेस्ट को लगाने के लिए आपको सबसे पहले अपने चेहरे को साफ करना है। त्वचा साफ करने के बाद इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट लगाकर पानी से साफ कर लें। इस पैक से आपको एक्ने, दाग-धब्बों, झुर्रियों जैसी समस्याओं से निजात मिल सकता है।

शहद और ओट्स

इस पैक को बनाने के लिए आपको दो बड़े चम्मच ओट्स लेने हैं और एक छोटा चम्मच शहद लेना है। इस पैक को अपने चेहरे पर लगाएं और कुछ देर बाद चेहरा धो लें। बता दें कि ओट्स में विटामिन सी होता है, जो त्वचा की रंगत को साफ करने में कारगर होता है। कई बार स्किन में मेलानिन का स्तर कम हो जाता है, जिसको सही करने में ये पैक मददगार है।

ओट्स और दूध

ओट्स में दूध और बादाम को मिलाकर इसका पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को दस मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। ये त्वचा को काफी राहत पहुंचाता है।

पाकिस्तान के दोस्त तुर्की में जमकर पैसा बना रही भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर में तुर्की ने पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया था। इस कारण देश में तुर्की के बहिष्कार की मांग उठ रही है। सरकार ने तुर्की की कुछ कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई भी की है। लेकिन तुर्की में काम करने वाली भारतीय कंपनियों का कहना है कि दोनों देशों के बीच तनाव से उनके बिजनस पर कोई फर्क नहीं पड़ा है और उनका फिलहाल तुर्की में अपनी योजना में बदलाव करने का कोई इरादा नहीं है। इनमें रेडिंग्टन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सोलर इंडस्ट्रीज, जुबिलेंट फूडवर्क्स, यूपीएल और एचसीएल टेक्नोलॉजीज शामिल हैं। बिजनस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक डोमिनो पिज्जा और अपनी कॉफी चेन कॉफी को ऑपरेट करने वाली कंपनी जुबिलेंट फूडवर्क्स ने कहा कि वह तुर्की में अपने विस्तार की योजना जारी रखेगी। कंपनी अभी तुर्की में 746 डोमिनो आउटलेट्स और 160 कॉफी स्टोर चलाती है। उसकी 30 और डोमिनो आउटलेट्स और 50 कॉफी स्टोर खोलने की योजना है। तुर्की में काम करने वाली भारतीय कंपनियों में सबसे ज्यादा सेल रेडिंग्टन की है। 2023-24 में कंपनी का सेल्स टर्नओवर 4,372.37 करोड़ रुपये रहा।

इसी तरह खेती के उपकरण बनाने वाली कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा की तुर्की में ट्रैक्टर बनाने वाली एक यूनिट है। 2023-24 में इसकी सेल 1,420.78 करोड़ रुपये रही। कंज्यूमर गुड्स कंपनी डाबर इंडिया ने 2010 में तुर्की में एक कंपनी खरीदी थी। उसका कहना है कि वह न तो भारत से आयात करती है और न ही भारत को एक्सपोर्ट करती है। टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टास ने भी तुर्की में जॉइंट वेंचर बनाया है। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी का कहना है कि उसका बिजनस किसी भी भूराजनीतिक तनाव से बेअसर है। इसी तरह सोलर इंडस्ट्रीज की 2023-24 में तुर्की में सेल 753.28 करोड़ रुपये, यूपीएल की 469 करोड़ रुपये और एचसीएल टेक्नोलॉजीज की 31.73 करोड़ रुपये रही। दूसरी ओर भारत में तुर्की की कंपनियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पिछले हफ्ते सरकार ने इंडिगो के साथ तुर्की के एक विमान की लीज अरेंजमेंट की अवधि छह महीने से घटाकर तीन महीने कर दी। इससे पहले मई में तुर्की की कंपनी सेलेबी एविएशन होल्डिंग को दी गई सिक्योरिटी क्लीयरेंस भी वापस ले ली थी। यह कंपनी कई एयरपोर्ट्स पर ग्राउंड हैंडलिंग सर्विसेज दे रही थी।

'ट्रंप भारत का सम्मान करते हैं, तारीफ करते नहीं थकते

हमारे बीच अच्छे संबंध होंगे', वाणिज्य मंत्री का बयान

वॉशिंगटन, 3 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने कहा है कि भारत में जोश और महत्वाकांक्षा है। यही कारण है कि भारत की अर्थव्यवस्था हमेशा फलती-फूलती रहेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत की गहरी प्रशंसा और सम्मान करते हैं। दोनों देशों के बीच एक दूसरे के साथ बेहतरीन संबंध बनने जा रहे हैं। लुटनिक ने सोमवार को यहां अमेरिका-भारत रणनीतिक भागीदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) नेतृत्व शिखर सम्मेलन के आठवें संस्करण में अपने मुख्य भाषण में कहा कि भारत सबसे असाधारण अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उन्होंने कहा, 'एक असाधारण अर्थव्यवस्था बनाने की कुंजी लोगों का दृढ़ संकल्प है। आपके लोग व्यवसाय में होने के बारे में कितना चिंतित हैं? वे कितने उद्यमी हैं? वे अपने परिवारों के लिए बेहतर बनने के लिए कितना प्रयास करते हैं? मैं भारत के बारे में जो जानता हूं, उसके हिसाब से भारत की मुख्य आबादी में वह प्रेरणा और महत्वाकांक्षा है। यही कारण है कि भारतीय अर्थव्यवस्था हमेशा बढ़ती रहेगी और फलती-फूलती रहेगी, क्योंकि इसमें वह आधार है। इसलिए आप भारत में ऐसे काम कर सकते हैं जो कई अन्य देश नहीं कर सकते।' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप 'अमेरिका पहले' के बारे में सोचते हैं, लेकिन वे 'केवल अमेरिका' या 'सिर्फ और सिर्फ अमेरिका' के बारे में नहीं सोचते। ल्यूटनिक ने कहा, 'सबसे पहले उन्हें अपने देश का ख्याल रखना है, ताकि हम बड़े और मजबूत हों, लेकिन फिर वे अपने सहयोगियों का ख्याल रखेंगे। वे यह सुनिश्चित करेंगे कि वे भारत का ख्याल रखें, जिसकी वे गहराई से प्रशंसा करते हैं और सम्मान करते हैं। हम एक साथ बहुत अच्छे संबंध बनाने जा रहे हैं।'अमेरिका में चल रही वीजा और आव्रजन चर्चाओं को लेकर भारतीय प्रतिभाओं पर एक सवाल का जवाब देते हुए ल्यूटनिक ने कहा कि अमेरिका में भारतीय उद्यमियों की सफलता, भारतीय राष्ट्रीयता के व्यक्ति अमेरिका की कई महान कंपनियों का नेतृत्व और संचालन कर रहे हैं, क्योंकि वे शानदार उद्यमी, शानदार व्यवसायी, स्मार्ट, विचारशील, हर तरह से शिक्षित हैं। मुझे लगता है कि अमेरिका के लिए आव्रजन का सामान्य मार्ग बदल रहा है। ट्रंप कार्ड सामने आ रहा है। मुझे उम्मीद है कि ट्रंप कार्ड लोगों के लिए अमेरिका आने की क्षमता रखने के लिए वास्तव में एक बड़ा अवसर पैदा करेगा।' उनका इशारा ग्रीन कार्ड की तर्ज पर 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर के 'ट्रंप गोल्ड कार्ड' की ओर था, जो विदेशियों के लिए अमेरिका में रहने और काम करने की प्रक्रिया को तेज करेगा। ल्यूटनिक ने कहा कि उन्हें लगता है कि हम भारत में अविश्वसनीय रूप से सफल होने जा रहे हैं। इसलिए जब लोग मुझसे पूछते हैं कि आप भारत कब आ रहे हैं? तो मैं कहता हूं, जब मैं ट्रंप कार्ड लॉन्च करूंगा, तो मैं आपसे वादा करता हूं कि मैं भारत आऊंगा।' उन्होंने कहा कि लोगों के लिए दो अर्थव्यवस्थाओं भारतीय और अमेरिकी का हिस्सा बनने का यह एक शानदार अवसर है। लोग अमेरिका आकर अमेरिका में भाग ले सकेंगे। आप ग्रीन कार्ड धारक की तरह बन सकते हैं, इसके बराबर यह ट्रंप गोल्ड कार्ड है। आप इसे इस तरह से कर सकते हैं और वैश्विक कर का भुगतान कर सकते हैं या आप सब कुछ वैसे ही रख सकते हैं, जैसे वह है और केवल अमेरिकी परिसंपत्तियों पर अमेरिकी कर का भुगतान कर सकते हैं।

शेयर बाजार में कमजोरी हावी; सेंसेक्स 636 अंक टूटा, निफ्टी 24550 के नीचे आया

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। घरेलू बाजार मंगलवार को लाल निशान पर बंद हुआ। इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में करीब 1 फीसदी की गिरावट आई। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स में 636 अंक की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी फंडों की निकसी और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच व्यापक बिकवाली से भारतीय बाजारों में गिरावट आई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 636.24 अंक या 0.78 फीसदी की गिरावट के साथ 80,737.51 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 798.66 अंक या 0.98 फीसदी गिरकर 80,575.09 पर आ गया। एनएसई निफ्टी 174.10 अंक या 0.70 फीसदी गिरकर 24,542.50 पर आ गया।

क्या रहा सेंसेक्स कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स में 2.42 फीसदी की गिरावट आई। बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, इटरनल, इंडसइंड बैंक, मारुति, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और अल्ट्राटेक सीमेंट सबसे ज्यादा गिरावट में रहे। महिंद्रा एंड महिंद्रा इस समूह में एकमात्र लाभ में रही। अडानी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियाँ गिरावट के साथ बंद हुईं। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि विदेशी फंडों की लगातार हो रही निकासी, भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार सौदों को लेकर अनिश्चितता के कारण बाजारों पर दबाव बढ़ रहा है।

यूरोपीय बाजारों में हुई गिरावट

एशियाई बाजारों में शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुआ, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक कम होकर बंद हुआ। दक्षिण कोरियाई बाजार बंद रहे। यूरोपीय बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.28 प्रतिशत बढ़कर 64.81 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 2,589.47 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। सोमवार को इंट्रा-डे ट्रेड में 796.75 अंक या 0.97 प्रतिशत गिरकर 80,654.26 पर आने के बाद, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स में उतार-चढ़ाव देखा गया और बाद में यह 77.26 अंक या 0.09 प्रतिशत गिरकर 81,373.75 पर बंद हुआ। निफ्टी 34.10 अंक या 0.14 प्रतिशत गिरकर 24,716.60 पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-44
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त - 18-43
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष मे	वृष---	04-28 बजे
चंद्र-	सिंह मे	मिथुन..	06-28 बजे
मंगल	कर्क मे	कर्क--	08-41 बजे
बुध-	वृष मे	सिंह---	10-52 बजे
गुरु-	मिथुन मे	कन्या...	12-59 बजे
शुक्र-	मीन मे	तुला....	15-06 बजे
शनि-	मीन मे	वृश्चिक..	17-14 बजे
राहु-	कुंभ मे	धनु.....	19-28 बजे
केतु-	सिंह मे	मकर...	21-34 बजे
		कुंभ...	23-25 बजे
		मीन....	01-03 बजे
		मेष.....	02-39 बजे

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी 23-54 तक उपरान्त दशमीं
मास - ज्येष्ठ शुक्ल , बुधवार 04 June
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 03-35 तक उपरान्त हस्त
योग - वज्र 08-28 तक उप सिद्धी
करण- बालव 10-51 तक उप कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - श्री महेशनवमी

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:15 से 13:53 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05:44 - 07:20	शुभ	उत्पात	18:43 - 20:09	अशुभ
अमृत	07:20 - 08:58	शुभ	शुभ	20:09 - 21:31	शुभ
काल।	08:58 - 10:36	अशुभ	अमृत।	21:31 - 22:53	शुभ
शुभ।	10:36 - 12:15	शुभ	चंचल	22:53 - 00:15	शुभ
रोग।	12:15 - 13:53	अशुभ	रोग ।	00:15 - 01:36	अशुभ
उत्पात	13:53 - 15:31	अशुभ	काल।	01:36 - 02:58	अशुभ
चंचल	15:31 - 17:09	शुभ	लाभ	02:58 - 04:44	शुभ
लाभ	17:09 - 18:43	शुभ			

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं । आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं । जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे । आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा । पहचान और इज्जत भी मिलेगी । वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी । वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है । सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे । आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें । इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा । पहचान और इज्जत भी मिलेगी । वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी । वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है । सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे । आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें | इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ,आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं । आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे । आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी । आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं । आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे । आज आपकी तरक्की को कोई नही रोक सकता । इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करने की योजना बनाएं,सफलता आपके कदम चूमेगी।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा । इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है । निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए । आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है । अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा । इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें । दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है । केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें । थोडा नरम रवैया अपनाएंगे तो काफी लंबित कामों को आज पूरा कर पायेंगे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

दिल्ली तक पहुंचा महाराष्ट्र की बारिश का कहर

50 रुपए पहुंचेगा प्याज, 100 रुपए तक जाएगा टमाटर!

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र और दूसरे राज्यों में हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से प्याज और टमाटर की फसल खराब हो गई है। जिसकी वजह से दिल्ली में टमाटर और प्याज की सप्लाई कम हो गई है। जिसका असर कीमतों में देखने को मिल रहा है। जून के महीने में ही टमाटर के दाम रिटेल में 24 रुपए से बढ़कर 30 रुपए हो चुके हैं। जिसके अगले दो हफ्तों में दोगुने और एक महीने में 80 रुपए से 100 रुपए तक पहुंचने के आसार हैं। वहीं दूसरी ओर प्याज की कीमतों में भी 6 रुपए प्रति किलो का इजाफा देखने को मिल चुका है। अगले एक महीने में प्याज के दाम 50 रुपए तक पहुंच सकते हैं। वास्तव में महाराष्ट्र में मई के दूसरे पखवाड़े में प्याज की कीमतों में 20 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है। जिसका असर देश की दूसरी मंडियों या यूं कहें कि देश की राजधानी दिल्ली में देखने को मिल रहा है। जानकारों की मानें प्याज और टमाटर दोनों की फसल काफी खराब हुई है। भारी बारिश का असर सप्लाई पर भी देखने को मिल रहा है। आने वाने दिनों में प्याज और टमाटर की कीमतों में और भी इजाफा देखने को मिल सकता है। आइए आपको भी बताते हैं कि दिल्ली में प्याज और टमाटर की कीमतों में कितनी तेजी देखने को मिली है और आने वाले दिनों में दाम कहां तक जा सकते हैं।

दो दिनों में कितने बढ़े प्याज और टमाटर के दाम

बीते दो दिनों यानी को एक और दो जून को प्याज और टमाटर की कीमतों में 40 से 50 फीसदी की तेजी देखने को मिल चुकी है। ये तेजी रिटेल भाव में देखी गई है। 31 मई को देश की राजधानी दिल्ली में प्याज का रिटेल भाव 20 रुपए प्रति किलोग्राम था, जो 2 जून को बढ़कर 30 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है। वहीं टमाटर का रिटेल भाव पिछले महीने के आखिरी दिन 20 रुपए प्रति किलोग्राम था जो 2 जून को बढ़कर 35 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गया था। इसका मतलब है कि टमाटर की कीमतों में दो दिनों में 15 रुपए यानी 75 फीसदी का इजाफा देखने को मिला। जबकि प्याज में 50 फीसदी की तेजी देखने को मिली है।वहीं मंडी के भाव की बात करें तो 31 मई को प्याज की कीमतें 15 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो 2 जून को बढ़कर 21 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। इसका मतलब है कि मंडी में प्याज की कीमतों में 40 फीसदी की तेजी देखने को मिली थी। वहीं दूसरी ओर 31 मई को टमाटर का मंडी में थोक भाव 20 रुपए प्रति किलोग्राम देखने को मिला था, जो 2 जून को बढ़कर 27 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया। इसका मतलब है कि दो दिनों में टमाटर की कीमतों में 35 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है।

नासिक में भी 20 फीसदी का इजाफा

वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र के नासिक जिले के लासलगांव की बात करें तो वहां भी प्याज की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। पिछले एक पखवाड़े में प्याज की कीमतों में करीब 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जिसका प्रमुख कारण भारी बारिश है, जिसने फसल को नुकसान पहुंचाया है और बाजार में सब्जी की आवक कम हुई है। उत्पादन और भंडारण में वृद्धि के बावजूद प्याज महंगा हो गया है। व्यापार सूत्रों ने कहा कि प्याज की अपेक्षित सरकारी खरीद से कीमतों में कुछ और वृद्धि होने की संभावना है। भारत में प्याज के सबसे बड़े नासिक के लासलगांव थोक बाजार में, औसत कीमत 15 मई को 11.50 रुपए प्रति किलोग्राम से लगभग 20 फीसदी बढ़कर 31 मई को 14 रुपए हो गई है।

प्याज 50 और टमाटर 100 रुपए तक जाएंगी?

दिल्ली में प्याज और टमाटर के रिटेल कारोबारी पप्पू सिंह का कहना है कि प्याज और टमाटर की आवक काफी कम हुई है। इसका कारण महाराष्ट्र और साउथ में प्याज और टमाटर के बड़े उत्पादक राज्यों में भारी बारिश होने की वजह से फसल खराब हो गई है। जिसका असर आवक पर पड़ रहा है। मंडी में प्याज और टमाटर की कीमतों में तेजी आई है। जिसकी वजह से रिटेल में भी असर देखने को मिला है। पप्पू ने कहा कि अगले 15 दिनों में टमाटर की कीमतें 50 रुपए पार कर सकती हैं। जबकि प्याज के दाम 40 से 50 रुपए के बीच रह सकते हैं। वहीं जुलाई के महीने में टमाटर के दाम 100 रुपए पर पहुंचते हैं और प्याज की कीमतें 50 और 70 रुपए के बीच रहने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर सरकारी कीमतों की बात करें तो दो दिनों में इसमें इजाफा देखने को मिला है। मिनिस्ट्री ऑफ कंज्यूमर अफेयर के आंकड़ों के अनुसार 31 मई को प्याज की देश में औसत की कीमत 26.01 रुपए प्रति किलोग्राम थी। जो 2 जून को बढ़कर 26.24 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई हैं। वहीं बात टमाटर की करें तो 31 मई को टमाटर की देश में औसत कीमत 25.49 रुपए थी जो 2 जून को बढ़कर 26.41 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई हैं। वहीं देश की राजधानी दिल्ली में प्याज की कीमत 31 मई को 20 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो 2 जून 27 रुपए प्रति किलोग्राम देखने को मिली। यानी दो दिनों में 35 फीसदी का इजाफा देखने को मिला। जबकि टमाटर की बात करें तो 31 मई को दिल्ली में दाम 20 रुपए थी जो 2 जून को बढ़कर 23 रुपए हो चुकी है।

कौन हैं बिलाल बिन साकिब जिन्हें मिली पाकिस्तान को बिटकॉइन 'किंग' बनाने का जिम्मेदारी? जानें कितनी है नेटवर्थ

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने पिछले हफ्ते एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने अपना पहला सरकारी 'स्ट्रैटेजिक बिटकॉइन रिजर्व' बनाया है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान अब बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी को एक संपत्ति के रूप में देख रहा है। उनका मकसद है दुनिया भर से निवेश को आकर्षित करना। वे दिखाना चाहते हैं कि वे डिजिटल संपत्ति को लेकर गंभीर हैं। यह घोषणा तब हुई जब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 34 साल के बिलाल बिन साकिब को अपना विशेष सहायक नियुक्त किया। बिलाल बिन साकिब पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल के सीईओ हैं। उन्हें राज्य मंत्री का दर्जा दिया गया है। इसका मतलब है कि सरकार उन्हें क्रिप्टो के मामलों में बहुत महत्व दे रही है। बिलाल बिन साकिब तयाबा नाम की एक संस्था के को-फाउंडर हैं। यह संस्था पाकिस्तान में पानी की समस्या को हल करने के लिए काम करती है। फोर्ब्स के अनुसार, उनका फेमस प्रोडक्ट 'एच2ओ व्हील' है। यह एक पहिया है जिससे लोग 40 लीटर तक पानी आसानी से ले जा सकते हैं। इससे ग्रामीण इलाकों में महिलाओं और बच्चों को पानी लाने में बहुत मदद मिलती है। तयाबा ने पाकिस्तान में 5500 से ज्यादा पहिए बांटे हैं। वह 'वेब3 पाकिस्तान' के संस्थापक हैं। यह पाकिस्तान का पहला और सबसे बड़ा ब्लॉकचेन समुदाय है। उन्होंने ईटीएच बार्सिलोना जैसे बड़े ब्लॉकचेन इवेंट आयोजित करने में मदद की है। उन्होंने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम और एनएफटी एनवाईसी में भी भाषण दिए हैं। बिलाल बिन साकिब के पास लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप की डिग्री है। वे क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के सलाहकार बोर्ड में भी हैं। साल 2017 में ब्लॉकचेन में आने से पहले, उन्होंने 10 साल तक एक अंतरराष्ट्रीय रणनीति सलाहकार के रूप में काम किया।

1 लाख के पार निकली चांदी : 2,699 बढ़कर 1,00,460 किलो पर पहुंची

सोना भी 187 महंगा होकर 96,867 हुआ

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 3 जून को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 187 बढ़कर 96,867 पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 96,680 प्रति 10 ग्राम थी। वहीं चांदी का भाव 2,699 बढ़कर 1,00,460 हो गया है। इससे पहले चांदी का भाव 97,761 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

भोपाल सहित 4 महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 99,060 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 99,060 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 90,800 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 99,060 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 99,060 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 99,110 रुपए है।

हइस साल अब तक 20,705 रुपए महंगा हो चुका है सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 20,705 रुपए बढ़कर 96,867 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 14,443 रुपए बढ़कर 1,00,460 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

इस साल 1 लाख 3 हजार रुपए तक जा सकता है सोना

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ने से गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। वहीं गोल्ड ईटीएफ में निवेश भी बढ़ रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 3 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

क्या अचानक से बंद हो जाएगा 500 का नोट या मिलेगा आपको मौका, यहां है जवाब

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को पिछले दिनों एटीएम में 100 और 200 रुपए के ज्यादा नोट रखने का आदेश दिया था। इसी बीच आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सरकार से कहा कि 500 रुपए का नोट अब बंद कर देना चाहिए। जिसके बाद से ही लोगों के मन में 500 रुपए के नोट को लेकर 100 तरह के सवाल चल रहे हैं। उसमें से एक सवाल ये भी है कि क्या अचानक से 500 का नोट बंद हो जाएगा या फिर आपको मौका मिलेगा। आपके इन सब सवाल को लेकर टीवी9 के "मनीष इकोनॉमी शो" में बैंकिंग एक्सपर्ट ने जवाब दिया है। चलिए आपको इसके बारे में बताते हैं।

क्या अचानक से बंद हो जाएगा 500 का नोट

बैंकिंग एक्सपर्ट से ये सवाल किया गया कि क्या अचानक से 500 रुपए का नोट बंद हो जाएगा या फिर आम आदमी को इसके लिए मौका मिलेगा। इसपर जवाब देते हुए एक्सपर्ट ने कहा कि रिजर्व बैंक ने इसको लेकर तैयारी शुरू कर दी है। बैंकों को कह दिया है कि आप एटीएम में सफिशिएंट 100 और 200 की नोट रखें और इसकी प्रिंटिंग भी रिजर्व बैंक बढ़ा रहा है। जैसे आरबीआई ने 2000 रुपए के नोट को बिना किसी परेशानी के बदलने का मौका दिया वैसे ही ये मौका 500 रुपए के लिए भी मिलेगा। इसके साथ ही आरबीआई बैंकों को ये भी निर्देश दे सकता है कि जो नोट 500 रुपए के आ रहे हैं उसको आप सर्कुलेशन में मत डालिए या एटीएम में मत डालिए।

अचानक 500 रुपए का नोट बंद नहीं होगा

एक्सपर्ट ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक अचानक 500 रुपए का नोट बंद नहीं करेगा।

अगर ऐसा होता भी है तो आपको जैसे 2000 रुपए के समय पर निर्देश दिया गया था कि आप इसे इतने दिन तक इस्तेमाल कर सकते हैं। वैसा ही कुछ निर्देश 500 रुपए के नोट के लिए भी मिलेगा। वहीं जो भी नोट सिस्टम में नहीं है और उनका इकॉनमी में कोई योगदान नहीं है लेकिन वो बैंक में जमा हो जाते हैं, तो पैसा बैंक के पास एक डिपॉजिट के रूप में आ जाता है और वो इकोनॉमी के अंदर उसका बहुत बड़ा कंट्रीब्यूशन हो जाता है।

नक्सलियों के ठिकाने से बम, बंदूक और बारूद की जगह मिल रहा आटा, नमक और दाल

बोटी छोड़ रोटी को भी तरस रहे नक्सली

रायपुर, 3 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षाबलों को नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ी सफलता मिली है। तौरेंगा के जंगलों में नक्सलियों की तलाश करते हुए, सुरक्षाबलों को राशन का बड़ा जखीरा मिला। इस जखीरे में दाल, चावल, नमक और दूसरी जरूरी चीजें शामिल थीं। नक्सलियों पर बढ़ते दबाव के कारण, उन्हें यह सामान छोड़कर भागना पड़ा। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने नक्सलियों से मुख्यधारा में लौटने की अपील की है। उन्होंने आत्मसमर्पण करने वालों को सरकार की योजनाओं के तहत मदद करने का वादा किया है।

गरियाबंद जिले के मैनपुर थाना क्षेत्र के जंगलों में सुरक्षाबलों ने एक खास ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन में जिला बल और सीआरपीएफ कोबरा 207 की संयुक्त टीम शामिल थी। टीम को नक्सलियों की मौजूदगी की खबर मिली थी। जब टीम जंगल में पहुंची, तो उन्हें नक्सली तो नहीं मिले, लेकिन चौंकाने वाली चीजें जरूर मिलीं।

सुरक्षाबलों को नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया राशन मिला। इस राशन में नमक, दाल, चावल और रोजमर्रा की जरूरत की चीजें शामिल थीं। अनुमान लगाया जा सकता है कि नक्सलियों पर दबाव बढ़ रहा है। साथ ही, यह भी पता चलता है कि उनकी पकड़ अब कमजोर हो रही है।

माओवादी अब मुश्किल में हैं। उनके पास संसाधनों की कमी हो रही है। सुरक्षाबलों का लगातार दबाव भी उन पर पड़ रहा है। ऐसा लगता है कि नक्सलियों ने जंगल में किसी शिविर में रुकने की योजना बनाई थी। वे वहां अपना सामान जमा करना चाहते थे।

कोविड के छह नए मरीज मिले

पांच को होम क्वारैंटाइन किया गया, एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती, किसी की ट्रैवल हिस्ट्री नहीं

रायपुर, 3 जून (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में कोविड के छह नए एक्टिव केस आइडेंटिफाई किए हैं। इसके बाद अब टोटल कोविड के केस 9 हो गए हैं। नए मरीजों की अब तक कोई ट्रैवल हिस्ट्री सामने नहीं आई। इनमें एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती है। वहीं बाकी सात को होम क्वारैंटाइन किया गया है। इसके अलावा दो मरीज रिकवर हो गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग की माने तो राजधानी में सर्दी, खांसी जुकाम और बुखार वाले मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। जिसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने नई एडवाइजरी भी जारी की है। अब सभी सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल को निर्देश दिए गए हैं कि इस तरह के लक्षण वाले मरीजों के संबंध में तुरंत रिपोर्ट करे। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि, इन्फ्लुएंजा लाइक इलनेस और सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इलनेस के लक्षण जिस भी मरीज

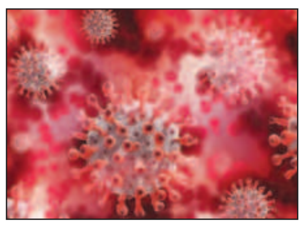

में दिखें। उनके संबंध में तत्काल इंटीग्रेटेड हेल्थ इंफॉर्मेशन सेंटर में रिपोर्ट करें। वहीं, इस कंडीशन में दी जाने वाली दवाइयों से जो मरीज ठीक हो, उनकी स्क्रीनिंग की जाए। और तत्काल उनके सैंपल कोविड-19 जांच के लिए भेजा जाए। जरूरत पड़े तो जीनोम सीक्वेंसिंग के सैंपल एम्स, रायपुर भी भेजे जा सकते हैं। वहीं मितानिनों के माध्यम से समुदाय स्तर पर ऐसे लक्षणों की रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। इसके साथ ही अस्पतालों में जरूरी दवाइयों और सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

रांची के लापुंग थाना प्रभारी पर हमला

अस्पताल में किया गई एडमिट, उग्रवादी संगठन में रह चुके शख्स का हमले में हाथ

रांची, 3 जून (एजेंसियां)। झारखंड में रांची जिले के लापुंग थाना क्षेत्र में लोगों की ओर से जमकर हंगामा किया गया है। इसके साथ ही थाना प्रभारी पर हमला कर दिया। साथ ही कुछ जवानों के साथ मारपीट की गई है। जिसमें कुछ जवान घायल हो गए है। घायल थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव और एक कांस्टेबल को बेहतर इलाज के लिए राज अस्पताल में भर्ती किया गया है।

राज अस्पताल में भर्ती घायल पुलिसकर्मियों को देखने पहुंचे जिले के डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि जिस तरह बेड़ो की घटना में बाहरी लोग शामिल है। कुछ उसी तरह लापुंग की घटना में बाहरी लोगों की संलिप्तता की जानकारी मिल रही है। वहीं इस पूरे मामले में शामिल मुख्य आरोपी उग्रवादी गिरोह से रह चुका है। उन्होंने बताया कि एक जमीन के टुकड़े को लेकर विवाद चल रहा था। जिसे सुलझाने पहुंचे थाना प्रभारी

और पुलिसकर्मी पर स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया। जिससे वह घायल हो गए हैं। उनका इलाज चल रहा है।

उन्होंने बताया कि जमीन पर कब्जा करने के लिए गिरोह की तरह कुछ लोग काम कर रहे हैं। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। लापुंग इलाके में एक जमीन विवाद को सुलझाने पहुंचे थाना प्रभारी पर हमला कर दिया गया। इससे पहले भी बीते शनिवार को बेड़ो के महादानी मंदिर के आपस एक जमीन विवाद को लेकर बेड़ो थाने पर सैकड़ों स्थानीय लोगों की ओर से हमला किया गया था। जिसमें थाने परिसर में रखे सामान में तोड़फोड़ की गई थी और कागजात को नुकसान पहुंचाया गया था। इस मामले में 35 नामजद समेत 500 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इसको लेकर जिले के डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया है कि बेड़ो थाने में हमले के मामले में शामिल लोगों में कुछ लोग मध्य प्रदेश छिंदवारा के रहने वाले हैं।

14.73 लाख की साइबर ठगी का खुलासा

तीन आरोपी इंदौर से गिरफ्तार, स्टॉक मार्केट में अधिक मुनाफा दिलाने का दिया था झांसा

बोकारो, 3 जून (एजेंसियां)। बोकारो साइबर अपराध थाना ने एक बड़ी साइबर ठगी का खुलासा करते हुए इंदौर (मध्य प्रदेश) से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि उत्तम कुमार सिन्हा से 1 दिसंबर 2024 को आयुषी जैन, अंश जैन एवं अन्य साइबर अपराधियों ने स्टॉक मार्केट में अधिक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर कुल 14 लाख 73 हजार रुपए की ठगी की थी।

आरोपियों ने मेटा ट्रेडर 5 एवं मेटा ट्रेडर 5 प्रो जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग कर फर्जी निवेश योजना के माध्यम से ठगी को अंजाम दिया।

इस मामले में साइबर अपराध थाना, बोकारो कांड संख्या 10/2025 दिनांक 28.03.2025 के तहत बीएनएस की धारा 111/318(4)/336(3)/338 एवं आईटी एक्ट की धारा 66(बी)/66(सी)/86(डी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

जांच टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इंदौर से गौरव जुनी उर्फ गौरव पांचाल उर्फ आशीष यादव उर्फ सूरज, निहाल सोनोने और पारस मरमत को गिरफ्तार किया।

बोकारो स्टील प्लांट में बड़ा हादसा

हॉट मेटल गिरने से 5 मजदूर झुलसे, अस्पताल में भर्ती एक श्रमिक की हालत गंभीर

बोकारो, 3 जून (एजेंसियां)। झारखंड में बोकारो स्टील सिटी स्थित स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के बोकारो स्टील प्लांट में गंभीर औद्योगिक हादसा हुआ। इस हादसे में स्टील मेल्टिंग शॉप-2 में काम कर रहे पांच ठेका मजदूर झुलस गए।

दरअसल, स्टील मेल्टिंग एसएमएस शॉप-2 में सोमवार को अचानक से हॉट मेटल नीचे गिर पड़ा, जिससे वहां काम कर रहे कर्मचारियों में भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। इसकी चपेट में आने से पांच मजदूर बुरी तरह से झुलस गए। आनन-फानन में सभी घायल मजदूरों को प्लांट मेडिकल यूनिट ले जाया गया। लेकिन प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी मजदूरों को बोकारो जनरल हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया है।

प्लांट में झुलसे मजदूरों की पहचान नंदकिशोर, रुपलाल गोराई, आनंद मंडल, समर कुमार और छोटेलाल मांझी के रूप में हुई है। फिलहाल सभी का इलाज बीजीएच में चल रहा है और एक मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सुरक्षा इंतजामों की लापरवाही पर प्लांट के कर्मचारियों ने नाराज़गी जताते हुए कहा है कि इस प्रकार की घटनाएं लगातार हो रही हैं, लेकिन बीएसएल प्रबंधन सुरक्षा की ओर से अनदेखी कर रहा है, कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही बीएसएल के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायज़ा लेते हुए अस्पताल के डॉक्टरों को बेहतर इलाज का निर्देश दिया है।

बोकारो स्टील प्लांट में हुई इस घटना ने एक बार फिर से औद्योगिक सुरक्षा मानकों पर कई सवाल उठ खड़े हुए है। प्लांट प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन आतंरिक जांच शुरू होने की जानकारी मिली है।

अरपा-भैंसाझार 3.42 करोड़ का मुआवजा घोटाला, आरटीओ सस्पेंड

एसडीएम रहते हुए प्रोजेक्ट में गड़बड़ी के आरोप, आरआई को किया गया था बर्खास्त

रायपुर, 3 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शासन ने बिलासपुर आरटीओ आनंद रूप तिवारी को सस्पेंड कर दिया है। बिलासपुर के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) रहते हुए तिवारी पर अरपा भैंसाझार, चकरभाटा, नहर निर्माण के लिए की गई भू-अर्जन की कार्रवाई में गड़बड़ी करने के आरोप थे।

तिवारी के सस्पेंशन ऑर्डर में यह भी कहा गया है कि इसकी वजह से सरकार को आर्थिक क्षति हुई है। अधिकारी की हरकत छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम के प्रावधानों के अनुरूप नहीं थी। कर्तव्य के प्रति गंभीर लापरवाही और उदासीनता बरती गई है। इस वजह से एक्शन लिया गया है। बता दें कि तिवारी कांग्रेस सरकार के समय एसडीएम थे।

बिलासपुर के अरपा भैंसाझार परियोजना में एक ही खसरे का अलग-अलग रकबा दिखाकर मुआवजा बांटने में 3 करोड़ 42 लाख 17 हजार 920 रुपए की अनियमितता की गई। तब कोटा के तत्कालीन एसडीएम आनंद रूप तिवारी, कीर्तिमान सिंह राठौर समेत अन्य अफसरों को दोषी पाया गया था, लेकिन किसी पर कार्रवाई नहीं की गई थी। राठौर इस वक्त रायपुर में अपर कलेक्टर हैं।

इस मामले में दोबारा जांच के बाद आरआई मुकेश साहू को बर्खास्त कर दिया है। वहीं, दोषी अफसरों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए शासन से अनुशंसा की गई है। मामला सामने आने पर तत्कालीन कलेक्टर सौरभ कुमार की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने जांच की थी।

तब तत्कालीन कोटा एसडीएम आनंद रूप तिवारी, कीर्तिमान सिंह राठौर, तत्कालीन नायब तहसीलदार मोहर साय सिदार, तत्कालीन राजस्व निरीक्षक राहुल सिंह, तत्कालीन पटवारी दिलशाद अहमद, मुकेश साहू के अलावा जल संसाधन विभाग के तत्कालीन कार्यपालन अभियंता आरएस नायडु, अशोक तिवारी, तत्कालीन एसडीओ तखतपुर राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, आरपी द्विवेदी, उप अभियंता तखतपुर आरके राजपूत को जिम्मेदार माना गया था।

पहले रात 3 बजे युक्तियुक्तकरण काउंसलिंग के लिए बुलाया

अब दोपहर 3 बजे किया गया समय, बिलासपुर में सुबह 5 बजे अतिशेष-शिक्षकों की लिस्ट जारी

बिलासपुर, 3 जून (एजेंसियां)। बिलासपुर में कल यानी 4 जून को रात 3 बजे अतिशेष शिक्षकों (स्कूल में स्वीकृत पद से अधिक संख्या में पोस्टेड शिक्षक) के युक्तियुक्तकरण के लिए होने वाली काउंसलिंग की टाइमिंग बदल दी गई है। अब काउंसलिंग दोपहर 3 बजे होगी। आज सुबह 5 बजे ही अतिशेष शिक्षकों की लिस्ट जारी कर दी गई है, जिसे गोपनीय तरीके से विभाग ने शिक्षकों तक वॉट्सएप के जरिए पहुंचाया गया।

वहीं जारी अतिशेष शिक्षकों की सूची को लेकर विवाद हो गया है। शिक्षकों ने नियमों को दरकिनार कर लिस्ट जारी करने का आरोप लगाया है। उनके मुताबिक चहेतों को लाभ पहुंचाने दावा आपत्ति का भी समय नहीं दिया गया।

बता दें कि जारी लिस्ट में बिल्हा ब्लॉक में 62 व्याख्याता शामिल हैं। वहीं, जिले में करीब 800 शिक्षक अतिशेष हैं, जिनका युक्तियुक्तकरण करने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, अभी तक विभाग ने रिक्त पदों को सार्वजनिक नहीं किया है।

बगैर अतिशेष और रिक्त पदों की जानकारी के काउंसलिंग की प्रक्रिया को लेकर शिक्षक साझा मंच ने बड़े खेल होने का आरोप लगाया है। संघ का कहना है कि इसमें पारदर्शिता का अभाव है।

दरअसल, लोक शिक्षण संचालनालय से सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी किया है, जिसमें 28 मई तक अतिशेष शिक्षकों का परीक्षण कर 4 जून तक पदस्थापना आदेश जारी करने के निर्देश दिए हैं।

इससे पहले यह निर्देश दिए गए थे कि काउंसलिंग और पदस्थापना की जानकारी निर्धारित प्रपत्र में 8 जून तक संचालनालय को भेजी जाए। लेकिन, 2 जून तक जिले में किसी भी शिक्षक की काउंसलिंग नहीं हुई है। तय समय पर यह प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर डीईओ के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

दरअसल, जारी आदेश के अनुसार 28 मई को विकासखंड स्तर पर अतिशेष शिक्षकों की जानकारी एकत्र करनी थी। 29 मई को सूची का परीक्षण जिला स्तरीय समिति से कराना था। 30 मई को विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को काउंसलिंग की सूचना प्रसारित करनी थी।

2 जून को प्राचार्य, व्याख्याता, प्रधानपाठक (पूर्व माध्यमिक) और शिक्षक ई-संवर्ग की काउंसलिंग होनी थी। 3 जून को प्रधानपाठक (प्राथमिक), सहायक शिक्षक विज्ञान, सहायक शिक्षक लैब ई-संवर्ग और टी-संवर्ग की काउंसलिंग तय थी। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने पूरा कार्यक्रम तैयार कर लिया था, लेकिन इसे सार्वजनिक नहीं किया गया।

इधर, शिक्षक साझा मंच के प्रदेश संचालक संजय शर्मा ने आरोप लगाया है की शिक्षा विभाग में काउंसलिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है, अधिकारी मनमर्जी कर रहे हैं। संजय शर्मा ने शिक्षा सचिव से आग्रह किया है की युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पारदर्शितापूर्वक पूर्ण नहीं की जा रही है, इसलिए इस पर आवश्यक निर्देश जारी किया जाए।

संजय के मुताबिक शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय स्कूलों के साथ जिन स्कूलों में पोस्टिंग किया जाना है। उनकी सूची सोशल साइट पर और कार्यालय के बाहर चस्पा किया जाना चाहिए। काउंसलिंग के दौरान सारे पदों को सार्वजनिक करना चाहिए, जिनका नाम काउंसलिंग में बुलाया जा रहा है, उन्हें ही एकल शिक्षकीय और शिक्षक विहीन स्कूलों में पोस्टिंग किया जाना चाहिए।

18 लोगों से डेढ़ करोड़ की ठगी

बैंक खाते खुलवाकर पैसे लेता, हर एक लेन-देन में 10% कमीशन, ठग गिरफ्तार

कबीरधाम, 3 जून (एजेंसियां)। कबीरधाम जिले में म्यूल अकाउंट से डेढ़ करोड़ की ठगी का मामला सामने आया है। ग्राम सूरजपुरा के रहने वाले मोहन लाल जायसवाल ने अपने परिजनों के नाम से 18 लोगों से ठगी की है। आरोपी ने टेलीग्राम जैसे ऑनलाइन प्लेट फॉर्म के माध्यम से साइबर अपराधियों के संपर्क में आकर ठगी की। मामला बोड़ला थाना क्षेत्र का है। आरोपी लोगों के बैंक खाते खुलवाकर पैसे लेता था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि मोहन लाल एचके पे और एसी पे जैसे टेलीग्राम से जुड़कर घर बैठे पैसे कमाने के लालच में आकर यह काम किया है।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। ठग लोगों से पैसे लेकर आगे बताए गए खातों में ट्रांसफर कर देता था, जिससे प्रत्येक लेन देन पर 10 प्रतिशत कमीशन लेता था।

फुटबॉल खेलकर लौट रहे भाई-बहन को कार ने रौंदा

बच्ची की मौत, मां बेसुध हुई, पुलिस जांच करने गई तो सभी सीसीटीवी खराब मिले

भिलाई, 3 जून (एजेंसियां)। भिलाई में राजेश पटेल स्पोर्ट परिसर से फुटबाल खेलकर लौट रहे भाई बहन को एक कार ने टक्कर मार दी थी। दुर्घटना के बाद 2 जून को बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने भट्ठी थाने का घेराव कर दिया। उन्होंने कार ड्राइवर की गिरफ्तारी की मांग की। साथ ही कहा कि पुलिस और नेता आरोपी को बचाने में लगे हुए हैं। जांच के दौरान आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरे खराब मिले हैं।

29 मई की सुबह 10 साल की अंशिका और उसका 8 साल का भाई अंकुश रोज की तरह सेक्टर 1 फुटबाल ग्राउंड फुटबाल खेलने गए थे। जब वो वहां से साइकिल से अपने घर बापू नगर खुर्सीपार लौट रहे थे, तभी गैरेज रोड में एक तेज रफ्तार कार सवार ने उन्हें टक्कर मार दी और चालक फरार हो गया।

दुर्घटना में अंशिका और अंकुश दोनों को गहरी चोट आई थी। दोनों को लहूलुहान हालत में पास के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला पहुंचाया गया। वहां अंशिका को गंभीर हालत के चलते पहले ही बीएम शाह हॉस्पिटल फिर रामकृष्ण केयर फिर श्री शंकराचार्य हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। वहीं अंकुश को कम चोट आने से वो खतरे से बाहर है।

सोमवार को इलाज के दौरान अंशिका ने दम तोड़ दिया। इसके बाद गुस्साए परिजनों ने भट्ठी थाने का घेराव किया। परिजनों ने आरोप लगाया कि 5 दिन बीतने के बाद भी पुलिस आरोपी कार चालक का पता नहीं कर पाई है।

समय पर सही इलाज ना मिल पाने से उनकी बच्ची की मौत हो गई है। परिजनों ने कहा कि पुलिस, नेता और अन्य जिम्मेदार सभी लोग गरीब की नहीं सुन रहे हैं। वो लोग कार चालक को बचाने में लगे हुए हैं। अगर सही से कार्य करते तो कार चालक अब तक उनकी गिरफ्त में होता।

अंशिका और अंकुश के मामा विनय कुमार गौतम ने कहा कि वो थाने का घेराव करने इसलिए आए हैं कि अब तक आरोपी कार चालक पकड़ा नहीं गया। पुलिस कह रही है कि गैरेज रोड में लगे सभी कैमरे खराब हैं। उन्होंने कहा कि ये कैमरे लाखों की लागत से लगाए गए थे। इसमें कैमरा लगाने वाले ठेकेदार की लापरवाही है। उन्होंने पुलिस से मांग की है कि वो कैमरा लगाने वाले ठेकेदार के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करें। अगर वो सभी कैमरों को ठीक रखता तो आरोपी कार चालक का पता चल गया होता, या शायद ये दुर्घटना नहीं होती और बच्ची जिंदा होती।

बापू नगर की वार्ड पार्षद सरिता देवी भी थाना घेराव में पहुंची। उन्होंने कहा कि आरोपी कार चालक अब तक फरार है। पुलिस उसे पकड़ नहीं पा रही है। उनकी यही मांग है कि कार चालक को पकड़े और उससे पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिलवाएं।

कुएं में गिरा बेबी एलिफेंट

बाहर निकालने चिंघाड़ कर सूंड घुमाते रहा, रेस्क्यू होते ही जेसीबी के बकेट को पकड़ा

रायगढ़, 3 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हाथी का शावक जंगल से निकलकर गांव के करीब आया और अचानक कुएं में गिर गया। सुबह उसकी चिंघाड़ने की आवाज सुनकर लोगों को घटना की जानकारी हुई। जिसके बाद वन अमले ने रेस्क्यू शुरू किया और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद उसे कुएं से बाहर निकाला गया।

हाथी का शावक एक साल का होगा, जो रात में अपने झुंड के साथ छाल रेंज की ओर से चारमार बीट में आया। यहां जंगल से निकलकर शावक गांव के करीब पहुंचा और वह एकाएक बल्लभो गुप्ता के कुएं में गिर गया। सुबह होते तक उसका झुंड वापस छाल रेंज की ओर चले गया। सुबह शावक चिंघाड़ने लगा। ऐसे में महुआ बिनने जाने वाले ग्रामीणों ने आवाज को सुनकर जब कुएं में झांका, तो उन्होंने शावक को देखा।

घटना की जानकारी वन अमला को भी दी गई। जिसके बाद एसडीओ, रेंजर समेत घरघोड़ा वन अमला मौके पर पहुंचा और तुरंत ही रेस्क्यू शुरू किया गया। इस दौरान काफी संख्या में ग्रामीण यहां मौजूद थे, लेकिन वन अमले ने एक सुरक्षा घेरा बनाकर शावक को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया।

इस दौरान हाथी कुएं से बाहर निकलने के लिए अपने सूंड को घुमाता रहा। वन अमला द्वारा जेसीबी से कुएं को एक ओर से खुदाई करते हुए मिट्टी डालना शुरू किया। ऐसे में करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद हाथी शावक कुएं से बाहर निकला गया।

बाहर निकलते ही हाथी का शावक ने जेसीबी के बकेट को पकड़ने की कोशिश करने लगा। इसके बाद उसने जंगल की ओर दौड़ लगा दी। ऐसे में विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी उसके पीछे चलने लगे। ताकि उसे उसके झुंड से मिलाया जा सके।

घरघोड़ा सबडिवीजन के एसडीओ मनमोहन मिश्रा ने बताया कि रात में झुंड घरघोड़ा रेंज के नवापारा सर्किल के चारमार बीट में आए थे।

बर्फ फैक्ट्री में ऑक्सीजन सिलेंडर फटा, मालिक की मौत

4 लोग गंभीर रूप से झुलसे, बर्फ लेने आए थे ग्राहक, घायल अस्पताल में भर्ती

रायगढ़, 3 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बर्फ फैक्ट्री में ऑक्सीजन सिलेंडर फट गया है, जिसकी चपेट में आने से फैक्ट्री मालिक की मौत हो गई। वहीं 4 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। ये सभी बर्फ लेने आए थे।

मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक हादसा दोपहर करीब डेढ़ बजे हुआ है। बर्फ फैक्ट्री के मालिक का नाम सजंय सहगल (43) है, जिसकी मौत हो गई। वहीं घायल का नाम अमन पटेल बताया जा रहा है, जो फैक्ट्री में काम करता था।

इसके साथ ही 3 अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जो फैक्ट्री में बर्फ लेने के लिए आए थे। घायलों को फौरन नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है। आगे की जांच में जुटी है।

अवैध खदान से 13 दिन बाद निकाले गए तीन शव

130 फीट गहराई में दबी थी मजदूरों की लाश, एनडीआरएफ नहीं कर पाई रेस्क्यू

हजारीबाग, 3 जून (एजेंसियां)। हजारीबाग में 21 मई को नदी में तेज बहाव से अवैध खदान में डूबे तीन मजदूरों का शव सोमवार की रात बाहर निकाल लिया गया।

घटना के 13वें दिन मजदूरों का शव दिखा तो ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी और खुद ही उन्हें बाहर निकाल लिया।

इससे पहले एनडीआरएफ की टीम भी आई थी पर शवों की तलाश में असफल रही थी। एनटीपीसी के सहयोग से लगातार पंप लगाकर पानी की निकासी की वजह से शव दिखे। शवों की पहचान प्रमोद शाह (45), उमेश कुमार (25) और नौशाद अंसारी (25) के रूप में की गई।

दरअसल, घटना के दिन दोपहर में तेज आंधी के साथ बारिश हुई थी।

इसके बाद खावा नदी में अचानक बाढ़ आ गई और तीनों मजदूर उसमें बहते हुए अवैध खदान में डूब गए थे।

इसके बाद पंप से खदान से पानी निकालने का कार्य शुरू किया गया। केरेडारी पुलिस ने शवों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग में पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। मृतकों के परिजनों ने सरकार से नौकरी और मुआवजे की मांग की है। स्थानीय लोगों में प्रशासन की उदासीनता को लेकर आक्रोश है। उनका कहना है कि सरकारी एजेंसियों के विफल होने के बाद ग्रामीणों ने अपनी जान जोखिम में डालकर यह काम पूरा किया। बताया जा रहा है कि खावा नदी में दर्जनों नए-पुराने अवैध खदान हैं। इसमें सुरंग है।

तीनों पानी की धार के साथ माइंस के अंदर चले गए थे।

पाकिस्तान में 17 साल की टिकटॉक स्टार सना की हत्या

बर्थडे पर घर में घुसकर गोली मारी, मेहमान बनकर आया था हमलावर

इस्लामाबाद, 3 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सना यूसुफ की उनके ही घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना इस्लामाबाद के जी-13 इलाके में हुई। गोली मारने के बाद हमलावर फरार हो गया।

17 साल की सना यूसुफ मूल रूप से चित्राल की रहने वाली थीं। वह सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय थीं। सना कॉमेडी, लाइफस्टाइल, कल्चरल अवेयरनेस और एजुकेशनल मैसेज से जुड़े पोस्ट करती थीं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सना के जन्मदिन पर एक शख्स रिश्तेदार बनकर घर में घुसा था। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने पहले सना से घर के बाहर कुछ देर बात की और फिर घर के अंदर आकर गोलियां चलाईं। सना को बहुत नजदीक से दो गोलियां लगीं, जिसके बाद उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद सना को तुरंत पीआईएमएस अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद सना का अंतिम संस्कार इस्लामाबाद के एच-8 कब्रिस्तान में किया गया।

सना की मां फरजाना यूसुफ ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति उनके घर में घुस आया था। उसने उनकी बेटी पर दो गोलियां चलाईं। उन्होंने कहा कि अगर हत्यारा उनके सामने आता है तो वह उसे पहचान सकती हैं।

टिकटॉक पर सना के 7.25 लाख और इंस्टाग्राम पर करीब 5 लाख फॉलोअर्स हैं। उनके लुक की वजह से लोग उनकी तुलना मशहूर अभिनेत्री हानिया आमिर से भी करते थे। फिलहाल सना मेडिकल की तैयारी कर रही थीं।

पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने घटनास्थल से सबूत इकट्ठा किए हैं और इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। हत्या के पीछे की वजह अभी तक साफ नहीं हो सकी है।

फिलहाल संदिग्ध की पहचान और गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। पुलिस ने कहा कि वे सभी संभावित कारणों को ध्यान में रख रहे हैं, जिसमें ऑनर किलिंग की आशंका भी शामिल है।

हालांकि, शुरुआती जांच में यह साफ नहीं हो पाया है कि उनकी हत्या के पीछे असली वजह क्या थी। पुलिस इस मामले की हर दिशा से जांच कर रही है, जिसमें आपसी रंजिश, निजी विवाद या कोई और वजह भी हो सकती है।

सना की हत्या की खबर जैसे ही फैली, पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर कई सोशल मीडिया यूजर्स ने न सिर्फ दुख जताया है, बल्कि पाकिस्तान में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता भी जताई है।

कुछ लोग सना यूसुफ को इंसाफ दिलाने की मांग कर रहे हैं, जबकि बहुत से कट्टरपंथी सना ही हत्या पर खुशी जाहिर कर रहे हैं।

इस मामले की तुलना जनवरी में हुए एक अन्य केस से की जा रही है, जिसमें क्वेटा में एक लड़की को उसकी सोशल मीडिया पोस्ट के चलते मार दिया गया था।

साउथ कोरिया में राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग जारी

तीन घंटे में 9.2% वोटिंग, डेमोक्रेटिक पार्टी और पीपुल पावर पार्टी में मुकाबला, रिजल्ट आएगा

सियोल, 3 जून (एजेंसियां)। साउथ कोरिया में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मंगलवार सुबह 6 बजे (भारतीय समयानुसार देर रात 2:30 बजे) से राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग जारी है। शुरुआती तीन घंटों में ही लगभग 9.2% यानी 40 लाख से अधिक मतदाता वोट डाल चुके हैं।

इस चुनाव में वामपंथी रुझान वाली डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया (डीपीके) और दक्षिणपंथी पीपुल पावर पार्टी (पीपीपी) के बीच मुकाबला है। वोटिंग भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे तक चलेगी, जिसका रिजल्ट 4 जून को आएगा।

यह चुनाव ऐसे समय में हो रहा है जब ठीक छह महीने पहले पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल ने देश में मार्शल लॉ की घोषणा कर दी थी। इससे देश में राजनीतिक और आर्थिक संकट पैदा हुआ।

इसके अलावा साउथ कोरिया आंतरिक राजनीतिक अस्थिरता के साथ-साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी और टैरिफ, उत्तर कोरिया से तनाव और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन के साथ ठंडे रिश्तों के संकट से जूझ रहा है।

वैसे तो साउथ कोरिया में 2027 में चुनाव होने थे, लेकिन पीपीपी पार्टी के यून सुक योल को पिछले साल दिसंबर में मार्शल लॉ लगाने की वजह से राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया था।

यून सुक योल ने मार्शल लॉ लगाने के पीछे राज्य-विरोधी ताकतों और उत्तर कोरिया से खतरे का हवाला दिया था। हालांकि जल्द ही यह साफ हो गया था कि उन्होंने मार्शल लॉ सिर्फ अपनी राजनीतिक परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए लगाया था।

एक हफ्ते बाद, संसद ने उन पर महाभियोग लगाया। 4 अप्रैल को, संवैधानिक अदालत ने उनका महाभियोग बरकरार रखा और उन्हें स्थायी तौर पर पद से हटा दिया। इसके बाद कानून के मुताबिक 60 दिन में चुनाव कराना अनिवार्य हो गया था।

जनता डायरेक्ट वोटिंग के जरिए राष्ट्रपति का चुनाव करती है। राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच साल होता है, वे दूसरा कार्यकाल नहीं ले सकते। यह नियम 1987 में लागू हुआ। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों को इलेक्शन कैंपेन के लिए सिर्फ 23 दिन का टाइम मिलाता है। ताकि चुनाव में फिजूल खर्ची रोकी जा सके।

दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति चुनाव में एक ही दौर की वोटिंग होती है। सबसे ज्यादा वोट पाने वाला उम्मीदवार विजेता घोषित होता है।

इस बार के चुनाव में राष्ट्रपति पद के लिए कोई महिला उम्मीदवार नहीं है। यह 18 साल में पहली बार है। 2012 में चार महिलाओं ने राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा लिया था।

इस बार के इलेक्शन कैंपेन में के-पॉप जैसे कोरियोग्राफ डांस और हिप-हॉप म्यूजिक का इस्तेमाल हुआ।

दक्षिण कोरिया में 4.24 करोड़ वोटर्स है, जो देश कि कुल आबादी का 82% है। इनमें से 50.5% महिलाएं हैं।

अप्रवासन के मुद्दे पर संकट में नीदरलैंड सरकार

धुर दक्षिणपंथी गीर्ट विल्डर्स ने वापस लिया समर्थन

हेग, 3 जून (एजेंसियां)। नीदरलैंड के धुर दक्षिणपंथी नेता गीर्ट विल्डर्स ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया है, जिसके बाद नीदरलैंड की गठबंधन सरकार पर संकट के बादल मंडरा गए हैं और सरकार अल्पमत में आ गई है। विल्डर्स ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में सरकार से समर्थन वापस लेने की घोषणा की। गठबंधन सरकार में चार पार्टियां शामिल थीं, अब सिर्फ तीन रह गई हैं। दरअसल बीते हफ्ते विल्डर्स ने सरकार से मांग की थी कि अप्रवासन को तेजी से कम करने के लिए 10 बिंदू योजना पर हस्ताक्षर करे।

इस योजना में विल्डर्स ने देश की सीमाओं की रक्षा और अवैध अप्रवासन को रोकने के लिए सेना की तैनाती की भी मांग की है। उनका कहना है कि अगर अप्रवासन नीति को सख्त नहीं किया गया तो उनकी पार्टी सरकार से अपना समर्थन वापस ले लेगी। नीदरलैंड सरकार पर संकट के बादल ऐसे वक्त मंडरा रहे हैं, जब नीदरलैंड तीन हफ्ते बाद ही हेग में नाटो नेताओं की अहम बैठक होनी है। सोमवार को रात को गठबंधन के नेताओं की बैठक हुई, जिसमें गीर्ट विल्डर्स भी शामिल हुए। बैठक के बाद विल्डर्स ने कहा था कि 'कल फिर से बैठक होगी, लेकिन हालात ठीक नहीं लग रहे हैं।' विल्डर्स के बयान से साफ है कि सहमति नहीं बन पाई और आखिरकार विल्डर्स ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया। गीर्ट विल्डर्स एक धुर दक्षिणपंथी नेता हैं, जो नीदरलैंड में इस्लाम और अप्रवासन नीति के बड़े विरोधी हैं।

पहलगाम हमले के आतंकी के बचाव में पाकिस्तानी नेता

पंजाब असेंबली के स्पीकर बोले- भारत ने बिना जांच के सैफुल्लाह को जिम्मेदार ठहराया

इस्लामाबाद, 3 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान की पंजाब असेंबली के स्पीकर मलिक अहमद खान ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के आरोपी और लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर सैफुल्लाह खालिद का बचाव किया है।

मलिक ने 1 जून को मीडिया को दिए बयान में कहा, भारत ने बिना किसी जांच के सैफुल्लाह को पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार ठहराया है। भारतीय अधिकारियों ने हमले के कुछ ही दिनों के भीतर सैफुल्लाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी, लेकिन उनके पास इस आरोप का कोई सबूत नहीं है।

पाकिस्तान के पंजाब में 28 मई को एक कार्यक्रम के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों और कई नेताओं को एक ही मंच पर देखा गया। इस कार्यक्रम में पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड सैफुल्लाह कसूरी, लश्कर का को-फाउंडर आमिर हमजा और हाफिज सईद का बेटा तल्हा सईद भी मौजूद था।

इन आतंकियों के साथ मंच साझा करने वालों में पाकिस्तान के फूड मिनिस्टर मलिक राशिद अहमद खान और पंजाब विधानसभा के स्पीकर मलिक मुहम्मद अहमद खान शामिल थे।

ये सभी 28 मई को न्यूक्लियर टेस्ट की 27वीं सालगिरह पर पंजाब में आयोजित कार्यक्रम में थे। इस दौरान इन नेताओं और आतंकियों ने भारत के खिलाफ भड़काऊ भाषण दिए और खालिस्तान के समर्थन में नारे लगाए।

आतंकी सैफुल्लाह ने कार्यक्रम में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारे गए आतंकवादियों को शहीद भी कहा था। उसने दावा किया कि इस हमले के बाद उसे पूरी दुनिया जानने लगी है। उसने कहा, मुझे पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड बताया गया। उन्होंने हमारा नाम इतनी बार ले लिया है कि अब मेरा नाम पूरी दुनिया में मशहूर हो गया है।

पाकिस्तानी पत्रकार ताहा सिद्दीकी ने एक्स पर हमजा का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह यह कहते हुए सुनाई दे रहा है, कश्मीर पाकिस्तान बनेगा, जम्मू पाकिस्तान बनेगा, भारतीय पंजाब खालिस्तान बनेगा।

सैफुल्लाह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के रावलकोट का रहने वाला है। वहीं से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों को ऑपरेट कर रहा था। उसने मार्च में एक भाषण दिया था, जिसका वीडियो भी सामने आया था।

इसमें वह सख्त लहजे में पाकिस्तान सरकार से कश्मीर मुद्दा शांत न पड़ने देने की बात कह रहा है। सैफुल्लाह का ये भाषण मार्च 2025 का बताया जा रहा है। हालांकि, इसकी तारीख और लोकेशन का पता नहीं है।

भारत की राष्ट्रीय भाषा क्या है?

स्पेन में कनिमोझी से किया गया सवाल, जवाब पर खूब बजीं तालियां

मैड्रिड, 3 जून (एजेंसियां)। डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि के नेतृत्व वाला सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल फिलहाल स्पेन दौरे पर है। स्पने में एक कार्यक्रम के दौरान कनिमोझी से पूछा गया कि भारत की राष्ट्रीय भाषा क्या है? इस पर डीएमके सांसद ने जो जवाब दिया, उसे सुनकर वहां मौजूद सभी लोग तालियां बजाने लगे। इस दौरान डीएमके सांसद ने कहा कि हमारे देश में बहुत कुछ किया जाना बाकी है और हम ये करना भी चाहते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से हमारा ध्यान भटकाया जा रहा है।

कनिमोझी ने जवाब से की बोलती बंद

स्पेन में भारतीय समुदाय के लोगों से सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। साथ ही आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने और आवाज उठाने की अपील की गई। इसी दौरान एक व्यक्ति ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहीं डीएमके सांसद कनिमोझी से सवाल किया कि भारत की राष्ट्रीय भाषा क्या है?

गौरतलब है कि तमिलनाडु की डीएमके सरकार और केंद्र सरकार के बीच भाषा को लेकर विवाद हो रहा है। खासकर नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के तहत तीन भाषा फार्मूले पर डीएमके सरकार विरोध कर रही है।

बांग्लादेश के नोटों से क्यों हटाई गई बंगबंधु मुजीबुर रहमान की तस्वीर

भारत के लिए क्या है संदेश?

ढाका, 3 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार धीरे-धीरे बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की विरासत को खत्म करने में जुटी है। अब इसी कड़ी में बांग्लादेशी सरकार ने अपने नोटों से बंगबंधु की तस्वीर हटा दी है। सोमवार को बांग्लादेश की आंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने नए नोटों का अनावरण किया। जल्द ही ये नए नोट सर्कुलेशन में आ जाएंगे। नए नोटों पर बंगबंधु की तस्वीर गायब है।

शेख मुजीबुर रहमान की विरासत को किया जा रहा खत्म

मोहम्मद यूनुस सरकार के विरोधी इस कदम को शेख मुजीबुर रहमान की विरासत खत्म करने की कोशिश का हिस्सा बता रहे हैं। इससे पहले बांग्लादेश की अंतरिम सरकार इतिहास की किताबों में भी बदलाव कर चुकी है, जिनमें बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई में शेख मुजीबुर रहमान के योगदान को धुंधला किया जा रहा है। साथ ही मौजूदा बांग्लादेश सरकार में शेख मुजीबुर रहमान की कई जगहों पर प्रतिमाओं को भी तोड़ा गया है। साल 1971 से ही बांग्लादेश के सभी नोटों पर शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर थी, लेकिन अब इसे हटाकर उनकी जगह बांग्लादेश की ऐतिहासिक स्थलों की तस्वीर छापी गई है।

दुनिया के सामने खुद की छवि सुधारने की कोशिश

जिन ऐतिहासिक स्थलों की तस्वीर नोटों पर छापी गई है, उनमें इस्लाम से जुड़े स्थलों के अलावा हिंदू और बौद्ध धर्म के मंदिरों को भी शामिल किया गया है। सरकार का इस बदलाव के पीछे तर्क है कि यह राष्ट्रीय प्रतीकों का अराजनीतिकरण है। बांग्लादेश की मुद्रा पर इस्लामिक ऐतिहासिक स्थलों के अलावा हिंदू और बौद्ध धर्म से जुड़े स्थलों की तस्वीरों को अंतरराष्ट्रीय दबाव से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार बढ़े हैं। जिसके चलते बांग्लादेश की सरकार पर अंतरराष्ट्रीय दबाव भी है। मुद्रा पर ऐतिहासिक स्थलों की तस्वीर को इस दबाव को कम करने की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा है। अभी 1000, 50 और 20 टका के नोट जारी किए गए हैं। बांग्लादेश बैंक के प्रवक्ता ने बताया कि अभी शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर वाले नोट और सिक्के भी चलन में रहेंगे।

भारत के लिए क्या संदेश

बांग्लादेश से शेख मुजीबुर रहमान की विरासत को खत्म करने की कोशिश बांग्लादेश में बदलते राजनीतिक परिदृश्य का सबूत है। यह बांग्लादेश की जनता के मन में शेख हसीना सरकार के लिए गुस्सा दिखाता है। साथ ही शेख मुजीबुर रहमान की विरासत को खत्म करने की कोशिश, बांग्लादेश में अवामी लीग की वापसी की कोशिश को खत्म करना भी है।

ये भी बताता है कि बांग्लादेश में चरमपंथी, भारत विरोधी और शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग विरोधी भावना को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे स्पष्ट संदेश है कि भारत को अब बांग्लादेश की तरफ से भी सावधान रहना होगा। जिस तरह से बांग्लादेश में आतंकी संगठनों को समर्थन दिया जा रहा है, उससे भारत की चिंता बढ़ना स्वभाविक है।

नेपाल में राजशाही समर्थक आंदोलन कुचलने की तैयारी

गिरफ्तारी के डर से नेता अंडरग्राउंड हुए आंदोलन में शामिल 61 लोगों पर मुकदमा दर्ज

काठमांडू, 3 जून (एजेंसियां)। नेपाल की सड़कों पर राजशाही की बहाली और हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर उठती आवाजें अब सरकार के निशाने पर हैं। बीते पांच दिनों से जारी इस आंदोलन के तेज होने से सत्ता के गलियारों में बेचैनी भी बढ़ा रही है।

अब पीएम केपी शर्मा ओली की सरकार ने इस आंदोलन को कुचलने की खुली तैयारी कर ली है। काठमांडू के रिंग रोड क्षेत्र को दो महीने के लिए प्रतिबंधित घोषित कर दिया गया है।

वहीं, राजशाही आंदोलन में शामिल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के दो शीर्ष नेता रवींद्र मिश्र और धवल शमशेर राणा समेत 61 लोगों पर सरकार ने मुकदमा भी दर्ज किया है।

सभी 61 लोगों पर राज्य के खिलाफ अपराध, अशांति फैलाने और संगठित अपराध जैसे गंभीर आरोपों में केस दर्ज हुआ है।

मिश्र और राणा व अन्य बड़े नेता ओली सरकार की कार्रवाई से बचने के लिए अंडरग्राउंड हो चुके हैं। सूत्र बताते हैं कि ये नेता पार्टी की आंतरिक रणनीतिक बैठकों में शामिल हो रहे हैं, लेकिन सरकार की गिरफ्तारी की कार्रवाई से बचने के लिए अंडरग्राउंड हो गए हैं। इनके मोबाइल स्विच ऑफ हैं और बाकी कई नेताओं ने भी अपना संपर्क सीमित कर लिया है।

आंदोलन का संचालन अब सोशल मीडिया, निजी चैनलों और पार्टी नेटवर्क से हो रहा है।

पीएम ओली की सीपीएन-यूएमएल, नेपाली कांग्रेस व माओवादी केंद्र तीनों दलों ने मिलकर आंदोलन का मुकाबला करने का ऐलान किया है।

सोमवार को सिंगदरबार स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई बैठक में ओली, नेपाली कांग्रेस प्रमुख शेर बहादुर देउबा व माओवादी नेता पुष्पकमल दहल प्रचंड ने इस मुद्दे पर संयुक्त रुख अपनाने पर सहमति जताई। तीनों दलों ने यह स्पष्ट किया कि वे संविधान-लोकतंत्र विरोधी आंदोलन को सफल नहीं होने देंगे।

सूत्रों का कहना है कि वे निजी स्तर पर राजनीतिक मुलाकातें कर रणनीति बना रहे हैं। हालांकि उनके सचिवालय ने किसी भी औपचारिक राजनीतिक कार्यक्रम से इनकार किया है। प्रेस सचिव फणिन्द्र पाठक ने कहा, यात्रा पूव-निर्धारित है। वे झापा जाते रहते हैं। पूर्व राजकुमारी हिमानी शाह ने राजशाही समर्थकों के साथ दीप जलाकर नारायणहिटी राजदरबार हत्याकांड की 23वीं बरसी पर श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम की खास बात पूर्व राजकुमारी हिमानी शाह और उनके पुत्र ह्रदयेंद्र शाह की मौजूदगी रही। यह पहली बार है जब हालिया आंदोलन के दौरान शाही परिवार की सक्रियता सार्वजनिक रूप से सामने आई है।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान नेपाल की पूर्व राजकुमारी के साथ हजारों की संख्या में राजशाही समर्थक भी जुटे थे। राजकुमारी ने समर्थकों संग सार्वजनिक रूप से श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल होकर यह संदेश दिया कि नेपाल की आबादी का एक बड़ा वर्ग अब भी राजशाही में आस्था रखता है।

कहीं बर्फ में दबे शव, कहीं गड्ढों में दबाए गए

यूक्रेन-रूस के आसान नहीं 6,000 सैनिकों के अवशेषों की अदला-बदली

मॉस्को, 3 जून (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडलों के बीच 6,000 सैनिकों के शवों की अदला-बदली करने पर सहमति बनी है। दोनों देश युद्धबंदियों और 6,000 सैनिकों के अवशेषों का आदान-प्रदान करेंगे। इस्तांबुल में हुई वार्ता में घायल और गंभीर रूप से बीमार कैदियों की रिहाई पर भी दोनों देशों में सहमति बनी है। युद्धविराम पर समझौता नहीं हो पाने के बावजूद इसे दोनों देशों के बीच अच्छी शुरुआत की तरह देखा गया है। दोनों देशों ने एक-दूसरे के कैदियों के शव देने की बात कही है लेकिन ये आसान नहीं होने जा रहा है। इसकी वजह ये है कि ना तो दोनों देशों के पास शवों की कोई सटीक संख्या है और ना ही सैनिकों के शवों को ठीक से संरक्षित किया गया है। यूक्रेन और रूस के बीच बीते करीब 40 महीने से लड़ाई चल रही है। इस दौरान दोनों देशों का ही जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। इस लड़ाई के दौरान बड़ी संख्या में शवों को लौटाया नहीं गया और बहुत शव बर्फ में दबकर खत्म हो गए। इस लड़ाई में सैनिकों के शवों की स्थिति को जानने के लिए न्यूयॉर्क टाइम्स ने मार्च में एक रिपोर्ट की है।

परमाणु पनडुब्बी, एफ-35 विमान

अमेरिकी ब्रह्मास्त्र को बिना मिसाइल दागे मौत की नींद सुला सकता है चीन, भारत भी दूर रहेगा

वॉशिंगटन, 3 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट के लिए लगातार ऑफर दे रहे हैं। अमेरिका दबाव डाल रहा है कि भारत पहली बार अमेरिकी फाइटर जेट खरीदे। यह वही एफ-35 फाइटर जेट है जिसे एलन मस्क कबाड़ बता चुके हैं। इस बीच एक और खुलासे ने टेंशन बढ़ा दी और कई एक्सपर्ट कह रहे हैं कि एफ-35 विमान से भारत के दूर रहने में ही भलाई है। ताइवान को लेकर तनाव बढ़ रहा है और वशिषज्ञों का कहना है कि जब कभी भी चीन और अमेरिका के बीच युद्ध होगा, उस समय एफ-35 फाइटर जेट अहम भूमिका निभाएंगे। इस पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट को अमेरिका ने अपने 10 सहयोगी देशों को बेचा है जिसमें चीन का पड़ोसी जापान भी शामिल है। विशेषज्ञों के मुताबिक अमेरिका के इस सबसे घातक फाइटर जेट को चीन मिसाइल दागे ही मौत की नींद सुला सकता है। अमेरिका सऊदी अरब से लेकर तुर्की तक को एफ-35 फाइटर जेट बेचना चाहता है। कई लोगों ने चेतावनी दी कि अमेरिका के पास इस लड़ाकू विमान का किल स्विच है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका नहीं चीन के पास एफ-35 फाइटर जेट का असली किल स्विच है। आलम यह है कि अगर चीन चाहे तो मात्र एक कदम से अमेरिका के सारे एफ-35 फाइटर जेट जमीन पर आ सकते हैं। इसके लिए उसे कोई मिसाइल नहीं चलाना होगा। इसमें वर्जीनिया क्लास की परमाणु सबमरीन, ड्रेस्ट्रायर, हथियारबंद प्रीडेटर ड्रोन, टॉमहॉक क्रूज मिसाइल, शक्तिशाली जेडीएएम बम और शक्तिशाली रेडार बेकार हो जाएंगे। असल में चीन की रेअर अर्थ और अन्य जटिल तत्वों में महारथ हासिल है। चीन न केवल रेअर अर्थ का सबसे बड़ा उत्पादक है बल्कि उपभोक्ता भी है। चीन इसका सबसे ज्यादा निर्यात भी करता है। अमेरिका रक्षा क्षेत्र में अपनी तकनीकी बढ़त के लिए बुरी तरह से चीन पर निर्भर है और 80 फीसदी अमेरिकी हथियार चीन के रेअर अर्थ का इस्तेमाल करते हैं। अगर चीन अमेरिका को रेअर अर्थ की आपूर्ति रोक देता है तो ट्रंप के हथियार बेकार हो जाएंगे।

दुनिया में बढ़ेगा ड्रोन युद्ध

मॉस्को, 3 जून (एजेंसियां)। यूक्रेन ने रविवार को रूस पर बड़ा ड्रोन हमला करते हुए दुनिया को चौंका दिया है। ऑपरेशन स्पाइडर वेब नाम के इस ऑपरेशन में यूक्रेन ने ड्रोन के जरिए रूस के कई एयरबेस को निशाना बनाया। ये एयरबेस रूस की सीमा के सैकड़ों किमी बहुत अंदर हैं, जिनको टारगेट करने के लिए यूक्रेन ने एफपीवी ड्रोन का इस्तेमाल किया। इन ड्रोन को ट्रकों में छुपाकर रूस में ले जाया गया। इसके बाद इन्हें विस्फोटकों से लैस करते हुए रूसी एयरबेस पर विस्फोट किए गए। इस ऑपरेशन को यूक्रेन ने 18 महीने में अंजाम दिया है। इस हमले को युद्धक्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने वाला कहा जा रहा है। खासतौर से ड्रोन के इस्तेमाल पर दुनिया का ध्यान बढ़ने जा रहा है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने रूसी एयरबेस हमले को 'शानदार' बताते हुए कहा कि यह ऑपरेशन इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा। इस हमले से रूस को 7 अरब डॉलर का नुकसान होने का दावा किया गया है। यूक्रेन के 100 से ज्यादा ड्रोन ने रूस के पांच सैन्य हवाई अड्डों पर हमला किया, जिसमें रूस के 41 बमवर्षक विमान नष्ट हुए हैं। सबसे खास बात ये है कि ये एयरबेस रूस की सीमा में काफी अंदर हैं। कुछ हवाई अड्डे तो फ्रंटलाइन से 4,000 किलोमीटर दूर साइबेरिया में हैं।

21 जून को लेकर शिक्षा विभाग का बड़ा निर्देश

शिक्षकों को मिली बड़ी राहत

भरतपुर, 3 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा विभाग ने 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर तैयारियां प्रारभ करने के साथ आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए है। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर ग्रीष्मावकाश रहेगा। योग दिवस के मौके पर पदस्थापन स्कूलों से दूर अन्य गांव या शहर में रहने वाले शिक्षकों को उस दिन स्कूल आने की जरूरत नहीं है। वे अपने घर के नजदीक के स्कूल में जाकर योगाभ्यास कर सकेंगे तथा उपस्थिति देंगे।

योग दिवस पर हर स्कूल में योग कार्यक्रम होना जरूरी

राजस्थान के शिक्षा विभाग की और से जारी किए गए निर्देश में बताया कि योग दिवस पर हर स्कूल में योग कार्यक्रम होना है। जिसमें संस्था प्रधान की ओर से योग एवं इसका मानव जीवन में महत्व पर लेख लिखकर उसका वाचन करना है। कार्यक्रम में विद्यालय के स्टाफ, विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा विद्यालय से जुडे लोगों सहित अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया है।

एक जुलाई को वापस खुलेंगे स्कूल

ग्रीष्मावकाश में मुख्यालय से घर जाने वाले शिक्षकों के लिए पास की स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेने की छूट दी है। वहीं दूसरी तरफ प्रदेश में कई साल बाद इस बार 24 जून को शिक्षकों को स्कूल बुलाने के निर्णय में परिवर्तन कर नए सत्र में शिक्षकों व विद्यार्थियों को 1 जुलाई को स्कूल में उपस्थित होने का विभाग व सरकार ने निर्णय किया है। स्कूल 1 जुलाई से ही शुरू होंगे। उसी दिन शिक्षक व विद्यार्थी दोनों अध्ययन व अध्यापन शुरू करेंगे।

विद्यार्थियों को करेंगें पुरस्कृत

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विद्यालय में नियुक्त ब्रांड एम्बेसेडर या शारीरिक शिक्षकों की ओर से योगाभ्यास करवाया जाएगा। स्कूल में श्रेष्ठ योग व व्यायाम की मुद्राएं करने वाले दो विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। जिससे योग के प्रति विद्यार्थियों का रुझान बढ़े। योग दिवस कार्यक्रमों के बाद मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को 20-20 फोटो व 5-5 वीडियो विभाग के बीकानेर कार्यालय को भेजने होंगे।

स्कूलों किया गया है निर्देशित

11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के सफल एव सुचारु आयोजना के लिए निदेशालय माध्यमिक शिक्षा बीकानेर द्वारा जारी निर्देशों की अनुपालना में जिले के समस्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों एवं समस्त राजकीय और गैर राजकीय विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2025 अयोजित किए जाने के निर्देश प्रदान कर दिए गए हैं।

जैसलमेर से जोधपुर पहुंचे केन्द्रीय मंत्री शेखावत

मानसून तैयारियों को लेकर की समीक्षा बैठक

जोधपुर, 3 जून (एजेंसियां)। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जैसलमेर से जोधपुर पहुंचे। उन्होंने सर्किट हाउस में जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल सहित तमाम प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी मानसून को लेकर तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक के दौरान केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून से पहले सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष निचले इलाकों में जलभराव के कारण आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। यहां तक कि एक युवक की पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए

इस बार पहले से ही ठोस प्रबंध किए जाएं। मंत्री शेखावत ने सड़कों और निचले क्षेत्रों में जलभराव की समस्या को प्राथमिकता से हल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान जनजीवन सामान्य बना रहे, इसके लिए प्रशासन को पूरी तरह सतर्क रहना होगा।

अपने दौरे के दौरान केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने एक सड़क हादसे में जान गंवाने वाले युवा पर्यावरण प्रेमी और वन विभाग के कार्मिकों के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। इसके साथ ही, बजरी माफियाओं का शिकार हुए पुलिस कांस्टेबल सुनील खिलेरी के परिजनों से भी मिलकर उन्होंने दुःख जताया।

जोधपुर को मिलेगा वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो

केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से अनुरोध किया था कि जोधपुर में पहले से मौजूद लोको डीजल शेड का आधुनिक उपयोग किया जाए। इसके परिणामस्वरूप जोधपुर में देश का पहला वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो स्थापित किया जा रहा है। यह डिपो आने वाले समय में जोधपुर के औद्योगिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मंत्री शेखावत ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया। जोशीला स्वागत पाने के बाद केंद्रीय मंत्री शेखावत ने आमजन से मुलाकात कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनहित से जुड़े मुद्दों का प्राथमिकता से समाधान किया जाएगा।

जैसलमेर का रहने वाला सरकारी अधिकारी निकला 'पाकिस्तानी जासूस'

आईएसआई एजेंट से बातचीत के मिले सबूत

जैसलमेर, 3 जून (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस ने जैसलमेर में रोजगार विभाग में सहायक प्रशासनिक अधिकारी (एएओ) व कांग्रेस के पूर्व मंत्री शाले मोहम्मद के निजी सहायक रह चुके शकूर खां को जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। शकूर खान के खिलाफ अधिनियम 1923 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जबकि इंटेलिजेंस ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से बढ़े तनाव के बीच शकूर खान को हिरासत में लिया था।

गौरतलब है कि मांगलिया की ढाणी जैसलमेर के रहने वाले शकूर खान की गतिविधियां संदिग्ध पाए जाने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने उस पर नजर रखी। शकूर खान पाक दूतावास में काम करने वाले अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश और सोहेल कमर से नजदीकी सम्पर्क में था। उस पर भारतीय सेना व सामरिक क्षेत्र की सूचनाएं उपलब्ध करवाने का आरोप है।

फोन में पाक के अनजान नंबर मिले

जानकारी के अनुसार, खुफिया एजेंसियों को उसके मोबाइल में पाकिस्तान के कई अनजान नम्बर मिले हैं। जिनके बारे में वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इसके अलावा बताया जाता है कि शकूर ने अपने फोन से कई दस्तावेज डिलीट भी किए हैं, जिन्हें रिकवर किया गया। उसके फोन से आईएसआई एजेंट से बातचीत के सबूत मिले हैं। शकूर खां मंगलिया, जैसलमेर जिले के बडोडा गांव की मंगलियों की ढाणी का निवासी है। वह कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री शाले मोहम्मद के निजी सहायक के तौर पर काम कर चुका है।

7 बार की पाक की यात्रा

जैसलमेर जिले के बड़ोड़ा गांव की मंगलियों की ढाणी का निवासी आरोपी शकूर खां पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान की 7 बार यात्रा कर चुका है। पाक दूतावास में काम करने वाले दानिश की मदद से कई बार पाकिस्तान का वीजा लेकर पाकिस्तान यात्रा की।

पूर्व मंत्री का रहा निजी सचिव

शकूर खान की पाकिस्तान के सिंध प्रांत के रहिमियार खान, सक्खर, घोटकी आदि क्षेत्रों में नजदीकी रिश्तेदारी है। शकूर खान वर्ष 2009 से 2013 में पोकरण विधायक शाले मोहम्मद के कार्यकाल और 2019 से 2023 तक कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार के कार्यकाल के समय निजी सचिव रहा।

गंदगी पर सख्त हुआ रेलवे, सीसीटीवी से निगरानी कर डेढ़ हजार यात्रियों से वसूले पौने दो लाख

जोधपुर, 3 जून (एजेंसियां)। अगर आप जोधपुर रेल मंडल के किसी स्टेशन पर हैं और पिक थूक रहे हैं या कचरा फैला रहे हैं और इस गलतफहमी में है कि आपको कोई देख नहीं रहा तो सावधान हो जाइये, क्योंकि आप पर तीसरी आंख यानी सीसीटीवी से भी नजर रखी जा रही है और कचरा फैलाने की सजा के रूप में आपसे 100 से 500 रुपये तक वसूले जा सकते हैं। रेलवे ने स्वच्छता अभियान को गति देते हुए ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर गंदगी फैलाने वाले यात्रियों पर शिकंजा कसा है। इसके तहत बीते एक माह में डेढ़ हजार से भी अधिक यात्रियों पर जुर्माना लगाकर एक बड़ा राजस्व प्राप्त किया है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा ने बताया कि डीआरएम अनुराग त्रिपाठी के नेतृत्व में जोधपुर मंडल पर चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के अंतर्गत मई में विभिन्न ट्रेनों व रेलवे स्टेशनों पर गंदगी फैलाने पर 1 हजार 621 यात्रियों को पकड़ा गया, जिनसे जुर्माने के बतौर 1 लाख 78 हजार 300 रुपए का राजस्व वसूला गया। उन्होंने बताया कि ट्रेन अथवा रेल परिसर में गंदगी व कचरा फैलाने वाले यात्रियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है तथा इस हेतु रेलवे प्लेटफॉर्म पर लगे सीसीटीवी कैमरों से भी ऐसे यात्रियों की पहचान कर उनसे सौ से पांच सौ रुपए तक नियमानुसार जुर्माना वसूला जा रहा है। उन्होंने बताया कि रेल परिसर और ट्रेनों में स्वच्छता के प्रति यात्रियों को विभिन्न माध्यमों से समय-समय पर जागरूक किया जाता है। इसके बावजूद नियमों का उल्लंघन करने वाले यात्रियों से जुर्माना वसूला किया जाता है और इसके लिए टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने यात्रियों से स्वच्छ्ता अभियान में रेलवे को सहयोग की अपील की है।

दाऊद के नाम पर मांगी 50 लाख की फिरौती

कहा- आईएसआई को करनी है फंडिंग

झुंझुनू, 3 जून (एजेंसियां)। झुंझुनू के चिड़ावा में एक सेल्समैन को गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के नाम से फिरौती मांगने का कॉल आया। कॉलर ने व्हाट्सएप पर ग्रुप कॉल कर 50 लाख रुपये की मांग की और कहा कि पाकिस्तान में लोग भूखे मर रहे हैं और आईएसआई को फंडिंग करनी है। सेल्समैन ने इस मामले में पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। चिड़ावा में एक युवक को विदेशी नंबरों से फिरौती की धमकी मिली है, जिसमें गोल्डी बराड़ और दाउद इब्राहिम के नाम पर 50 लाख रुपये की मांग की गई है। रविवार शाम से युवक को लगातार व्हाट्सएप कॉल आ रहे हैं, जिनकी संख्या अब तक 40 से अधिक हो गई है। डीएसपी विकास ढींढवाल ने थाने में कॉल उठाकर बात की, जिसके बाद

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर सेल भी कार्रवाई में जुट गई है और आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

एक इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान के सेल्समैन को व्हाट्सएप ग्रुप यू आर अंडर अरेस्ट में जोड़ा गया और फिर ग्रुप कॉल आया। कॉल करने वालों ने दुकान का नाम लेकर सेल्समैन की पहचान कन्फर्म की और फिर 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी। उन्होंने दावा किया कि वे गोल्डी बराड़ के आदमी हैं और आईएसआई के लिए यह कहते हुए कि पाकिस्तान में लोग भूखे मर रहे हैं, फंडिंग के नाम पर पैसे मांग रहे हैं। इस व्हाट्सएप ग्रुप में कई लोग जुड़े हुए हैं और उनसे भी फिरौती मांगी जा रही है. सेल्समैन ने बताया कि ग्रुप में भारत के कई लोग शामिल हैं और उनसे भी पैसे मांगे जा रहे हैं। ग्रुप में हिंदी के अलावा इंग्लिश, उर्दू, पंजाबी आदि भाषाओं में बातचीत हो रही है, जिससे यह शक होता है कि बदमाशों का कोई इंटरनेशनल कनेक्शन हो सकता है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ये बदमाश कहां से काम कर रहे हैं।

शाहपुरा में तस्करों ने पुलिस पर की गोलियों की बौछार

बाल-बाल बचे जवान, सर्च अभियान तेज किया

भीलवाड़ा, 3 जून (एजेंसियां)। जिले में तस्करों के हौसले दिनों-दिन बढ़ते जा रहे हैं। शाहपुरा-भीम राष्ट्रीय राजमार्ग पर तस्करों और पुलिस के बीच मुठभेड़ की घटना सामने आई, जिसमें तस्करों ने पुलिस और डीएसटी पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि इस वारदात में कोई पुलिसकर्मी हताहत नहीं हुआ। फायरिंग के बाद तस्कर मौके से फरार हो गए, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है।

शाहपुरा के एएसपी राजेश आर्य के अनुसार पुलिस की डीएसटी टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि शाहपुरा क्षेत्र से तस्कर अफीम व अन्य मादक पदार्थों की तस्करी करते हुए गुजरने वाले हैं। इसी के तहत शाहपुरा-भीम राष्ट्रीय राजमार्ग पर फुलियाकला थाना क्षेत्र के अरवड़ चौराहे के समीप स्थित पुलिस चौकी के पास नाकाबंदी की गई थी। इसकी भनक लगते ही वहां से गुजर रहे अज्ञात तस्करों ने पुलिस और डीएसटी की टीम पर अचानक चार राउंड फायरिंग कर दी। हालांकि पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए जवाबी कार्रवाई की और खुद को सुरक्षित रखा, जिससे किसी भी पुलिसकर्मी को कोई चोट नहीं आई लेकिन तस्कर इस हमले के बाद वाहन समेत फरार होने में सफल रहे।

घटना की सूचना मिलते ही शाहपुरा एएसपी राजेश आर्य, डिप्टी ओमप्रकाश विश्नोई सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और तस्करों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के सुपरविजन में सभी 6 टीमें तस्करों की तलाश में क्षेत्र में लगातार दबिश दे रही हैं। इलाके में वाहनों की चेकिंग और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

उल्लेखनीय है कि यह कोई पहली घटना नहीं है जब तस्करों ने पुलिस पर हमला किया हो। पूर्व में भी तस्कर पुलिस की नाकाबंदी तोड़ने के लिए हिंसक तरीकों का सहारा लेते रहे हैं। करीब चार साल पहले भीलवाड़ा जिले के रायला और कोटड़ी थाना क्षेत्र में तस्करों द्वारा नाकाबंदी कर रहे पुलिसकर्मियों पर फायरिंग की गई थी, जिसमें दो पुलिसकर्मियों की दर्दनाक मौत हो गई थी। यह घटना अब भी पुलिस महकमे की स्मृतियों में ताजा है।

भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध रूप से अफीम की खेती होती रही है। इन क्षेत्रों में तैयार अफीम को तस्कर चोरी-छिपे भीलवाड़ा के रास्ते मारवाड़ व अन्य जिलों और राज्यों तक पहुंचाते हैं। अफीम के साथ-साथ डोडा चूरा की तस्करी भी बड़े पैमाने पर होती है। पुलिस के अनुसार गर्मी के मौसम में यह तस्करी और तेज हो जाती है क्योंकि अफीम की कटाई का यही समय होता है।

इस घटना ने एक बार फिर पुलिस को सतर्क कर दिया है। तस्करों के पास मौजूद आधुनिक हथियार, उनकी तैयारी और दुस्साहस पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। पुलिस ने तस्करों की पहचान के प्रयास तेज कर दिए हैं और सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय मुखबिरों की सहायता से उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी दहशत का माहौल है। सवाल उठ रहे हैं कि जब पुलिस पर भी हमला हो सकता है, तो आम जनता की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी? क्षेत्रीय पुलिस प्रशासन को अब इस चुनौती का सामना करते हुए तस्करी और अपराध की गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई करनी होगी।

पुलिस हिरासत से साथी को छुड़ाने के लिए बोनट पर चढ़ा बदमाश

कांस्टेबल की फाड़ी वर्दी

जयपुर, 3 जून (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के विद्याधर नगर थाना पुलिस ने आरोपी को हिरासत से छुड़ाने की कोशिश करने वाले दोनों युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि हेड कांस्टेबल शहजाद अली, कांस्टेबल कानाराम और चालक सत्येन्द्र चौधरी की टीम रविवार को गौरव राय को किशनबाग से पकड़कर ला रही थी। तभी किशनबाग निवासी विजय कुमार राय (22) और राहुल राय (32) ने पुलिस वाहन को रोक लिया और उसमें बैठे गौरव राय को छुड़ाने का प्रयास किया। आरोपी विजय कार के बोनट पर चढ़ गया और कार को क्षतिग्रस्त भी कर दिया। वे कार का दरवाजा जबरन खोलने लगे। हेड कांस्टेबल शहजाद अली की वर्दी फाड़ दी थी। विद्याधर नगर में रविवार को आरोपी को पकड़कर थाने ला रहे पुलिसकर्मियों की गाड़ी को बीच सड़क पर रोक हमला किया। आरोपी के दो साथियों ने पुलिस वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया और आरोपी को छुड़ाने का प्रयास किया। भीड़ भी तमाशबीन बनी रही। बाद में थाने से पहुंचे पुलिसकर्मियों ने पुलिस की गाड़ी पर हमला करने वाले दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। वहीं, रविवार को रामनगरिया में पुलिस से घिरा देख आरोपी संदीप ने फायर कर दिया। गोली जवान रामावतार के हाथ की अंगुली को छूते हुए निकल गई। रामावतार ने सीन रीक्रिएशन किया और बताया कि वह जाली के गेट पर हाथ लगाकर बैठा था और योगेन्द्र को गेट खोलने के लिए कह रहा था। अंदर योगेन्द्र नहीं था और उसकी जगह आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार हो चुका संदीप था। संदीप ने फायर किया, तब गोली उसकी अंगुली को छूकर निकल गई। आरोपी संदीप वारदात के बाद पिस्टल भी लेकर भाग गया था। संदीप के खिलाफ जानलेवा हमला करने व आर्म्स एक्ट के तहत रामनगरिया थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

आहोर पुलिस ने 14.730 किलो अवैध गांजा सहित एक आरोपी को किया गिरफ्तार, पुलिस ने ऐसे की कार्रवाई

जालौर, 3 जून (एजेंसियां)। जालौर जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध पुलिस की लगातार कार्रवाई जारी है। जिले के आहोर पुलिस ने ऑपरेशन संपोलिया के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर 14 किलो 730 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के मकान में तलाशी लेकर अवैध गांजे को जब्त किया, साथ ही आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार, जोधपुर रेंज के निर्देशानुसार जिले में मादक पदार्थ तस्करों की गिरफ्तारी एवं तस्करी रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव के निर्देशन में थाना आहोर प्रभारी करण सिंह के नेतृत्व में गठित टीम को मुखबीर से सूचना मिली कि केशव नगर आहोर में एक व्यक्ति अवैध गांजे की तस्करी में संलिप्त है। इसके बाद पुलिस टीम ने 2 जून की सुबह दबिश देकर आरोपी मुकेश कुमार पुत्र आसुराम निवासी हनुमान कॉलोनी आहोर के मकान में तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 14 किलो 730 ग्राम गांजा प्लास्टिक कट्टे में बरामद हुआ।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध धारा एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया। आरोपी से स्मैक की खरीद-फरोख्त के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है और अन्य आरोपियों की जानकारी जुटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल मामले में आगे की जांच बिशनगढ़ थाना अधिकारी पन्नालाल की ओर से की जा रही है।

11 दिन से लापता मासूम सूरज की लाश जंगल में मिली

हड्डियों के अवशेष देख दहल उठे परिजन

जैसलमेर, 3 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। 11 दिन पहले रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुए 8 वर्षीय मासूम सूरज मेघवाल का शव क्षत-विक्षत अवस्था में जंगल से बरामद हुआ। लाश के अवशेष इतने बुरी हालत में थे कि पहचान मुश्किल हो रही थी। घटना की जानकारी मिलते ही मोहनगढ़ थाना पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। शव के आस-पास कपड़े और हड्डियों के अवशेष बिखरे पड़े थे, जिससे अंदेशा जताया जा रहा है कि शव को जंगली जानवरों ने नोचा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंधा गांव निवासी गुमानाराम मेघवाल का 8 वर्षीय पुत्र सूरज मेघवाल 23 मई की सुबह अपने ननिहाल मोहनगढ़ में घर के बाहर खेल रहा था। सूरज मानसिक रूप से मंदबुद्धि था और ना सुन सकता था, ना ही बोल सकता था। परिजनों का कहना है कि वह अकसर घर के आसपास खेलता रहता था लेकिन उस दिन अचानक लापता हो गया।

परिजनों ने खुद अपने स्तर पर पूरे गांव और आस-पास के इलाकों में उसकी तलाश की, लेकिन जब उसका कुछ पता नहीं चला तो 24 मई को मोहनगढ़ थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई गई। गायब होने के बाद से ही पूरे परिवार में बेचैनी का माहौल था। सूरज की तलाश में हरसंभव प्रयास किए गए गांव की गलियों से लेकर जंगल और आसपास के इलाकों तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं लगी।

देवर के प्यार में इश्क में अंधी पत्नी ने कुल्हाड़ी से पति को काटा

जैसलमेर, 3 जून (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान सीमा के नजदीक बसे शांत और रेगिस्तानी इलाकों में से एक जैसलमेर, जहां कभी ऊंटों की रेंक और रेत के टीलों की लहरें लोगों का ध्यान खींचती थीं, आजकल एक हृदयविदारक और समाज को झकझोर देने वाली खबर का केंद्र बन गया है। यहां एक महिला ने अपने प्रेमी देवर के साथ मिलकर अपने ही पति की निर्मम हत्या कर डाली। यह वारदात केवल एक हत्या नहीं, बल्कि रिश्तों, विश्वास और पारिवारिक मर्यादा का क्रूरतम अपमान भी है।

मृतक हरदानराम मूलतः बाड़मेर जिले की सारला ग्राम पंचायत का रहने वाला था। करीब 12 साल पहले उसकी शादी जशोदा से हुई थी। यह मृतक की दूसरी शादी थी। पहली पत्नी की मौत के बाद वह जीवनसाथी की तलाश में था और आरोपी पत्नी से विवाह कर उसने एक नई शुरुआत की। इस शादी से उसे तीन संतानें हुईं दो बेटे और एक बेटी। पहली पत्नी से भी एक बेटा है। शुरुआती वर्षों में सब कुछ सामान्य था, लेकिन समय के साथ हालात बदलते गए। रिश्तों में पनपती खामोश दरारें धीरे-धीरे एक ऐसा मोड़ ले चुकी थीं, जिसका परिणाम किसी ने नहीं सोचा था।

मृतक की पत्नी का संबंध उसी के चचेरे देवर कलाराम से बन गया था। देवर, मृतक का छोटा भाई लगता है, और दोनों ही जैसलमेर जिले के सदर थाना क्षेत्र के चांपला गांव में एक ट्यूबवेल पर खेती के काम से जुड़े हुए थे। वहीं पर झोपड़ी बनाकर दोनों पिछले एक साल से एक साथ रह रहे थे। प्रेम में अंधे हो चुके इन दोनों ने समाज और परिवार की मर्यादाओं को ताक पर रख दिया था। देवर और मृतक की पत्नी ने अब एक नई जिंदगी साथ बिताने की ठान ली थी, लेकिन उनके इस रिश्ते में सबसे बड़ी बाधा था मृतक, जो अब उन्हें कांटे की तरह चुभने लगा था। इसी कारण इन दोनों ने मिलकर मृतक को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली।

पुलिस के अनुसार, इस खौफनाक साजिश को अंजाम देने के लिए दोनों ने पहले से पूरी योजना तैयार की। बीती रात पत्नी और देवर ने मृतक को फोन किया और उसे ट्यूबवेल पर बुलाया। बहाना बनाया गया कि आपसी तनाव और विवादों को बैठकर सुलझाना है। मृतक को क्या पता था कि वहां उसका इंतजार सुलह नहीं, बल्कि मौत कर रही है। जैसे ही वह चांपला गांव के पास स्थित ट्यूबवेल पर पहुंचा, वहां पहले से मौजूद पत्नी और देवर ने उस पर कुल्हाड़ी और धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में पति की मौके पर ही मौत हो गई। यह वारदात इतनी बेरहमी से अंजाम दी गई कि शव की स्थिति देख हर कोई सन्न रह गया।

एससीआर ने कुछ मार्गों पर बढ़ाई विशेष ट्रेनों की संख्या

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मियों के दौरान यात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ा दी है। तदनुसार, चर्लापल्ली-रामनाथपुरम (07695) ट्रेन को 11 से 25 जून के बीच और रामनाथपुरम-चर्लापल्ली (07696) ट्रेन को 13 से 27 जून के बीच बढ़ाया गया है। इन ट्रेनों में 1एसी, 2एसी, 3एसी, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे होंगे।

युवा दूल्हे की दिल का दौरा पड़ने से मौत

मेदक, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक 22 वर्षीय दूल्हे की शादी के सिर्फ 14 दिन बाद मंगलवार को कुलचरम मंडल के अमसनपल्ली गांव में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। अक्कमोल्ला साई किरण की शादी दो हफ़्ते पहले इसी गांव की एक महिला से हुई थी। मंगलवार को वह काम के सिलसिले में एक अन्य शादी में प्रस्तुति देने के लिए बैंड मंडली में शामिल हुए थे। बताया गया कि उन्हें सीने में तेज दर्द हुआ और अस्पताल ले जाते समय एक घंटे बाद उनकी मृत्यु हो गई।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना सं. एलजीडी/एल/04/2025-26/ओटी, दि.3/6/2025 PUB/0663

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डिप्युटी सीईई/एलजीडीएस द्वारा तत्संबंधित निविदा सं.एलजीडी/एल/04/2025-26/ओटी ई-टेंडर - बंद करने की तिथि 24-06-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता या बिड्डर्स अपने मूल/संशोधित बोलियों को, तत्संबंधित बंद करने की तिथि एवं समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा इस प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदारगण या कान्ट्राक्टर्स, इस निविदा के प्रति पूर्व धरोहर राशि या पूधरा (बोली सुरक्षा राशि) का भुगतान, ई-पेमेन्ट गेटवे के माध्यम से नकद रूप में कर सकते हैं अथवा भारत के किसीभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बान्ड के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं या निविदा दस्तावेजों में विवरित निर्देशानुसार तत्संबंधित भुगतान कर सकते हैं। अनुलग्नक -V। के अनुसार बैंक गारंटी बान्ड होना चाहिए तथा बान्ड बोली वैधता अवधि से परे, 60 दिनों की अवधि के लिए वैध होगा। मूल बैंक गारंटी को व्यक्तिगत रूप में, नामित पदाधिकारी को, बोली की प्रस्तुति की अंतिम तिथि के 5 कार्यालयीन अवधि के भीतर, जैसे की निविदा दस्तावेज में सूचित नुसार, पहुंचाया जाना चाहिए। ई-टेंडरिंग पोर्टल (आईआरईपीएस) पर बोली सहित बी.जी. की स्कैन्ड कापी की अप्रस्तुति तथा/या निर्धारित अवधि के भीतर, मूल या ओरिजनल बी.जी. की अप्रस्तुति पर, बोली को सरसरी तौर पर अमान्य किया जायेगा।

क्रम सं.-1, निविदा सं.-एलजीडी/एल/04/2025-26/ओटी, कार्य विवरणः रेल बोगी कारखाना, यादगिर पर बिजली संपत्ति अथवा इलेक्ट्रिकल एस्सेट्स का रखरखाव। विज्ञापित मूल्यःरु.24,74,088.00 (रु.चौबीस लाख चौहत्तर हजार अट्ठासी मात्र), बोली सुरक्षा(रु.) 49,500.00, कार्य पूरा करने की अवधिः लेटर आफ एक्सेप्टन्स या स्वीकृति पत्र की जारी की तिथि से लेकर 36 महिने, बंद करने की तिथिः 24-06-2025 के 15.00 बजे

वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने के लिए नोटिस बोर्ड स्थानः उप मुख्य बिजली अभियंता का कार्यालय, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद-500017

उप मुख्य बिजली अभियंता/कैरेज वर्कशाप/लालागुडा

निविदा सं. एम231-डब्ल्यूईएलडी-08-दि.2/6/2025 PUB/0664

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/आरवायपीएस, दक्षिण मध्य रेलवे, वैगान वर्कशाप, गुंटुपल्ली-521241 द्वारा ई-निविदा आमंत्रित है।

निविदा सं. एम231-डब्ल्यूईएलडी-08-दि.2/6/2025 कार्य विवरणः 24 महिनों की अवधि के लिए, वैगान वर्कशाप, गुन्टुपल्ली के सभी प्रकार के वैगान्स में, स्ट्राईकर कास्टिंग की ड्राप्पिंग, फिटमेन्ट एवं रिवेटिन्ग/लाक बोल्टिंग का कार्य तथा सभी प्रकार के वैगान्स में, साइड वाल, एन्ड वाल की वेल्डिंग करना एवम् फ्लूर पैचेस व फुल फ्लूर आदि का तत्संबंधित कार्य। मात्राः निविदा दस्तावेज में विवरितानुसार, पूरा करने की अवधिः 24 महिने, निविदा मूल्यःरु.3,27,72,753.78 (रू.तीन करोड, सत्ताइस लाख, बाहत्तर हजार. सातसौ तिरपन व अठहत्तर पैसे मात्र), जमा की जानेवाली पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रू.3,13,900.00 (रू.तीन लाख तेरह हजार नौ सौ मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्यःरु. शून्य, आफर वैधताः निविदा खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा प्रकारः आईआरजीसीसी-2002 द्वारा शासित कार्य निविदा या वर्क्स टेंडर। निविदा प्रणालीः खुली निविदा-एकल पैकेट, बोली बंद करने की तिथि व समयः 25-06-2025 के 15.00 बजे, निविदा दस्तावेज एवं शुध्दिपत्रः वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in देखें, पत्राचार का डाक पताः चीफ वर्कशाप मैनेजर, वैगान वर्कशाप, गुंटुपल्ली-521241

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/वैगान वर्कशाप/गुंटुपल्ली

A0818

निविदा नियम शर्तें/ अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स https://www.ireps.gov.in तथा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

लक्ष्य निर्धारित कर उच्च पद पर पहुंचें और दूसरों के लिए उदाहरण बनें : पोन्नम

बीसी गुरुकुल और छात्रावासों में 10वीं कक्षा में सर्वश्रेष्ठ अंक लाने वाले छात्र सम्मानित

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य परिवहन बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि छात्रों को लक्ष्य निर्धारित कर बदलते समय और परिस्थितियों के अनुसार उच्च पद पर पहुंचना चाहिए और दूसरों के लिए उदाहरण बनना चाहिए। मंगलवार को मंत्री ने बीसी गुरुकुल और छात्रावासों में 10वीं कक्षा में सर्वश्रेष्ठ अंक लाने वाले छात्रों के लिए आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने महात्मा ज्योतिराव फुले गुरुकुल स्कूल में अच्छी प्रतिभा दिखाने वाले विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। 593 अंक लाने वाली दुर्गा भवानी, 590 अंक लाने वाली शिवानी, 580 से अधिक अंक लाने वाले 31 विद्यार्थियों और 570 से अधिक अंक लाने वाले 216 विद्यार्थियों ने अपने क्षेत्र और राज्य का नाम रोशन करने पर अपने माता-पिता को बधाई दी। उन्होंने शिक्षकों को अच्छी शिक्षा देने के लिए बधाई दी कि बीसी गुरुकुल स्कूलों और छात्रावासों में लाखों विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि दसवीं कक्षा की परीक्षा में 17 हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी, जिसमें से केवल सौ विद्यार्थियों को ही 570 से अधिक अंक मिले हैं। उन्होंने कहा कि आपके प्रयास बढ़ने चाहिए, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी अंक प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि सरकार हमेशा आपकी समस्याओं का समाधान करेगी।

उन्होंने कहा कि वे आपसे अच्छे परिणाम चाहते हैं। वे चाहते हैं कि शिक्षक कड़ी मेहनत करें, ताकि विद्यार्थी न केवल उत्तीर्ण हों, बल्कि अच्छे रैंक भी प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को मिलने वाले लाभ समय-समय पर संगठन की ओर से सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अकादमी से 140 स्कूलों में 100 प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत है, तथा शेष स्कूलों में कम क्यों है, इसकी समीक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चे वर्ष में 300 दिन शिक्षकों के पास रहते हैं, तथा गुरुकुल में वे अपने माता-पिता से अधिक आपके करीब रहते हैं, तथा उन्हें अच्छे अध्ययन कौशल प्रदान किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें ट्रैकिंग तथा नौकायन प्रतियोगिताओं के लिए भी कौशल प्रदान किए जा रहे हैं, तथा उन्हें बुरे प्रभावों से प्रभावित नहीं होना चाहिए, बल्कि भविष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए तथा बदलते समय और परिस्थितियों के अनुसार प्रतिस्पर्धी दुनिया में उच्च पदों पर पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि माता-पिता उन बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करना चाहते हैं, जिनके पास अतीत में अध्ययन करने की सुविधाएं नहीं थीं तथा बदलते समय के अनुसार भोजन नहीं था। प्रतिस्पर्धी दुनिया में जीतने के लिए आप सभी को नीतिगत बदलावों को समझना चाहिए। सरकार ने बच्चों को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें अच्छा पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए मेस शुल्क में 40 प्रतिशत की वृद्धि की है। सरकार ने कॉस्मेटिक शुल्क में 200 प्रतिशत की वृद्धि की है। हमें उभरते तेलंगाना में आपकी भागीदारी की आवश्यकता है। आपको कल के तेलंगाना के भविष्य के लिए मार्गदर्शक बनना चाहिए। हमारे बच्चे देश के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के लिए एक स्तर तक बढ़ें, और पढ़ाई, खेल और अन्य कौशल में अच्छी प्रतिभा दिखाएं। उन्होंने कहा कि हमें भविष्य में क्या चाहिए, इसके लिए एक लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए और एक कुशल के रूप में आगे बढ़ना चाहिए। शिक्षा तक ही सीमित न रहकर, हमें सभी क्षेत्रों में सामाजिक रूप से आगे बढ़ना चाहिए। गुरुकुलों में प्रशिक्षित शिक्षक हैं जिन्होंने अच्छी परीक्षाएं लिखी हैं और उन्हें नौकरी मिली है।

किसी भी गुरुकुल में कोई खाली सीट नहीं होनी चाहिए। हमें इस तरह से बढ़ना चाहिए कि सभी स्कूलों में 100 सीटें भरनी चाहिए, सभी गुरुकुल प्रतिस्पर्धा करें और हमें इसमें सीट मिलनी चाहिए। शिक्षा परिवार का भविष्य बदलती है, और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करती है उन्होंने कहा कि यदि वांछित है, तो उनकी शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए और यह शिक्षा की सभी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने बताया कि सरकार 25 एकड़ में 200 करोड़ रुपये से हर निर्वाचन क्षेत्र में यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल शुरू करेगी और 58 स्कूलों को पहले ही मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने 593 अंक लाने वाली दुर्गा भवानी और 590 अंक लाने वाली शिवानी को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि ज्योति बाफूले की फिल्म सभी गुरुकुलों में दिखाई जाएगी। हम इसे अपने अभिभावकों के साथ दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर महिलाएं इतने सम्मान के साथ पढ़ रही हैं, तो सावित्री भाई फुले के आदर्श आज भी वही हैं। शिक्षा एक की संपत्ति है, यह सभी की संपत्ति है। उन्होंने सुझाव दिया कि हमें ज्योतिराव फुले को एक उदाहरण के रूप में लेना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर मंत्री ने 10वीं कक्षा की परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले छात्रों, उनके अभिभावकों, शिक्षकों और मंत्री को शॉल, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बीसी कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव श्रीधर, आयुक्त बाला मायादेवी, गुरुकुल सचिव सैदुलु, एमबीसी वित्त निगम के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. मलैया भट्टू, सीईओ आलोक कुमार, आवास गुरुवाहा के अधिकारी, कल्याण विभाग के अधिकारी और अन्य लोग शामिल हुए।

जेम्स स्ट्रीट पुलिस स्टेशन की इमारत का निर्माण 1900 में हुआ था : सीवी आनंद

सीपी ने राम गोपालपेट पुलिस स्टेशन की इमारत का दौरा

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्त (डीजी) सी.वी. आनंद ने सिकंदराबाद में जेम्स स्ट्रीट पर स्थित राम गोपालपेट पुलिस स्टेशन की इमारत का दौरा किया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने घोषणा की कि हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) ने इमारत का जीर्णोद्धार पूरा कर लिया है और इसे हैदराबाद सिटी पुलिस को सौंप दिया है। आयुक्त ने बताया कि जेम्स स्ट्रीट पुलिस स्टेशन की इमारत का निर्माण 1900 में हुआ था और 2016 तक 116 वर्षों की लंबी अवधि तक यह राम गोपालपेट पुलिस स्टेशन के रूप में कार्य करता रहा। मरम्मत की आवश्यकता के कारण, पुलिस स्टेशन को नौ साल पहले मिनिस्टर रोड पर एक किराए की इमारत में ले जाया गया था। उन्होंने याद किया कि डीसीपी सेंट्रल ज़ोन के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, इस इमारत से कई कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, जो इसके अनूठे महत्व पर जोर देते थे। आयुक्त आनंद ने कहा कि आने वाले दिनों में, राम गोपालपेट पुलिस स्टेशन से संबंधित वस्तुओं को वापस इस इमारत में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, और इसका उद्घाटन हैदराबाद जिले के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर द्वारा किया जाएगा। उन्होंने पुलिस वाहनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि का भी उल्लेख किया और बताया कि उनके लिए पर्याप्त पार्किंग सुविधाएं प्रदान करने के प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने हैदराबाद में पुरानी (ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण) संरचनाओं को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने का आग्रह किया। आयुक्त ने यह भी बताया कि हैदराबाद सिटी पुलिस से संबंधित पुरानी हवेली में आयुक्त कार्यालय पिछले तीन वर्षों से जीर्णोद्धार के दौर से गुजर रहा है और इसका उद्घाटन भी होने वाला है। उन्होंने कहा कि पुरानी हवेली आयुक्त कार्यालय चालू हो जाने के बाद, वे हर शुक्रवार को वहां से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। इस कार्यक्रम में श्रीमती एस. रश्मि पेरुमल, डीसीपी नॉर्थ ज़ोन और राहुल हेगड़े, डीसीपी ट्रैफ़िक के साथ-साथ अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

एससीआर ने 12.832 मिलियन टन माल लदान दर्ज किया

मई, 2025 में, किसी भी वर्ष में मई महीने के लिए अब तक का उच्चतम

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एससीआर जीएम अरुण कुमार जैन ने विभाग प्रमुखों के साथ निरंतर निगरानी के साथ जोन के माल लदान में सुधार पर विशेष ध्यान दिया चालू वित्त वर्ष में माल ढुलाई के प्रदर्शन को जारी रखते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे ने मई 2025 में 12.832 मिलियन टन (एमटी) दर्ज किया जो किसी भी वर्ष में मई महीने के लिए अब तक का उच्चतम है। पिछला सर्वश्रेष्ठ मई 2024 के दौरान हासिल किया गया 12.418 मीट्रिक टन मूल लदान था। पिछले वर्ष की तुलना में माल लदान में 3 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। चालू वित्त वर्ष में मई 2025 तक दर्ज की गई माल ढुलाई 25.194 मीट्रिक टन है, जो किसी भी वित्तीय वर्ष में इसी अवधि के लिए अब तक की सबसे अधिक माल ढुलाई भी है। पिछला सर्वश्रेष्ठ 24.060 मीट्रिक टन था, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में मई तक दर्ज किया गया था। जोन का निरंतर प्रदर्शन उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम संभव सीमा तक उपयोग करके सभी विभागों के बीच उत्कृष्ट समन्वय से संभव हुआ है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने सभी छह डिवीजनों के प्रमुख विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों के साथ नियमित बैठकें की हैं। उन्होंने मौजूदा माल लोडिंग बास्केट को बनाए रखने के साथ-साथ यातायात की नई धाराओं को आकर्षित करने के निर्देश दिए। जोन विभिन्न प्रकार की पहलों और विशेष उपायों को लागू करके अपने माल यातायात को मजबूत करने की दिशा में विशेष जोर दे रहा है। जोन वैगनों की आपूर्ति को सुव्यवस्थित करने, मालगाड़ियों की आवाजाही की निगरानी आदि के लिए सक्रिय तरीके से काम कर रहा है। इसके अनुसार, मई, 2025 के महीने में माल लदान में उल्लेखनीय सुधार हुआ। लोडिंग प्रदर्शन मुख्य रूप से कोयला, लौह अयस्क और सीमेंट वस्तुओं के लदान में जोरदार वृद्धि के कारण संभव हुआ। मई 2025 के महीने के दौरान, कोयला लोडिंग 6.472 मीट्रिक टन थी, जबकि मई 2024 में 6.280 मीट्रिक टन दर्ज की गई थी। सीमेंट लोडिंग 3.306 मीट्रिक टन थी, जबकि मई 2024 में 3.100 मीट्रिक टन दर्ज की गई थी। इसी तरह, लौह अयस्क लोडिंग 0.732 मीट्रिक टन थी, जबकि पिछले साल मई में 0.570 मीट्रिक टन दर्ज की गई थी। मई 2025 में इस्पात संयंत्रों, खाद्यान्न, उर्वरक, पीओएल, कंटेनर और अन्य वस्तुओं के लिए कच्चे माल द्वारा माल लदान में योगदान 2,322 मीट्रिक टन था।

तेलंगाना बनकाचार्ला परियोजना को अनुमति नहीं देगा : उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित बनकाचर्ला परियोजना पर राज्य सरकार के विरोध को दोहराते हुए सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि राज्य किसी भी परिस्थिति में इस परियोजना को स्वीकार नहीं करेगा। मंगलवार को मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्य के जल अधिकारों और प्रस्तावित परियोजना के क्षेत्रीय प्रभाव पर चिंता व्यक्त की। मंत्री ने आंध्र प्रदेश के इस दावे पर सवाल उठाया कि वह केवल समुद्र में बहने वाले पानी का ही उपयोग करेगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना इस परियोजना को रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है और गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड तथा केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल को पत्र भेज चुका है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के अधिकारियों ने सीधे केंद्र को अपनी आपत्तियां बता दी हैं। रेड्डी ने कहा कि हमने केंद्र को अपनी चिंताओं से अवगत करा दिया है और परियोजना के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

मिलावटी अदरक-लहसुन पेस्ट की अवैध बिक्री का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स, साउथ-ईस्ट जोन टीम के अधिकारियों ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर बंडलगुडा पुलिस स्टेशन की टीम के साथ मिलकर अदरक और लहसुन पेस्ट निर्माण इकाई (एफके फूड प्रोडक्ट), पटेल नगर, बंडलगुडा, हैदराबाद पर छापा मारा। जहां जरूरतमंद ग्राहकों को मिलावटी अदरक-लहसुन पेस्ट का भंडारण और बिक्री की जा रही थी। यहां से बड़ी मात्रा में मिलावटी पेस्ट जब्त किया, साथ ही 4 किलोग्राम टाइटेनियम डाइऑक्साइड और 16 किलोग्राम मोनो साइट्रेट जब्त किया, और एक आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद फैसल उर्फ फैसल पटेल नगर, बंडलगुडा हैदराबाद का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि यह पता चला है कि मोहम्मद फैजल अपने घर पर मिलावटी और हानिकारक अदरक-लहसुन पेस्ट बनाने में लगे हुए हैं, जोशएफ के फूड प्रोडक्ट ब्रांड नाम से काम कर रहा है। वह कथित तौर पर इस मिलावटी उत्पाद को विभिन्न सामान्य किराना स्टोर और सीधे तौर पर जाने-माने और ज़रूरतमंद ग्राहकों को सप्लाई कर रहा है। उक्त उत्पाद को हानिकारक रसायनों जैसे टाइटेनियम डाइऑक्साइड, रंग के लिए हल्दी पाउडर और अन्य रासायनिक पदार्थों का उपयोग करके तैयार किया जाता है, जो भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुसार ऐसे खाद्य पदार्थों के लिए अनुमति नहीं हैं। ये पदार्थ उपभोक्ताओं के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं और खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन हैं। अदरक-लहसुन के पेस्ट में इन खतरनाक तत्वों की मिलावट करके, फैसल सार्वजनिक स्वास्थ्य को खतरे में डाल रहे हैं और निजी लाभ के लिए अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं।

मवेशियों के अवैध परिवहन पर रोक

हैदराबाद में स्थापित किए गए चेक पोस्ट

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ईद-उल-अजहा से पहले मवेशियों के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा के त्रि-आयुक्तालयों में पुलिस ने शहर और उपनगरों में चेक पोस्ट स्थापित किए हैं। चेक पोस्ट पर सशस्त्र पुलिसकर्मी, स्थानीय पुलिस और पशु चिकित्सकों की एक टीम होती है जो जिलों से शहर में लाए जाने वाले मवेशियों की फिटनेस की जांच करती है। चेक पोस्ट पर चौबीसों घंटे कर्मचारी तैनात रहते हैं और पुलिस स्टेशनों और मुख्य कमांड कंट्रोल सेंटर से क्लोज सर्किट कैमरों के जरिए गतिविधियों पर नजर रखी जाती है।

तेलंगाना पुलिस ने गौरक्षकों को चेतावनी दी है कि वे सड़कों से दूर रहें और मवेशियों के परिवहन में हस्तक्षेप न करें। पुलिस ने उनसे कहा है कि अगर उन्हें मवेशियों का कोई अवैध परिवहन मिलता है तो वे पुलिस को सूचित करें और उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का आश्वासन दिया है। शहर में पहले से ही तनाव व्याप्त है, भाजपा विधायक टी राजा सिंह और अन्य हिंदू संगठन पुलिस से शहर में अवैध रूप से मवेशी बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। राजा सिंह कुछ दिन पहले शहर में अवैध रूप से मवेशियों की बिक्री की जांच के लिए मोटरसाइकिल से घूमे थे। पुलिस ने विधायक को उनकी जान को खतरा होने के कारण सुरक्षा टीम के बिना न घूमने को कहा था।

कपास की खेती में मशीनीकरण पर केंद्रित किया ध्यान

सिद्दीपेट, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को सिद्दीपेट जिले के चेरियल स्थित रैतु वेदिका में एक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उच्च घनत्व रोपण प्रणाली (एचडीपीएस) के तहत कपास की खेती में मशीनीकरण के लाभों पर प्रकाश डाला गया। किसानों को संबोधित करते हुए जिला कृषि अधिकारी (डीएओ) राधिका राव ने धान और मक्का की तरह कपास में भी मशीनीकरण की बढ़ती संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कपास की खेती में बुवाई से लेकर कटाई तक मशीनरी का इस्तेमाल करने की काफी गुंजाइश है। इससे न केवल शारीरिक श्रम कम होता है, बल्कि समय पर काम करने और बेहतर पैदावार भी सुनिश्चित होती है।

कपास की मशीनीकृत खेती को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों के तहत, नुजिवीडू सीड्स ने किसानों को तीन मैनुअल सीड प्लांटर्स निःशुल्क वितरित किए। ये उपकरण सटीक बीज प्लेसमेंट और समान अंतराल सुनिश्चित करते हैं, जो एचडीपीएस दृष्टिकोण के दोनों प्रमुख घटक हैं। इस पहल का उद्देश्य श्रम निर्भरता को कम करना, एक समान फसल की स्थापना को बढ़ावा देना और अंततः कपास के खेतों में उत्पादकता बढ़ाना है।

इसके अतिरिक्त, कंपनी ने एचडीपीएस अपनाने वाले किसानों को मुफ्त में मेपिक्वेट क्लोराइड नामक एक प्लांट ग्रोथ रेगुलेटर वितरित किया। यह रेगुलेटर कैनोपी ग्रोथ को प्रबंधित करने, प्रकाश अवरोधन में सुधार करने और उच्च पैदावार का समर्थन करने में मदद करता है। इस क्षेत्र में कपास एक प्रमुख फसल है, इसलिए इस पहल से आगामी मौसम में सिद्दीपेट जिले के कृषि परिदृश्य पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

नव स्वीकृत नवोदय विद्यालयों में फिर से प्रवेश नहीं

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में सात नए स्वीकृत जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) अभी भी केवल कागज़ों पर ही बने हुए हैं। जेएनवी न केवल आगामी शैक्षणिक वर्ष से चूक जाएंगे, बल्कि वे शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए छात्रों को प्रवेश भी नहीं देंगे। नवोदय विद्यालय समिति में शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए कक्षा VI में प्रवेश के लिए नव स्वीकृत सात जेएनवी को शामिल नहीं किया गया। केंद्र सरकार ने 6 दिसंबर, 2024 को जगतियाल, निज़ामाबाद, भद्राद्री कोत्तागुडेम, मेडचल-मलकजगिरी, महबूबनगर, संगारेड्डी और सूर्यापेट जिलों में एक-एक के साथ सात जेएनवी को मंजूरी दी। छात्रों और अभिभावकों को उम्मीद थी कि अगले शैक्षणिक वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। लेकिन हाल ही में जारी जेएनवीएसटी प्रवेश अधिसूचना में राज्य के केवल मौजूदा नौ स्कूलों को ही शामिल किया गया, जिससे उनकी उम्मीदें धराशायी हो गईं।

शिक्षाविदों और अभिभावकों का तर्क है कि केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद समिति और राज्य सरकार को स्थायी भवनों के निर्माण होने तक कम से कम अस्थायी स्थानों पर स्कूल स्थापित करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू कर देनी चाहिए थी।

हर जिले में वरिष्ठ नागरिक दिवस देखभाल केंद्र खोलेगा तेलंगाना

करीमनगर, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बुजुर्गों में अकेलेपन और सामाजिक जुड़ाव की कमी को दूर करने के लिए, तेलंगाना राज्य सरकार ने पूरे राज्य में वरिष्ठ नागरिकों के लिए डे केयर सेंटर की स्थापना की घोषणा की है। प्रत्येक जिले में कम से कम एक केंद्र प्रस्तावित है। कई वरिष्ठ नागरिक अपने बच्चों के रोजगार के लिए चले जाने या विदेश में बस जाने के बाद अकेले रह रहे हैं, ऐसे में बड़ी संख्या में बुजुर्ग निवासियों को अलगाव और सीमित सामाजिक समर्थन का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि सेवानिवृत्त व्यक्तियों के संघ मौजूद हैं, लेकिन वे मुख्य रूप से कल्याणकारी अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और मनोरंजन केंद्रों के रूप में काम नहीं करते हैं। नतीजतन, ऐसे बहुत कम समर्पित स्थान हैं जहाँ बुजुर्ग अपना समय सार्थक रूप से बिता सकें।

इस मुद्दे पर ध्यान देते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामा राव ने 2022 में अपने सिरसिला विधानसभा क्षेत्र के येलारेड्डीपेट मंडल में वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक पायलट डे केयर सेंटर स्थापित किया था। इस मॉडल के आधार पर, राज्य सरकार ने अब पूरे तेलंगाना में इस पहल को आगे बढ़ाने का फैसला किया है।

फ्लेक्सी हटाने को लेकर विवाद

बीआरएस ने कांग्रेस पर 'प्रतिशोध की राजनीति' का लगाया आरोप

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भवन के पास पूर्व मंत्री और बीआरएस के वरिष्ठ नेता टी हरीश राव को उनके जन्मदिन पर बधाई देने वाले फ्लेक्सी और बैनर हटाए जाने से राजनीतिक आक्रोश भड़क गया है। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के अधिकारियों ने कथित तौर पर उच्च अधिकारियों के आदेश के बाद सोमवार और मंगलवार की मध्यरात्रि के दौरान सामग्री को हटा दिया। इस घटना की बीआरएस ने तीखी आलोचना की तथा इसे कांग्रेस सरकार द्वारा राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से किया गया एक लक्षित कृत्य करार दिया।

विधायक माधवरम कृष्ण राव, एरोला श्रीनिवास, वाई सतीश रेड्डी और मन्ने कृष्णक समेत कई बीआरएस नेताओं ने रेवंत रेड्डी सरकार पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि कांग्रेस और भाजपा नेताओं के फ्लेक्सिस महीनों तक क्यों लगे रहे जबकि बीआरएस नेताओं के फ्लेक्सिस तुरंत हटा दिए गए। कृष्णा राव ने कहा, यह शासन नहीं, तुच्छ राजनीति है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले हरीश राव सम्मान के हकदार हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकतें कांग्रेस सरकार की असुरक्षा को ही दर्शाती हैं।

बीआरएस नेता एरोला श्रीनिवास ने इसे घृणित और घृणित राजनीति बताया और आरोप लगाया कि फ्लेक्सी हटाने का उद्देश्य असहमति को दबाना है। उन्होंने कहा, सिर्फ़ बैनर फाड़कर आप हरीश राव के प्रति लोगों की प्रशंसा को मिटा नहीं सकते।

स्वतंत्र वार्ता
Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com
Epaper : epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement : swadds1@gmail.com

गुकेश ने जबरदस्त वापसी कर एरिगैसी को भी हराया

कार्लसन के बाद हमवतन पर दर्ज की पहली क्लासिकल जीत

स्टावेंगर (नॉर्वे), 3 जुन (एजेंसियां)। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में जबरदस्त वापसी की है। उन्होंने दिग्गज मैग्नस कार्लसन को हराने के बाद के सातवें दौर के मुकाबले में हमवतन अर्जुन एरिगैसी को हरा दिया। इन दोनों के खिलाफ गुकेश को शुरुआत में हार मिली थी। अब उन्होंने जबरदस्त पलटवार किया है। यह गुकेश की एरिगैसी पर क्लासिकल चेस में पहली जीत है। लगातार जीत से 19 साल के इस भारतीय खिलाड़ी ने अंक तालिका में कार्लसन को पछाड़ दिया है और वह फैबियानो कारूआना के बाद दूसरे स्थान पर आ गए हैं। कारुआना ने एक अन्य मैच में वेई यी को मात दी थी।

गुकेश एक वक्त इस टूर्नामेंट में अंक तालिका में पांचवें स्थान पर चल रहे थे। अब लगातार दो जीत ने उनका दावा मजबूत कर दिया है। गुकेश की वापसी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। एरिगैसी से उनकी टक्कर रोमांचक रही। अर्जुन ने शुरुआत में मुहरों की ऐसी चाल चली की गुकेश मैच में कहीं नहीं दिखे। एरिगैसी गुकेश पर एक और कमांडिंग जीत के लिए तैयार दिखे। गुकेश की एक गलती से वहां मौजूद कई विश्लेषकों को लगा कि विश्व चैंपियन खिलाड़ी ने लगभग मैच को गंवा ही दिया है।

हालांकि, गुकेश ने कार्लसन के खिलाफ मैच की तरह ट्रेडमार्क वापसी की और सामरिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बढ़ते दबाव में उन्होंने धीरे-धीरे सटीक गणना और मजबूत डिफेंस के साथ खेल में वापसी की। एक रोमांचक मोड़ पर गुकेश ने एरिगैसी को मिली बढ़त को बेअसर कर दिया। साथ ही गुकेश ने मैच में पेस बनाना शुरू किया। ऐसा ही उन्होंने कार्लसन के खिलाफ किया था। इससे एरिगैसी पर समय का दबाव बनता गया।

जैसे-जैसे समय की परेशानी बढ़ती गई, एरिगैसी की चालों ने गुकेश को वापसी का पर्याप्त मौका दिया। इस मौके को गुकेश ने शानदार तरीके से भुनाया। गुकेश की शानदार तकनीक के आगे एरिगैसी को घुटने टेकने पड़े और उन्हें अंत में रिजाइन करना पड़ा। यह जीत न केवल गुकेश के लिए एक व्यक्तिगत मील का पत्थर है, बल्कि विश्व मंच पर सबसे भयंकर प्रतियोगियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति को भी मजबूत करती है। सोशल मीडिया पर फैंस गुकेश की वापसी करता देख खुश हैं। उन्होंने गुकेश प्रदर्शन को मास्टरक्लास बताया है।

बेंगलुरु में कोहली के पब पर कार्रवाई

स्मोक जोन नहीं था, मैनेजर और स्टाफ के खिलाफ केस; पिछले साल देर रात खोलने पर केस हुआ था

बेंगलुरु, 3 जुन (एजेंसियां)। बेंगलुरु में क्रिकेटर विराट कोहली के वन8 कम्यून पब और रेस्टोरेंट पर कार्रवाई हुई है। पब में स्मोकिंग जोन नहीं होने के कारण पुलिस ने मंगलवार को मैनेजर और स्टाफ के खिलाफ FIR दर्ज की। विराट का वन8 कम्यून पब एमजी रोड पर स्थित है।

पुलिस के बताया कि पब में सीओटीपीए एक्ट (सिगरेट एंड अदर तंबाकू प्रोडक्ट एक्ट) के नियमों का उल्लंघन हो रहा था। एक्ट की धारा 4 और 21 के तहत एफआईआर दर्ज हुई है। सीओटीपीए एक्ट के अंतर्गत होटल, रेस्टोरेंट, एयरपोर्ट जैसे सार्वजनिक जगहों पर अलग से स्मोकिंग जोन बनाना जरूरी है।

विराट कोहली के वन8 कम्यून की दिल्ली, मुंबई, पुणे और कोलकाता में भी ब्रांच हैं। बेंगलुरु की ब्रांच को दिसंबर 2023 में खोला गया था, ये रत्नम कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल पर है। विराट ने एक इंटरव्यू में कहा था कि बेंगलुरु उनका फेवरेट शहर है, इसलिए उन्होंने यहां ब्रांच खोली।

जुलाई 2024 में वन 8 कम्यून पब में देर रात तक तेज आवाज में म्यूजिक बजाने के आरोप में एफआईआर दर्ज हुई थी। डजीपी सेंट्रल ने बताया था कि 6 जुलाई की रात कब्बन पार्क पुलिस थाने की टीम पेट्रोलिंग पर निकली थी।

तब वन8 रात 1.30 बजे तक खुला मिला था। पब का मैनेजर गलत तरीके के पब को खोले हुए था। बेंगलुरु में रात 1 बजे तक ही पब खोलने की परमिशन है। इसलिए पब के खिलाफ एक्शन लिया गया।

कबड्डी वर्ल्ड कप कैंप में हिमाचल प्रदेश की पांच बेटियां

धर्मशाला, 3 जुन (एजेंसियां)। भारत में होने वाले महिला कबड्डी विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के अंतिम कैंप में सूबे की पांच खिलाड़ी भाग लेंगी। इसमें कबड्डी खिलाड़ी ज्योति ठाकुर, पुष्पा राणा, भावना, चंपा और साक्षी शामिल हैं। इससे पहले 10 से 30 मई तक आयोजित इंडिया कैंप में सूबे की खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इस दौरान उन्होंने कैंप में अन्य खिलाड़ियों के साथ तालमेल के साथ प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया। इसके बाद टीम का चयन होना था। लेकिन महिला कबड्डी विश्व कप की तारीख आगे होने के कारण टीम का चयन नहीं हुआ था। पहले बिहार में 1 से 10 जून तक विश्व कप की तिथि प्रस्तावित थी। अब जब विश्व कप की तिथि घोषित होगी उसके बाद भारतीय टीम का चयन किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि अब विश्व कप जुलाई में शुरू हो सकता है। इसके लिए जून के अंतिम सप्ताह में भारतीय महिला टीम का चयन भी किया जाएगा। इसके कुछ दिन पहले भारतीय कबड्डी संघ की ओर से इंडिया कैंप का आयोजन कर टीम का चयन किया जाएगा। इससे पहले भी एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में भी सूबे की चार खिलाड़ी भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं। उन्होंने देश के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया था। साई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस धर्मशाला की कबड्डी कोच पूजा ठाकुर ने कहा कि भारत में होने वाले कबड्डी विश्व कप में सूबे की चार से पांच खिलाड़ी भारतीय टीम में खेल सकती हैं। अब फाइनल इंडिया कैंप में भी पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर, भावना, चंबा और साक्षी भाग लेंगी।

राष्ट्रीय सब जूनियर कोर्फबाल के लिए 20 खिलाड़ी चयनित

अंडर-15 वर्ग की राष्ट्रीय सब जूनियर कोर्फबाल प्रतियोगिता के लिए पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सरकाघाट में ट्रायल हुआ। इसमें हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिले के 35 खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के आधार पर 10 लड़के और 10 लड़कियों सहित 20 खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों के लिए कोचिंग कैंप बिलासपुर जिला में 14 से 20 जुलाई तक लगेगा। कैंप में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से 7 लड़के और 7 लड़कियों सहित 14 खिलाड़ियों की टीम राष्ट्रीय सब जूनियर प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रतियोगिता स्थल के लिए हिमाचल प्रदेश की टीम 20 जुलाई को रवाना होगी। खिल भारतीय कोर्फबाल संघ के उपाध्यक्ष एवं प्रदेश महासचिव बीआर सुमन ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता 24 से 27 जुलाई को तमिलनाडु के चेन्नई में होगी।

मोहम्मद अब्बास को मिला सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

न्यूजीलैंड बोर्ड ने लिया ऐतिहासिक फैसला

वेलिंग्टन, 3 जुन (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने हाल ही में अपने 2025-26 सीजन के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान किया है. केन विलियमसन, डेवॉन कॉनवे, फिन एलन, टिम सीफर्ट और लॉकी फर्गुसन जैसे स्टार खिलाड़ी इस लिस्ट का हिस्सा नहीं हैं. वहीं, चार खिलाड़ियों को पहली बार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है. इन 4 खिलाड़ियों में एक मुस्लिम क्रिकेटर भी शामिल है. खास बात ये है कि ये खिलाड़ी पाकिस्तानी मूल का है और इसी साथ उसने डेब्यू मैच में इतिहास रचा था.

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने जिन 20 खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिया है, उसमें युवा ऑलराउंडर मोहम्मद अब्बास को शामिल किया गया है. इसी के साथ 21 साल के मोहम्मद अब्बास न्यूजीलैंड क्रिकेट के इतिहास में सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने वाले दूसरे मुस्लिम खिलाड़ी बन गए हैं. मोहम्मद अब्बास का न्यूजीलैंड के 2025-26 सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल होना उनके करियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है. वह न्यूजीलैंड क्रिकेट के इतिहास में एजाज पटेल के बाद दूसरे मुस्लिम खिलाड़ी हैं, जिन्हें यह बड़ा मौका मिला है.

29 नवंबर 2003 को पाकिस्तान के लाहौर में जन्मे मोहम्मद अब्बास एक प्रतिभाशाली ऑलराउंडर हैं, जो दाएं हाथ से बल्लेबाजी और बाएं हाथ से तेज गेंदबाजी करते हैं. उनके पिता, अजहर अब्बास, एक पूर्व फर्स्ट क्लास क्रिकेटर हैं, जिन्होंने पाकिस्तान और न्यूजीलैंड दोनों में घरेलू क्रिकेट खेला. जब मोहम्मद अब्बास छोटे थे, तब उनका परिवार न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में बस गया था. मोहम्मद अब्बास ने महज तीन साल की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था. मोहम्मद अब्बास ने 29 मार्च 2025 को पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहले इंटरनेशनल मैच खेला था. नेपियर के मैकलीन पार्क में खेले गए इस वनडे मैच में उन्होंने सिर्फ 24 गेंदों में 52 रन बनाकर वनडे डेब्यू पर सबसे तेज अर्धशतक का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था, जिसने भारत के क्रुणाल पंड्या के 26 गेंदों के रिकॉर्ड को तोड़ा. इस पारी में तीन चौके और तीन छक्के शामिल थे. इसके अलावा, उन्होंने गेंदबाजी में भी प्रभावित किया और पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान का विकेट लिया था. वह न्यूजीलैंड के लिए अभी तक 3 वनडे मैच खेल चुके हैं.

जो रूट के शतक से जीता इंग्लैंड

वेस्टइंडीज को दूसरे वनडे में 3 विकेट से हराया; 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त

कार्डिफ, 3 जुन (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने 3 वनडे की सीरीज के दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ टीम ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का आखिरी मुकाबला 3 जून को द ओवल ग्राउंड पर खेला जाएगा।

कार्डिफ में रविवार रात खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। वेस्टइंडीज ने केसी कर्टी के शतक के सहारे 308 रन का स्कोर खड़ा किया, लेकिन टीम 47.4 ओवर में ऑलआउट हो गई।

इंग्लैंड ने 48.5 ओवर में 7 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। जो रूट ने 166 रन की शतकीय पारी खेली। इस पारी में 21 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच के रोचक फैक्ट

जो रूट वनडे क्रिकेट में इंग्लैंड के टॉप स्कोरर बन गए हैं। उनके 7082 रन हो गए हैं। उन्होंने इयोन मॉर्गन के 6957 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा है।

इंग्लैंड ने 15वीं बार 300 रन से ज्यादा का स्कोर चेज किया है। टीम ने ऑस्ट्रेलिया (14 बार) को पीछे छोड़ा। इंग्लिश टीम इस मामले में अब सिर्फ इंडिया (19 बार) से पीछे है।

विंडीज ने पहला विकेट जल्दी गंवाया, किंग-कर्टी ने संभाला

टॉस हारकर बैटिंग कर रही वेस्टइंडीज की शुरुआत खास नहीं रही। टीम ने पारी के दूसरे ओवर में ओपनर ज्वेल एंड्रयू (0) का विकेट गंवाया। यहां से ओपनर ब्रैंडन किंग्स और केसी कर्टी ने पारी संभाली। किंग्स ने 59 और कर्टी ने 103 रन बनाए। दोनों ने 141 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को आदिल रशीद ने तोड़ा।

किंग के आउट होने के बाद 28 साल के कर्टी ने शाई होप के साथ 58 रन जोड़े। होप ने 66 गेंद में 78 रन जड़े, जिसमें 4 चौके व 4 छक्के शामिल रहे। इंग्लैंड की ओर से स्पिनर आदिल रशीद ने 4 विकेट झटके। जबकि साकिब मोहम्मद ने 3 विकेट झटके।

इंग्लिश ओपनर्स खाता भी नहीं खोल सके, रूट ने जिताया

308 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लैंड की शुरुआत भी खराब रही। टीम ने 2 रन के स्कोर पर ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे। जिमी स्मिथ और बेन डकेट की जोड़ी खाता तक नहीं खोल सकी।

2 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे जो रूट ने नाबाद 166 रन की पारी खेली। उन्होंने कप्तान हैरी ब्रूक के साथ 85 रन की पार्टनरशिप की। ब्रूक के आउट होने के बाद जोस बटलर भी बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए।

ऐसे में रूट ने निचले क्रम में विल जैक्स के साथ 122 बॉल पर 143 रन की साझेदारी की और टीम को रन चेज में बनाए रखा। जैक्स ने 49 रन बनाए। उन्होंने आदिल रशीद के साथ नाबाद 24 रन जोड़े और टीम को जीत दिला दी। विंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ ने 4 विकेट झटके।

टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज का हुआ ऐलान

31 वर्षीय खिलाड़ी को बनाया कप्तान

किंग्स्टन, 3 जुन (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज की टीम इन दिनों इंग्लैंड के दौरे पर है, जहां दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। अभी तक वनडे सीरीज के 2 मैच खेले जा चुके हैं और दोनों ही मैचों में इंग्लैंड ने जीत हासिल की है। वनडे सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच आज खेला जाएगा। इस बीच वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने इंग्लैंड के साथ होने वाली 3 मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। इस सीरीज के लिए 31 वर्षीय खिलाड़ी को वेस्टइंडीज की टी20 टीम का कप्तान बनाया गया है।

शाई होप बनाए गए कप्तान

इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच 3 मैचों की टी20 सीरीज 6 से 10 जून तक खेली जाएगी। जिसके लिए वेस्टइंडीज टीम का कप्तान शाई होप को बनाया गया है। वहीं ब्रैडन किंग को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। इसके अलावा टीम में स्टार ऑलराउंडर जेसन होल्डर की भी लंबे समय के बाद वापसी हुई है। होल्डर ने वेस्टइंडीज के लिए आखिरी बार टी20 इंटरनेशनल मैच साल 2024 में खेला था। इसके अलावा आंद्रे रसेल की भी टीम में वापसी हुई है।

निकोलस पूरन को नहीं मिली जगह

आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से निकोलस पूरन ने कमाल का प्रदर्शन किया था। इस सीजन उन्होंने बल्लेबाजी करते 14 मैचों में 524 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 5 अर्धशतक निकले थे। अब उनको सीरीज के लिए आराम दिया गया है।

इंग्लैंड के बाद आयरलैंड के साथ होगी टी20 सीरीज

इंग्लैंड के बाद वेस्टइंडीज की टीम आयरलैंड का दौरा करेगी। इस दौरे पर भी दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में भी वेस्टइंडीज की कप्तानी शाई होप करते हुए दिखाई देंगे। हालांकि इस दौरे से उपकप्तान ब्रैंडन किंग को आराम दिया गया है।

इंग्लैंड के साथ होने वाली टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम

शाई होप (कप्तान), जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेस, मैथ्यू फोर्ड, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग (उपकप्तान), एविन लुईस, गुडाकेश मोती, रोवमैन पॉवेल, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

जोकोविच की फ्रेंच ओपन में 100वीं जीत

नडाल के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी, ज्वेरेव अगले दौर में

पेरिस, 3 जुन (एजेंसियां)। नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन 2025 में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने ब्रिटेन के कैमरन नॉरी को चौथे दौर में 6-2, 6-3, 6-2 से हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी 100वीं जीत दर्ज की। इस उपलब्धि के साथ जोकोविच फ्रेंच ओपन में 100 जीत हासिल करने वाले केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं, पहले खिलाड़ी राफेल नडाल हैं, जिनके नाम 112 जीत दर्ज हैं।

इस जीत के साथ जोकोविच लगातार 16वें साल फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। अब उनका सामना क्वार्टर फाइनल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा, जो टैलन ग्रिकस्पूर के चोट के कारण रिटायर होने के बाद अगले दौर में पहुंचे हैं।

ज्वेरेव ने गलती से एक मक्खी निगल ली

जर्मन टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने लगातार चौथी बार इस टूर्नामेंट के अंतिम आठ में प्रवेश किया है। चौथे दौर के मैच में उनके प्रतिद्वंद्वी टैलन ग्रिकस्पूर ने पेट की मांसपेशियों में चोट के कारण दूसरे सेट में 6-4, 3-0 के स्कोर पर मैच छोड़ दिया ।

इस मैच के दौरान एक मजेदार घटना भी हुई जब पहले सेट में ज्वेरेव ने गलती से एक मक्खी निगल ली, जिससे खेल थोड़ी देर के लिए रुका। अब क्वार्टर फाइनल में ज्वेरेव का सामना सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच से होगा। ज्वेरेव और जोकोविच के बीच अब तक 13 मुकाबले हुए हैं, जिनमें से ज्वेरेव ने 5 बार जीत हासिल की है।

सिनर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

इटली के टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने चौथे दौर में रूस के एंड्री रुबलेव को सीधे सेटों में 6-1, 6-3, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। इस जीत के साथ सिनर ने ग्रैंड स्लैम में अपनी लगातार 18वीं जीत दर्ज की है और टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है।

क्वार्टर फाइनल में उनका सामना कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक से होगा, जिन्होंने पांचवीं सीड जैक ड्रेपर को हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है।

हेनरिक क्लासन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

लिखा- परिवार के साथ समय बिताना चाहता हूं; पिछले साल टेस्ट को अलविदा कहा था

खेल डेस्क, 3 जुन (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- 'अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताने के लिए रिटायरमेंट ले रहा हूं।'

33 साल के क्लासन ने 60 वनडे मैचों में 2141 रन बनाए, जिसमें 4 शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं। 58 टी-20 मैचों में 1000 रन बनाए, जिसमें 5 अर्धशतक शामिल हैं। क्लासन ने पिछले साल टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। यह मेरे लिए दुखद दिन है, क्योंकि मैंने इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर होने का फैसला लिया है। मुझे यह तय करने में काफी समय लगा कि मेरे और मेरे परिवार के लिए क्या बेहतर है। पहले ही दिन से अपने देश को रिप्रिजेंट करना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। यह वह था, जिसका एक युवा लड़के ने सपना देखा था। मैं अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताने के लिए उत्साहित हूं। क्योंकि, यह फैसला मुझे परिवार के साथ रहने की अनुमति देता है। हेनरिक क्लासन ने आखिरी वनडे मैच चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वे इस मुकाबले में 7 गेंद खेलकर 3 रन ही बना सके। वे टूर्नामेंट के दो मैचों में 67 रन ही बना सके। इसमें एक फिफ्टी शामिल रही। साउथ अफ्रीका की टीम चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हारकर बाहर हो गई थी। कीवियों ने उसे 50 रन से हराया था। बाद में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को हराकर 12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था।

क्लासन ने 2018 में भारत के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया था। वे अपने डेब्यू मैच में 6 रन ही बना सके थे।

मिस वर्ल्ड इवेंट ने तेलंगाना के इतिहास, संस्कृति को वैश्विक दर्शकों के सामने पेश किया : जूपल्ली

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने घोषणा की कि तेलंगाना में आयोजित मिस वर्ल्ड पेजेंट-2025 एक उल्लेखनीय सफलता थी, जिसने राज्य के समृद्ध इतिहास, संस्कृति और अन्य पर्यटन स्थलों को वैश्विक दर्शकों के सामने प्रभावी ढंग से पेश किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के सबसे युवा राज्य के रूप में, तेलंगाना ने भविष्य में ओलंपिक खेलों सहित बड़े पैमाने पर अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। सचिवालय में मंगलवार को बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, जूपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि पूरे महीने चलने वाले कार्यक्रम के दौरान, मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों ने तेलंगाना के प्रसिद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पर्यटन स्थलों का दौरा किया, जिससे इसके आकर्षणों को बढ़ावा मिला और विश्व मंच पर उनके महत्व को रेखांकित किया गया। 30 करोड़ रुपये, जिसमें से 21 करोड़ रुपये प्रायोजकों द्वारा वित्तपोषित किए जाएंगे, जबकि 11 करोड़ रुपये अतिरिक्त मिलने की उम्मीद है, जैसा कि प्रायोजकों ने वादा किया था। जूपली कृष्ण राव ने टिप्पणी की, भले ही प्रायोजक वादा किए गए धन को दे दें, लेकिन ऐसा लगता है कि सरकार ने एक भी रुपया खर्च किए बिना इतने महत्वपूर्ण आयोजन की मेजबानी की है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि बीआरएस नेताओं ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के खिलाफ नकारात्मक अभियान चलाया है, उन्होंने जोर देकर कहा कि आयोजन की जबरदस्त सफलता के लिए राज्य सरकार को मान्यता देने के बजाय, विपक्षी नेताओं ने असंबंधित मुद्दों पर चर्चा करने का सहारा लिया है। मैं अनिश्चित हूं कि विपक्ष की आलोचना पर हंसूं या रोऊं। बीआरएस नेताओं ने दावा किया कि प्रत्येक मिस वर्ल्ड प्रतियोगी को 30 तुला सोना दिया गया था, फिर भी हमने उस धातु के तीन ग्राम भी नहीं दिए। मंत्री ने इस आयोजन के बारे में झूठ फैलाने के लिए बीआरएस विधायक हरीश राव की भी आलोचना की और उन पर राज्य सरकार के खिलाफ निराधार दावों के साथ लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने चौमल्ला पैलेस में भोजन के लिए प्रति प्लेट 1 लाख रुपये के खर्च को बढ़ा-चढ़ाकर बताए जाने के दावों को खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि प्रतियोगियों के लिए रात्रिभोज के दौरान प्रत्येक प्लेट की वास्तविक लागत केवल 8,200 रुपये थी। जूपल्ली कृष्ण राव ने बीआरएस नेताओं को मिस वर्ल्ड पेजेंट-2025 के लिए फंडिंग के बारे में बहस करने की चुनौती दी और जोर देकर कहा कि वे झूठ फैलाने के लिए लोगों से बिना शर्त माफी मांगें। मंत्री ने इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम को हैदराबाद लाने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का आभार व्यक्त किया और इसके सफल निष्पादन में योगदान देने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

निजी फर्म ने निवेशकों से की 100 करोड़ रुपये की ठगी

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की एक निजी फर्म ने शेयर बाजार में अपने निवेश पर उच्च रिटर्न का वादा करके निवेशकों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की है। जानकारी के अनुसार, गणेश नगर, चिंतल, जीडीमेटला स्थित द पेंगुइन सिक्योरिटीज का प्रबंधन निवेशकों को यह विश्वास दिलाने में कामयाब रहा कि शेयर बाजार में निवेश करने से उन्हें उच्च लाभ मिलेगा।

उनकी भ्रामक बातों पर विश्वास करके करीब 1,500 लोगों ने कंपनी में निवेश किया, जिसकी कुल राशि 100 करोड़ रुपये से अधिक थी। निवेशकों को यह विश्वास दिलाने के लिए बॉन्ड भी दिए गए कि निवेश और रिटर्न वास्तविक हैं। हाल ही में कंपनी ने अपना काम बंद कर दिया है और प्रबंधन निवेशकों से संपर्क नहीं कर पा रहा है। पीड़ितों को जब एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है तो उन्होंने जीडीमेटला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। कंपनी प्रबंधन के सदस्यों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

कुकटपल्ली में एक करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त

पुलिस कांस्टेबल समेत पांच आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली के जयानगर के पास एक कांस्टेबल सहित सात लोगों से लगभग एक करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए। साइबराबाद पुलिस ने बालानगर के विशेष अभियान दल (एसओटी) के सहयोग से ये गिरफ्तारियां कीं, जहां आरोपी कथित तौर पर इफेड्रिन मिले कोकीन बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहे थे। पुलिस टीम ने 820 ग्राम प्रतिबंधित नशीली सामग्री जब्त की, जिसकी कीमत 1 करोड़ रुपये है, साथ ही अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की। प्रभारी पुलिस उपायुक्त, बालानगर जोन, साइबराबाद, एन. कोटि रेड्डी ने कहा कि ऐसा माना जाता है कि कथित सरगना, तिरुपति निवासी पुलिस कांस्टेबल गुनाशेखर ने ही इस ऑपरेशन की योजना बनाई थी। उन्होंने कहा कि गुनाशेखर ने उन्नम सुरेन्द्र को मादक पदार्थ की आपूर्ति की, जिसने शहर में उच्च मांग का हवाला देते हुए हैदराबाद में मादक पदार्थ वितरित करने के लिए आंध्र प्रदेश से सहयोगियों का एक नेटवर्क तैयार किया। जांच से पता चला कि सुरेंद्र ने जल्दी पैसे के लालच में आकर अपने साथियों हरिबाबू रेड्डी, मर्सी मार्गरेट, शेख मस्तान वली और देवराजू येसु बाबू (सभी आंध्र प्रदेश के बापटला जिले के निवासी) के साथ मिलकर साजिश रची। कथित तौर पर समूह ने बिक्री की योजना तब बनाई जब येसु बाबू ने दावा किया कि हैदराबाद में उसके संपर्क हैं जो दवा खरीदने में रुचि रखते हैं। पुलिस ने व्यापक वितरण श्रृंखला के हिस्से के रूप में बैंगलोर के एक तस्कर अप्पन्ना की भी पहचान की। सुरेंद्र और मर्सी मार्गरेट एक फाइनेंस कंपनी के पूर्व कर्मचारी हैं, पहले अनौपचारिक रूप से सोने के ऋण के लेन-देन में लगे हुए थे। ऋण चुकौती को लेकर हुए विवाद के कारण दोस्तों ने हस्तक्षेप किया, जिससे अंततः और भी लोग ड्रग की साजिश में शामिल हो गए। 29 मई को सुरेंद्र ने कथित तौर पर तिरुपति में गुनाशेखर से ड्रग की खेप ली और गुटूर होते हुए हैदराबाद पहुंचा। इसके बाद समूह वितरण की योजना बनाने के लिए कुकटपल्ली में इकट्ठा हुआ।

संदेह के आधार पर गश्ती अधिकारियों ने दो जून को इस समूह को रोक लिया, जब वे जयानगर, कुकटपल्ली की ओर बढ़ रहे थे। एक आरोपी ने भागने की कोशिश की लेकिन उसे तुरंत पकड़ लिया गया। तलाशी और पूछताछ के बाद पुलिस ने इफेड्रिन के साथ मिलाए गए 820 ग्राम कोकीन, एक डिजिटल वजन मापने वाली मशीन और पांच मोबाइल फोन बरामद किए। आरोपी गुनाशेखर (आपूर्तिकर्ता), एआर कांस्टेबल, तिरुपति, उन्नम सुरेंद्र उर्फ सूरी, डोथिरेड्डी हरिबाबू रेड्डी, चेगुडी मर्सी मार्गरेट, शेखमस्थानवली को गिरफ्तार कर लिया। सभी जब्ती एनडीपीएस अधिनियम के तहत की गई। साइबराबाद पुलिस ने एक अपील जारी की है जिसमें माता-पिता से अपने बच्चों के व्यवहार के प्रति सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने का आग्रह किया गया है। बालानगर जोन के पुलिस उपायुक्त एन कोटि रेड्डी ने कहा, हम सब मिलकर नशा मुक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं।

आयुक्त आर.वी. कर्णन ने केबीआर पार्क में किए गए कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को पैदल चलने वालों की सुविधा के लिए किए गए काम को अभिनव तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया है। मंगलवार को उन्होंने केबीआर पार्क में किए गए काम का निरीक्षण किया। आयुक्त ने आदेश दिया है कि पार्क में केवल लाइसेंस प्राप्त पालतू कुत्तों को ही लाया जाए। जब परियोजना इंजीनियरिंग अधिकारियों से यह स्पष्ट करने के लिए कहा गया कि क्या एच सिटी के माध्यम से केबीआर के आसपास बनाए जा रहे फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण न्यायालय के आदेश के अनुसार किया जा रहा है, तो परियोजना इंजीनियरों ने आयुक्त को समझाया कि यह काम संवेदनशील क्षेत्र के भीतर किया गया है। आयुक्त के साथ अतिरिक्त आयुक्त सुभद्रा देवी, डीसी सम्मैय्या, प्रोजेक्ट ईई मान्या नायक, एसई श्री लक्ष्मी, डिप्टी ईई हरीश, सर्कल ईई विजय कुमार और अन्य थे।

मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने 'पुनासा' पत्रिका का विमोचन किया

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि तेलंगाना साहित्य अकादमी द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों में 'पुनासा' पत्रिका का प्रकाशन एक बड़ी बात है और तेलंगाना की कुछ प्रमुख हस्तियों की शताब्दी के अवसर पर विशेष संस्करण लाना बहुत अच्छी बात है। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने तेलंगाना साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित आचार्य बिरुदुराजू रामराजू के विशेष संस्करण 'पुनासा' का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि यह इस भूमि के लिए सौभाग्य की बात है कि रामराजू जैसे महान विद्वान और शोधकर्ता का जन्म तेलंगाना में हुआ। साहित्य अकादमी के सचिव बालाचारी ने बिरुदुराजू रामराजू गरु पर यह विशेष अंक प्रकाशित करने के लिए उन्हें बधाई दी, जिस तरह पिछले साल दाशरथी कृष्णमाचार्य गरु पर एक विशेष अंक प्रकाशित किया गया था। इस कार्यक्रम में साहित्य अकादमी के सचिव बालाचारी और कवि याकूब, दिनाकर, कुछ अन्य कवि मित्र और साहित्य अकादमी के कर्मचारी शामिल हुए।

चलती कार में आग लगी, यात्री सुरक्षित बचे

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार रात एक चलती कार में आग लग गई। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, क्योंकि कार के इंजन से आग की लपटें निकलती देख चालक और यात्री भागने में सफल रहे। जानकारी के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब कार गच्चीबावली से माधापुर की ओर जा रही थी। इंजन में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने का संदेह है, जिसके कारण कार जलकर खाक हो गई। हालांकि एक दमकल गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर तुरंत काबू पा लिया, लेकिन इस घटना से मार्ग से गुजर रहे वाहन चालकों में हल्की दहशत फैल गई। यातायात पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन को सड़क से हटाया और अन्य वाहनों के लिए रास्ता बनाया। गच्चीबावली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गुयाना के बच्चे को दिया गया कॉक्लियर इंप्लांट

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण अमेरिका के उत्तरी तट पर स्थित देश गुयाना की एक 9 महीने की बच्ची, जो गंभीर श्रवण हानि से पीड़ित थी, हैदराबाद के अपोलो अस्पताल में सफलतापूर्वक जटिल कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी की गई। भारतीय मूल के माता-पिता दिवेका धनराज और सतीश साकिशनु की बेटी लावण्या की कोकलियर इंप्लांट सर्जरी, श्रवण बाधित सहायता सोसायटी (एसएएचआई), श्री सत्य साईं संगठन और अपोलो हॉस्पिटल्स की ईएनटी टीम के प्रयासों से संभव हो सकी।

लड़की की 17 मई को सर्जरी हुई और अब वह अच्छी तरह से ठीक हो रही है तथा सुनने और बोलने की क्षमता की ओर बढ़ रही है। हैदराबाद के अपोलो अस्पताल के ईएनटी विभाग के प्रमुख डॉ. ईसी विनय कुमार ने बताया, अपनी बीमारी के कारण बच्ची लावण्या बोलने या आवाज़ों पर प्रतिक्रिया देने में असमर्थ थी। आगे की जटिलताएं तब पैदा हुईं जब परीक्षणों में कोक्लीयर हाइपोप्लेसिया और बाईं ओर असामान्य कोक्लीअ का पता चला। परिवार ने ब्राज़ील, वेनेजुएला, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में इलाज के विकल्प तलाशे, लेकिन वित्तीय बाधाओं के कारण इन देशों में इलाज कराना संभव नहीं था। गुयाना में श्री सत्य साईं संगठन ने मदद की और परिवार को हैदराबाद के अपोलो अस्पताल से जोड़ा। सर्जरी में वरिष्ठ ईएनटी सर्जन डॉ.ई.सी. विनय कुमार, डॉ.के. रामबाबू और डॉ. जसविंदर सिंह सलूजा तथा इंप्लांटेशन ऑडियोलॉजिस्ट डॉ आई श्रीकांत शामिल थे।

विजयवाड़ा डिवीजन के ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन विभाग को प्रतिष्ठित आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन

भारतीय रेलवे में पहली बार सम्मानित किया गया

विजयवाड़ा, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक ऐतिहासिक उपलब्धि में, नरेंद्र ए पाटिल, डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम), विजयवाड़ा डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे ने गर्व के साथ घोषणा की कि विजयवाड़ा डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे के ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन (टीआरडी) विभाग को आईएसओ 9001:2015 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित प्रमाणन 22 रणनीतिक स्थानों को कवर करता है- जिसमें टीआरडी डिपो, टीआरडी कार्यालय और टीआरडी स्टोर शामिल हैं- और यह इलेक्ट्रिक इंजनों की सुरक्षित और कुशल आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण ओवरहेड उपकरण (ओएचई) और बिजली आपूर्ति प्रतिष्ठानों के गुणवत्ता रखरखाव को मान्यता देता है। यह प्रमाणन एक प्रतिष्ठित प्रमाणन निकाय, क्यूआरओ सर्टिफिकेशन द्वारा हर्ष टेक्नोलॉजीज, हैदराबाद के माध्यम से सेवा वितरण की गुणवत्ता और निरंतरता का आकलन करने वाले कठोर और व्यापक ऑडिट की एक श्रृंखला के बाद जारी किया गया है। इस उपलब्धि के साथ, विजयवाड़ा डिवीजन भारतीय रेलवे में अपने पूरे टीआरडी विभाग के लिए आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन प्राप्त करने वाला पहला डिवीजन बन गया है- रेलवे संचालन में सुरक्षा, विश्वसनीयता और उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण। इस अवसर पर बोलते हुए, डीआरए नरेंद्र ए पाटिल ने चौ. दिनेश रेड्डी, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (वरिष्ठ डीईई/टीआरडी/बीजेडए) और ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन विभाग की पूरी टीम को सेवा मानकों को बढ़ाने में उनके अनुकरणीय समर्पण और निरंतर प्रयासों के लिए हार्दिक बधाई दी। डीआरएम ने कहा, यह प्रमाणन केवल एक मान्यता नहीं है- यह पूरे डिवीजन में निर्बाध यात्री सेवाओं के लिए उच्चतम गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को बनाए रखने की जिम्मेदारी है। यह उपलब्धि विजयवाड़ा डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है और गुणवत्ता-संचालित रेलवे बुनियादी ढांचे और संचालन में इसके नेतृत्व की पुष्टि करती है।

शिक्षा, अनुसंधान में सहयोग की संभावना तलाश रहा है विश्वविद्यालय

हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) और साउथ वेल्स विश्वविद्यालय (यूएसडब्ल्यू), यूके ने शिक्षा और अनुसंधान में वैश्विक साझेदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यूएसडब्ल्यू के एक प्रतिनिधिमंडल (जिसमें डॉ. एंड्रयू थॉम्पसन और विष्णु धनपाल शामिल थे) ने संभावित सहयोग की तलाश के लिए मंगलवार को यूओएच का दौरा किया। विजिटिंग टीम ने यूओएच के कुलपति प्रोफेसर बी.जे. राव से मुलाकात की और संभावित साझेदारी पर चर्चा की, जिसमें स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन पर केंद्रित ज्ञान हस्तांतरण वेबिनार, स्टाफ एक्सचेंज प्रोग्राम, सहयोगी छात्र परियोजनाएं और स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन में संयुक्त पाठ्यक्रम विकास शामिल हैं।

केटीआर ने यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास डलास के छात्रों से मुलाकात की

डलास/हैदराबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष कलवकुंतला तारक रामाराव ने आज यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, डलास के छात्रों से मुलाकात की और अमेरिका में कठिनाइयों का सामना कर रहे तेलुगु छात्रों को कानूनी सहायता प्रदान करने का वादा किया। उन्होंने छात्रों को अमेरिकी कानूनों और उनके समाज में हो रहे बदलावों को समझने की सलाह दी। उन्होंने छात्रों से केसीआर के जीवन से प्रेरणा लेने और लक्ष्य हासिल करने का प्रयास करने को भी कहा। उन्होंने कहा, भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए, विदेश में पढ़ रहे युवाओं को योगदान देना चाहिए। उन्होंने छात्रों को अपनी उच्च शिक्षा पूरी करने और हमारे देश में कंपनियां स्थापित करने की सलाह दी। केटीआर ने कहा कि उनकी पार्टी अमेरिका में भारतीय छात्रों के साथ खड़ी है, जो विभिन्न कारणों से कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि कई छात्र बड़ी उम्मीदों के साथ उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका आते हैं, और अगर वे अनजाने में जागरूकता की कमी के कारण गलतियां करते हैं, तो बीआरएस की यू.एस. शाखा आवश्यक कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए काम करेगी। उन्होंने स्वीकार किया कि जब छात्रों को ऐसी परिस्थितियों के कारण वापस लौटना पड़ता है तो भावनात्मक रूप से उन्हें बहुत तकलीफ होती है, जिसका असर न केवल उन पर बल्कि उनके परिवारों पर भी पड़ता है। इसलिए, उन्होंने कहा कि उन्हें सहायता देने का निर्णय लिया गया।

केटीआर ने यह भी सलाह दी कि छात्रों को अमेरिकी कानूनों और सामाजिक परिवर्तनों को समझना चाहिए और उसके अनुसार खुद को ढालना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्र को स्थानीय कानूनों और सामाजिक गतिशीलता के बारे में पता होना चाहिए। आज, केटीआर ने डलास में टेक्सास विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के साथ बातचीत की। उन्होंने छात्रों द्वारा उठाए गए कई सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका जाकर वहां पढ़ाई करने में काफी मेहनत और खर्च लगता है, लेकिन दुनिया तेजी से बदल रही है और अब कई अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिकी शिक्षा कई लोगों के लिए सुलभ हो गई है। केटीआर ने छात्रों से सिर्फ रैंक और ग्रेड पर ही नहीं बल्कि जीवन के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जीवन तेजी से बीत जाता है और इस छोटी सी अवधि में सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। भले ही बाधाएं हों या लोग आपको पीछे खींचने की कोशिश कर रहे हों, उन्होंने प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने पर जोर दिया। छात्रों को केवल नौकरी पाने का लक्ष्य नहीं रखना चाहिए, बल्कि समाज और दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में काम करना चाहिए। केटीआर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वैश्विक स्तर पर नवाचार हो रहा है, और भारत को इस क्षेत्र में अन्य देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। उन्होंने अमेरिकी संस्थानों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों को नवाचारों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने केसीआर के जीवन को इस बात का प्रमाण बताया कि जोखिम उठाने पर सपने सच होते हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि कैसे केसीआर, जो राजनीति में युवा माने जाने वाली उम्र (40 के दशक की शुरूआत) में थे, ने तेलंगाना के निर्माण के लिए लड़ने के लिए अपने पदों को छोड़ दिया।

उस समय कई लोगों ने उनका मजाक उड़ाया, लेकिन 14 साल के लगातार संघर्ष के बाद, वे राज्य का दर्जा हासिल करने में सफल रहे, और समाज के सभी वर्गों से प्रशंसा अर्जित की। केटीआर ने कई छात्रों के सवालों के जवाब दिए और उन्हें अपनी पढ़ाई के बाद भारत लौटने और अपनी खुद की कंपनियां शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। कई चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि भारत में बहुत सारे अवसर हैं। उन्होंने प्रतिभा पलायन पर चिंता व्यक्त की और विदेशों में भारतीय युवाओं से भारत और तेलंगाना के विकास में योगदान देने का आग्रह किया।

दो किसानों को मारने वाला हाथी तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा पर आया वापस

आसिफाबाद में स्थानीय लोगों में दहशत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 3 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 2024 में जिले में दो किसानों को कुचलकर मार डालने वाला एमई3 नामक अकेला हाथी पिछले कुछ दिनों से एक अन्य हाथी के साथ फिर से महाराष्ट्र और तेलंगाना की सीमा पर घूम रहा है। इससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है। सूत्रों ने बताया कि नर हाथी एक अन्य हाथी के साथ कुछ महीनों से महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के जंगलों में घूम रहा था।

महाराष्ट्र में हाथी-मानव संघर्ष से निपटने के लिए काम कर रहे एक कार्यकर्ता ने बताया कि एमई3 और दूसरा हाथी फिलहाल तेलंगाना की सीमा से करीब 40 किलोमीटर दूर हैं। वे क्षेत्र और भोजन की तलाश में दोनों राज्यों की सीमाओं को पार करके राज्य में प्रवेश कर सकते हैं। सूत्रों ने आगे बताया कि दोनों हाथी वर्तमान में चंद्रपुर के सिंदेवाही तालुके में घूम रहे थे। वे हाल ही में गढ़चिरौली जिला केंद्र की सड़कों पर घूमे और बुधवार को चंद्रपुर में घुस आए। एमई3 ने कुछ दिन पहले महाराष्ट्र के व्याड गांव में एक बच्चे को कुचलकर मार डाला था।

ये दोनों हाथी लगभग 30 हाथियों के झुंड से अलग हो गए थे, जिन्होंने अप्रैल में लगातार एक सप्ताह तक उत्तरी गढ़चिरौली जिले के आरमोरी तालुका के सूर्यडोंगरी, अकापुर, इंजावारी, किताडी, चुरमुरा और आसपास के गांवों में मक्का, धान और अन्य फसलों को नष्ट कर दिया था। एमई3 झुंड से भटक गया था और कथित तौर पर 2023 में व्यापक खनन गतिविधि के बाद छत्तीसगढ़ के पूर्वी हिस्सों से महाराष्ट्र की ओर चला गया था। वन अधिकारियों ने बताया कि कागजनगर डिवीजन के लोगों को हाथियों से सावधान रहने को कहा गया है। लोगों में जागरूकता फैलाई गई है और उन गांवों में घोषणाएं की जा रही हैं, जहां हाथी के पहुंचने की संभावना है। अधिकारी गढ़चिरौली जिले में हाथियों की आवाजाही के बारे में महाराष्ट्र के अपने समकक्षों के साथ समन्वय कर रहे हैं। हाथी ने 3 और 4 अप्रैल को चिंतालमनेपल्ली मंडल के बुरेपल्ली गांव के दो किसानों अल्लूरी शंकर (50) और पेंचिकलपेट मंडल के कोंडापल्ली गांव के कारू पोशम (65) को कुचलकर मार डाला था।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.